धनबाद
बुधवार 16.10.2024
मूल्य- ₹ 1.50
वर्ष-30 अंक-233 पृष्ठ-12
आश्विन शुक्ल पक्ष-14
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों की तारीखों का हुआ ऐलान

महाराष्ट्र में 20 नवंबर को और झारखंड में 13 और 20 नवंबर को वोटिंग ✪ नतीजे 23 नवंबर को

नई दिल्ली (ईएमएस): चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान मंगलवार दोपहर को कर दिया है।

इसके तहत महाराष्ट्र में सिंगल फेज में २० नवंबर को मतदान होगा, जबकि झारखंड में २ फेज में यानी १३ और २० नवंबर को मतदान किया जाएगा। इन दोनों राज्यों के चुनाव परिणाम २३ नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

चुनाव आयोग ने मंगलवार दोपहर ३.३० बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर १६ राज्यों की ४८ विधानसभा और २ लोकसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है।

वहीं केरल की वायनाड सीट पर भी १३ नवंबर को वोट डाले जायेंगे. वहीं उत्तराखंड के केदारनाथ विधानसभा उपचुनाव के लिए २० नवंबर को वोटिंग होगी. वहीं महाराष्ट्र की नांदेड़ लोकसभा सीट पर भी २० नवंबर को उपचुनाव होंगे.

उपचुनाव की मतगणना भी २३ नवंबर को ही होगी. इससे पहले जम्मू कश्मीर और हरियाणा में हुए विधानसभा चुनाव में भारी संख्या में मतदाताओं को शामिल होने के लिए बधाई दी. चुनाव आयुक्त कहा कि एजे ने सोशल मीडिया पर अफवाहों को रोका है. कहा कि जम्मू कश्मीर चुनाव में किसी तरह की कोई हिंसा नहीं हुई है.

झारखंड में 81 सीटों पर होंगे चुनाव

बता दें कि झारखंड में ८१ विधानसभा क्षेत्रों के लिए चुनाव होगा. इसमें जनरल ४४, एसटी २८ और एससी ९ सीट हैं. झारखंड विधानसभा चुनाव में २.६ करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे. इसमें १.२९ करोड़ महिला और १.३१ करोड़ पुरुष मतदाता हैं.

16 राज्यों की 48 विधानसभा और 2 लोकसभा सीटों पर उपचुनाव भी होंगे

पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं की संख्या ११.८४ लाख है. झारखंड में २०२८१ क्षेत्रों में २९५६२ पोलिंग स्टेशन बनेंगे. शहरी क्षेत्रों में ५०४२ और ग्रामीण क्षेत्रों में २४५२० मतदान केंद्र होंगे.

महाराष्ट्र में 288 विस क्षेत्रों के 9.63 करोड़ मतदाता डालेंगे वोट

बता दें कि महाराष्ट्र में २८८ विधानसभा क्षेत्रों के लिए चुनाव होगा. इसमें जनरल २३४, एसटी २५ और एससी २९ सीट है. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में ९.६३ करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे. इनमें ४.९७ करोड़ पुरुष और ४.६६ करोड़ महिला मतदाता हैं. पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं की संख्या २०.९३ लाख है. ५७७९ क्षेत्रों में १,००,१८६ पोलिंग स्टेशन बनेंगे. शहरी क्षेत्रों में ४२६०४ और ग्रामीण क्षेत्रों में ५७५८२ मतदान केंद्र होंगे.

एग्जिट पोल पर नजर रखने वाली संस्थाओं को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए : मुख्य चुनाव आयुक्त

नई दिल्ली (ईएमएस): मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि एग्जिट पोल के मामले में आयोग के हाथ बंधे हुए हैं। लेकिन, इस पर आत्मचिंतन की जरूरत है। एग्जिट पोल के सर्वे का साइन क्या है? इसपर बात होनी चाहिए। रिजल्ट अगर गलत आता है, तो इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। इस पर नजर रखने वाली संस्थाएं हैं। सख्त कार्रवाई की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि यह संस्थाएं इस पर काम करेंगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया, आमतौर पर पोलिंग खत्म होने के तीसरे दिन काउंटिंग होती है। वोटिंग पूरी होने पर शाम ६ बजे के बाद एग्जिट पोल के जरिए किसकी सरकार बनने जा रही है, इसे लेकर एक उम्मीद जगा दी जाती है। लोगों को लगता है कि यही होने वाला है। हालांकि, एग्जिट पोल का कोई साइंटिफिक बेस नहीं है। ▶▶ 7

कनाडा से लौट रहे उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा को मिलेगी कड़ी सुरक्षा

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत ने कनाडा के छह राजनयिकों को निष्कासित कर कनाडा से अपने उच्चायुक्त और अन्य राजनयिकों एवं अधिकारियों को वापस बुलाने की घोषणा की। भारत के उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा और पांच अन्य अधिकारी सप्ताह के अंत में कनाडा से लौट आएंगे।

भारत लौटने के बाद उन्हें संभावित खालिस्तानी खतरों के कारण बढ़ी हुई सुरक्षा दी जाएगी। इसके अलावा, कनाडा में हाल ही में तैनात अन्य भारतीय राजनयिकों और अधिकारियों को भी विशेष सुरक्षा दी जाएगी। वर्मा के अलावा, टोरंटो के वाणिज्य दूत सिद्धार्थ नाथ को सबसे अधिक खतरे में माना जा रहा है। उन्हें भी हाल ही में कनाडा छोड़ने को कहा गया था। नाथ ने पिछले साल अगस्त में टोरंटो कांसुलेट का कार्यभार संभाला था।

खालिस्तान समर्थक समूह 'सिख्स फॉर जस्टिस' (एसएफजे) ने उच्चायुक्त वर्मा की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ५००,००० डॉलर का इनाम घोषित ▶▶ 7

झारखंड विधानसभा चुनाव की हुई घोषणा के साथ आदर्श आचार संहिता लागू

रांची (एजेंसी): भारत निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को झारखंड विधानसभा चुनाव की घोषणा कर दी है. इसी के साथ १५ अक्टूबर २०२४ की शाम साढ़े तीन बजे से झारखंड में आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई.

निर्वाचन सदन धुर्वा में मीडिया को संबोधित करते हुए झारखंड मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने बताया कि चुनाव १३ और २० नवंबर को दो चरणों में होंगे. मतगणना २३ नवंबर को होगी.

पहले चरण के चुनाव के लिए अधिसूचना १८ और दूसरे चरण की २२ अक्टूबर को जारी होगी. उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित करेगा. स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव हमारी प्राथमिकता होगी. शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत बढ़ाना भी हमारी प्राथमिकता सूची में है.

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि पहले चरण में ४३ विधानसभा क्षेत्रों में और दूसरे चरण में ३८ विधानसभा क्षेत्रों में मतदान होंगे.

पहले चरण के लिए नामांकन २५ अक्टूबर तक और दूसरे चरण के लिए नामांकन की अंतिम तिथि २९ अक्टूबर होगी. पहले चरण के नामांकनों की स्क्रूटनी २८ अक्टूबर और दूसरे चरण की स्क्रूटनी ३० अक्टूबर को होगी. उन्होंने बताया कि प्रथम चरण के चुनाव को लेकर नाम वापसी की अंतिम तिथि ३० अक्टूबर और दूसरे चरण के लिए नाम वापसी की अंतिम तिथि ०१ नवंबर है. पूरी चुनावी प्रक्रिया २५ नवंबर को समाप्त हो जाएगी.

पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि मतदाताओं को मतदान को लेकर कोई असुविधा नहीं हो, इसे लेकर व्यापक तैयारी की गयी है. चुनाव कर्मियों को इसे लेकर प्रशिक्षित भी किया गया है. मतदान केंद्रों पर मतदाताओं का इंतजार कम हो, इसकी भी व्यवस्था की जा रही है.

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग एक एप्प भी जारी करेगा, जिसके माध्यम से मतदाता मतदान केंद्रों की स्थिति, मसलन मतदान केंद्र पर कितने लोग मतदान के लिए कतार में हैं, यह जानकारी घर बैठे ले सकेंगे.

उन्होंने कहा कि यह एप्प बुजुर्ग मतदाताओं के लिए काफी लाभदायक होगा. वहीं ८५ वर्ष से ऊपर के मतदाताओं को घर से मतदान की भी सुविधा रहेगी. इसके लिए उन्हें फार्म १२ डी भरना होगा. उन्होंने बताया कि चुनाव प्रचार में उम्मीदवार अधिकतम ४० लाख रुपये तक खर्च कर सकते हैं. इस दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के साथ अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. नेहा अरोड़ा और संदीप सिंह भी मौजूद थे.

नेशनल कॉन्फ्रेंस फारुख अबदुल्ला को भेज सकती हैं राज्यसभा

नई दिल्ली (ईएमएस): जम्मू और कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व में नई सरकार के शपथ ग्रहण के बाद करीब चार साल बाद चार राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होगा। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने उमर अब्दुल्ला को १६ अक्टूबर को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के लिए आमंत्रित किया था। सूत्रों के मुताबिक, नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस को तीन राज्यसभा सीटें जीतने की उम्मीद है। गठबंधन ने विधानसभा चुनावों में ९० में से ४८ सीटें हासिल कर बहुमत हासिल किया। सीपीआई-एम, आप और पांच निर्दलीय सहित अन्य दल गठबंधन का समर्थन कर रहे हैं, जिससे कुल मिलाकर संख्या ५५ हो गई है। सूत्रों ने बताया कि २९ सीटों के साथ भाजपा को एक राज्यसभा सीट मिल सकती है।

मैक्सिको और अमेरिका की आज से आधिकारिक यात्रा करेंगी वित्तमंत्री

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मैक्सिको और अमेरिका की १६ अक्टूबर से आधिकारिक यात्रा करेंगी। यह जानकारी सरकार ने दी है।

१७ से २० अक्टूबर तक होने वाली अपनी पहली मैक्सिको यात्रा के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगी। यह दोनों देशों के बीच बढ़ते द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापार संबंधों को रेखांकित करता है।

वित्त मंत्री सीतारमण टेक्नोलॉजी लीडर्स के गोलमेज सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगी। वित्त मंत्री ग्वाडलाजारा में टीसीएस मुख्यालय का भी दौरा करेंगी। ग्वाडलाजारा मैक्सिकन आईटी इकोसिस्टम में एक प्रमुख योगदानकर्ता है। इसे देश की सिलिकॉन वैली के रूप में जाना जाता है।

वित्त मंत्रालय के अनुसार, वित्त मंत्री अपने समकक्ष मैक्सिको के वित्त और सार्वजनिक ऋण मंत्री रोजेलियो रामिरेज डी ला ओ के साथ द्विपक्षीय बैठक भी करेंगी। मैक्सिको यात्रा के अंत में वित्त मंत्री भारतीय प्रवासियों द्वारा आयोजित एक सामुदायिक कार्यक्रम में भाग लेंगी।

इसके अलावा वित्त मंत्री सीतारमण २० से लेकर २६ अक्टूबर तक अमेरिका के दौरे पर रहेंगी। इस दौरान वह अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों, चौथे जी-२० वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नर (एफएमसीबीजी) की बैठकों में, पर्यावरण मंत्रियों और विदेश मंत्रियों की संयुक्त बैठक और जी७-अफ्रीका मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन की बैठकों में हिस्सा लेंगी।

मंत्रालय ने कहा कि वह न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में पेंशन फंड राउंडटेबल में भाग लेंगी। इसके साथ ही केंद्रीय वित्त मंत्री व्हार्टन स्कूल, पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय और कोलंबिया विश्वविद्यालय और ग्लोबल सॉवरेन डेट राउंडटेबल (जीएसडीआर) में छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत करेंगी। ▶▶ 7

भारत में 4 विमानों को बम से उड़ाने की धमकी के चलते अफरा-तफरी का माहौल

नई दिल्ली (ईएमएस): मंगलवार को देश के चार विमानों को बम से उड़ाने की धमकी के बाद हड़कंप मच गया . सुरक्षा एजेंसियां हरकत में आ गई . विमानों को नजदीकी एयरपोर्ट पर उतारा जा गया और उसके बाद गहन जांच की गयी. हालांकि यह कोरी अफवाह निकली। इन विमानों में एअर इंडिया, स्पाइसजेट, इंडिगो और अकासा के विमान शामिल थे . साथ ही सुरक्षा एजेंसियों ने विमानों की धमकी देने वालों का पता लगाने के लिए भी कोशिश तेज कर दी है. साथ ही एहतियात के लिए कदम उठाए जा रहे हैं. दिल्ली से शिकागो जा रहे एअर इंडिया के एक विमान को मंगलवार को बम की धमकी के बाद कनाडा के एक एयरपोर्ट की ओर मोड़ दिया गया. एअरलाइन ने एक बयान में कहा कि १५ अक्टूबर २०२४ ▶▶ 7

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रडार स्टेशन की आधारशिला रखी

हैदराबाद (ईएमएस): केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को दमगुडेम वन क्षेत्र में भारतीय नौसेना के बहुत कम आवृत्ति (वीएलएफ) रडार स्टेशन की आधारशिला रखी। उन्होंने कहा कि नौसेना के वीएलएफ स्टेशन में जब परिचालन शुरू होगा तब यह समुद्री बलों के लिए महत्वपूर्ण होगा। यह देश में नौसेना का दूसरा वीएलएफ संचार ट्रांसमिशन स्टेशन है। तेलंगाना सरकार की ओर से कहा गया है कि तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में आईएनएस कट्टाबोम्मन रडार स्टेशन अपनी तरह का पहला स्टेशन था।

इस मौके पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार और अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री राजनाथ ने कहा कि मैं, इस वीएलएफ स्टेशन के निर्माण से जुड़े हुए सभी लोगों को अपनी ओर से बधाई देता हूं। साथ ही मैं तेलंगाना सरकार और विशेषकर मुख्यमंत्री, रेड्डी जी का भी उनके विशेष योगदान के लिए धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि जब यह वीएलएफ स्टेशन अपने निर्माण के बाद कार्यात्मक हो जाएगा, तब यह हमारे समुद्री सेना के लिए अनेक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। केंद्रीय मंत्री राजनाथ ने कहा ▶▶ 7

विधानसभा चुनाव भी निष्पक्ष करवाएंगी आईएएस माधवी मिश्रा

धनबाद लोकसभा चुनाव निर्विवाद कराने का श्रेय मिल चुका है उन्हें

गणेश मिश्रा

धनबाद : महिला आईएएस अधिकारी माधवी मिश्रा ने झारखण्ड के आईएएस अधिकारियों और भारत के निर्वाचन आयोग के नजरों में न्यायप्रिय और निष्पक्ष चुनाव कराने वाले जिला निर्वाचन पदाधिकारी के रूप में माना जाता है।

१ मई २०२४ को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के धनबाद आगमन में सुरक्षा में लापरवाही होने के कारण तत्कालीन उपायुक्त वरूण रंजन को हटा कर सरकार ने माधवी मिश्रा को उपायुक्त बनाया। २०१५ बैच के आईएएस अधिकारी माधवी मिश्रा ने धनबाद लोकसभा चुनाव २०२४ को सफलतापूर्वक निष्पक्ष ढंग से कराया और फिजूल खर्चों पर रोक लगाया। शांतिपूर्ण निर्विवाद चुनाव करवाकर झारखण्ड को एक नया संदेश दिया।

उपायुक्त माधवी मिश्रा के कार्य की सफलता के कारण दुबारा निर्वाचन आयोग ने उन्हें विधानसभा चुनाव जो कि धनबाद जिले में २० नवम्बर २०२४ को होने वाला है। उसका भी सफल संचालन करने का दायित्व महिला आईएएस अधिकारी माधवी मिश्रा के कंधों पर डाला है।

हरियाणा में भाजपा बनाएगी दलित को मुख्यमंत्री?

कृष्ण लाल पवार का राज्यसभा से इस्तीफा

नई दिल्ली (ईएमएस): हरियाणा मे भारतीय जनता पार्टी में मुख्यमंत्री पद को लेकर घमासान मचा हुआ है। चुनाव के पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाए जाने की बात कही थी। उन्हीं के नाम पर हरियाणा का चुनाव लड़ा गया था। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा के पास स्पष्ट बहुमत होते हुए भी केंद्रीय नेतृत्व नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री नहीं बना पा रहा है।

हरियाणा के राव इंद्रजीत एवं पूर्व गृह मंत्री अनिल बिज मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल है। इन दोनों नेताओं के गुट में कई विधायक है। इन नेताओं ने आक्रमक तेवर अपना रखे है। उसने भाजपा की चिंता को बढ़ा दिया है। ऐसी स्थिति में बगावत को रोकने के लिए हरियाणा मे मुख्यमंत्री पद के लिए इस बार दलित ▶▶ 7

क्या भाजपा हेमंत सोरेन के जवाब में चम्पाई सोरेन को सीएम प्रोजेक्ट करेगा विधानसभा चुनाव में

रागिनी सिंह को मिला है पीएम मोदी का आर्शीवाद, धनबाद में एल.बी.सिंह या राज किसे मिलेगा ताज ✪ कम समय में चुनाव प्रचार के लिए एड़ी-चोटी एक करना होगा प्रत्याशियों को

गणेश मिश्रा

धनबाद : झारखण्ड विधानसभा चुनाव की घोषणा मंगलवार को चुनाव आयोग ने कर दिया है। पहले चरण का मतदान १३ नवम्बर और दूसरे चरण का मतदान २० नवम्बर को होगा और २३ नवम्बर को हार-जीत का फैसला होगा। झारखण्ड में सत्ता से बाहर रह रहे भारतीय जनता पार्टी की हाईकमान आखिर किसे झारखण्ड के मुख्यमंत्री के रूप में प्रोजेक्ट करेगा। क्योंकि भाजपा में अभी ४ पूर्व मुख्यमंत्री हैं। जिसमें बाबूलाल मरांडी दूसरे नम्बर पर हैं अर्जुन मुण्डा और तीसरे नम्बर पर मधु कोड़ा और चौथे नम्बर पर जेएमएम से भाजपा में गए चम्पाई सोरेन।

चर्चा है कि झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से नाराज होकर भाजपा में आए निर्विवाद पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन को सीएम का उम्मीदवार घोषित कर चुनाव लड़ सकता है। भाजपा को चम्पाई सोरेन के मुख्यमंत्री काल में किए गए विकास योजनाओं का लाभ मिलेगा और झारखण्ड के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में चम्पाई सोरेन को हेमंत सोरेन का काट बताया जा रहा है। जेएमएम के सुप्रीमो शिबू सोरेन के विश्वासपात्र रहे चम्पाई सोरेन की पकड़ जेएमएम कार्यकर्ताओं के बीच होने का फायदा उठा सकता है। भाजपा में शामिल अर्जुन मुण्डा के कार्यकाल को जनता देख चुकी है और बाबूलाल मरांडी के शासन को भी देखा है।

मधु कोड़ा भी चर्चित रहे हैं भ्रष्टाचार के मामले में। भले ही न्यायालय ने उन्हें बरी कर दिया हो। वहीं धनबाद भाजपा में भी लोग नया चेहरा के रूप में एल.बी.सिंह को देखना चाह रहे हैं। झरिया में भाजपा की प्रत्याशी रागिनी सिंह पुनः बन सकती है क्योंकि उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आर्शीवाद मिला हुआ है। निरसा विधानसभा में भी अर्पणा सेन गुप्ता और अशोक मंडल में टिकट के लिए जोड़तोड़ प्रयास चल रहा है।

वहीं सिन्दरी के विधायक बीमार इंद्जीत की महतो की पत्नी तारा देवी भी टिकट के प्रबल दावेदार हैं। वहीं बाघमारा विधानसभा क्षेत्र में सांसद ढुलू महतो अपने भाई शत्रुघ्न महतो को टिकट दिलाने के लिए दिल्ली में लौबी कर रहे हैं। लेकिन दूसरे कई भाजपा कार्यकर्ता इसका विरोध कर रहे हैं। जबकि बोकारो से बिरंची नारायण पुनः ताल ठोक रहे हैं।

चुनाव की घोषणा होने के बाद प्रत्याशियों के नामों की घोषणा अगर शीघ्र नहीं होता है तो इसका खामियाजा टिकट बांटने में देर करनेवाली पार्टियों को भुगतना पड़ेगा। क्योंकि १३ नवम्बर के मतदान में मात्र २८ दिन बचा है और प्रचार भी करना है। वहीं दूसरे चरण के मतदान २० नवम्बर को होगा उसमें धनबाद जिले के विधानसभा क्षेत्र का मतदान होगा इसमें मात्र ३४ दिन बचे हैं। इतने कम समय में प्रत्याशियों को प्रचार के लिए एड़ी-चोटी एक करना होगा।

शांतिपूर्ण व निष्पक्ष चुनाव संपन्न करने के लिए जिला प्रशासन तैयार : उपायुक्त

धनबाद (कासं) : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा ने विधानसभा चुनाव २०२४ की घोषणा होने के बाद पत्रकार वार्ता कर मीडिया से कहा कि धनबाद में

- नामांकन करने की अंतिम तिथि 29 को
- 20 नवंबर को धनबाद में मतदान
- लाइसेंसी हथियार धारकों को हथियार जमा करने का निर्देश

22 अक्टूबर को विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी की जाएगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि २९ अक्टूबर रहेगी। ३० को नामांकन पत्रों की स्क्रुटनी की जाएगी। वहीं १ नवंबर को नाम वापस लेने की अंतिम तिथि रहेगी।

उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में धनबाद में २० नवंबर को मतदान किया जाएगा। २३ नवंबर को मतगणना की जाएगी तथा २५ को चुनाव की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव संपन्न करने के लिए जिला प्रशासन ने मुकम्मल तैयारी की है। उन्होंने शहरी एवं युवा वोटरों को लोकतंत्र के महापर्व में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की। साथ ही बताया कि २०१९ के विधानसभा चुनाव में धनबाद में ६२.२८ मतदान हुआ। वहीं लोकसभा चुनाव २०२४ में मतदान प्रतिशत २.५३ बढ़कर ६४.८१ रहा। विधानसभा चुनाव में भी स्वीप एक्टिविटी के तहत मतदाताओं को जागरुक कर मतदान प्रतिशत को और बढ़ाने का जिला प्रशासन का उद्देश्य रहेगा।

उन्होंने कहा कि ३८ सिंदरी, ३९ निरसा, ४० धनबाद, ४१ झरिया, ४२ टुंडी एवं ४३ बाघमारा विधानसभा को लेकर १३१८ भवनों में २३७२ मतदान केंद्र में मतदाता मतदान करेंगे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा ३८ सिंदरी, ३९ निरसा, ४० धनबाद, ४१ झरिया, ४२ टुंडी एवं ४३ बाघमारा को लेकर कुल २० लाख ७५ हजार ८६९ मतदाता है। इसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या १० लाख ७२ हजार ५९६, महिला मतदाताओं की संख्या १० लाख ३ हजार २२१ एवं ५२ ट्रांसजेंडर मतदाता है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि धनबाद में २७ हजार ९४४ पीडब्ल्यूडी, ८५ वर्ष से अधिक उम्र के ५ हजार ४४३ वोटर है। १८१९ वर्ष के वोटरों की संख्या ७६ हजार ६५६ है। १८१९ वर्ष के वोटरों में मेल वोटर की संख्या ३३ हजार ३४७, फीमेल वोटर की संख्या ४३ हजार ३०८ तथा एक ट्रांसजेंडर मतदाता है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि विधानसभा चुनाव २०२४ की घोषणा होने के साथ ही आदर्श आचार संहिता भी प्रभावी हो गई है। चुनाव आयोग के निर्देश अनुसार इसका अक्षरशः पालन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न करने के लिए ६३ स्टेटिक सर्विलांस टीम, १८ वीडियो सर्विलांस टीम, १२ वीडियो व्यूइंग टीम, ६३ फ्लाइंग स्क्वॉड टीम, २२ अकाउंटिंग टीम तथा १२ असिस्टेंट एक्सपेंडिचर ऑब्जर्वर मौजूद रहेंगे। इसके अलावा ११ इंटर स्टेट तथा ५ इंटर डिस्ट्रिक्ट चेक पोस्ट पर लगातार आने जाने वालों की जांच की जाएगी। पत्रकार वार्ता में मौजूद वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप जी जनार्दनन ने कहा कि लोकसभा चुनाव की तरह ही विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराया जाएगा।

उन्होंने बताया कि सिंदरी एवं टुंडी विधानसभा में विशेष निगरानी रखी जाएगी। वहीं ४१ मतदान केंद्र नक्सल एरिया में है। जबकि वल्नरेबल बूथ की संख्या ३७ एवं क्रिटिकल बूथ की संख्या ६३२ है। उन्होंने बताया कि चुनाव को लेकर जिले को २६० सेक्टर में बांटा गया है। जहां मतदान संपन्न होने तक सुरक्षाकर्मी भ्रमण करते रहेंगे। मतदान के दिन १९ जोन में क्रिक रिस्पांस टीम मौजूद रहेगी।

उन्होंने कहा कि जिले में शांति एवं विधिव्यवस्था कायम करने के लिए एक ९७३१ से अधिक वैसे असामाजिक तत्वों को चिन्हित किया है जो विगत १ साल में विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं। वहीं पिछले १० साल में विविध कांड में संलिप्त अभियुक्तों की भी लिस्ट बनाई गई है। उनके ऊपर पुलिस की सतत् नजर रहेगी और प्रीवेंटिव कार्रवाई भी की जाएगी।

एसएसपी ने कहा कि चुनाव को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए सीएमपीएफ की ५ कंपनी एलॉट की गई है। जिसमें २ कंपनी धनबाद में आ गई है और अभी से जिले के हर कोने में भ्रमणशील रहेगी। साथ ही उन्होंने लाइसेंसी हथियार धारकों को अपने निकटतम थाना में हथियार जमा करने का निर्देश दिया।

एसएसपी ने कहा कि सोशल मीडिया पर भ्रामक एवं भड़काऊ मैसेज डालने वालों के लिए सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल भी प्रभावी है। ऐसा करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पत्रकार वार्ता में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा, वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन, ३८ सिंदरी विधानसभा के निर्वाची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता विनोद कुमार, ३९ निरसा विधानसभा के निर्वाची पदाधिकारी सह एडीएम सप्ताई जियाउल अंसारी, ४० धनबाद विधानसभा के निर्वाची पदाधिकारी सह एसडीओ राजेश कुमार, ४१ झरिया विधानसभा के निर्वाची पदाधिकारी सह एडीएम लॉ एण्ड ऑर्डर पीयूष सिन्हा, ४२ टुंडी विधानसभा के निर्वाची पदाधिकारी सह एलआरडीसी दिलीप कुमार महतो, ४३ बाघमारा विधानसभा के निर्वाची पदाधिकारी सह निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह के अलावा अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

न्यू टाउन हॉल में पुलिस विभाग में अधिकारियों की पिपिंग सेरेमनी आयोजित

धनबाद (कासं) : न्यू टाउन हॉल में मंगलवार को पुलिस विभाग में प्रोन्नती पाने वाले अधिकारियों के लिए पिपिंग सेरेमनी आयोजित की गई। जिन पुलिस कर्मियों को प्रमोट किया गया उनमें कुल २५४ लोग शामिल हैं। सिपाही/हवलदार से २५० पुलिस कर्मियों को सहायक पुलिस अवर निरीक्षक के पद पर प्रोन्नती दी गई, इसके साथ ही ३ पदाधिकारियों को पुलिस निरीक्षक व १ को अवर पुलिस निरीक्षक के पद पर प्रोन्नती दी गई।

एसएसपी हृदीप पी जनार्दनन ने प्रोन्नती पाने वाले सभी पदाधिकारियों को उनके उज्वल भविष्य की कामना कर बधाई दी। एसएसपी समेत अन्य पदाधिकारियों ने अधिकारियों को प्रोन्नती के बाद मिलने वाला स्टार लगाया। एसएसपी ने कहा कि प्रोन्नती पाने वालों के लिए उनके जीवन में यह एक यादगार क्षण है। एसएसपी ने प्रमोशन पाने वाले सभी अधिकारियों को शुभकामनाएं दी और बेहतर कार्य करते हुए अपनी जिम्मेवारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने को कहा।

पिपिंग सेरेमनी में वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन, सिटी एसपी अजीत कुमार, डीएसपी मुख्यालय द्वितीय डी एन बंका, डीएसपी विधिव्यवस्था नौशाद आलम, एसडीपीओ सिंदरी आशुतोष सत्यम, एसडीपीओ निरसा रजत मणिक बाखला, डीएसपी सीसीआर सुमित कुमार, डीएसपी मुख्यालय वन शंकर कामती, डीएसपी साइबर संजीव कुमार समेत कई पुलिस पदाधिकारी शामिल थे।

बाइक चोरी करते युवक धराया, लोगों ने की धुनाई

धनबाद (कासं) : जिले के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एसएनएमएमसीएच में बाइक चोरी की कोशिश करने के आरोप में लोगों ने एक युवक को पकड़ कर जमकर धुनाई कर दी। लोगों के मुताबिक अस्पताल परिसर में खड़ी बाइक को युवक अपनी चाबी से खोलने की कोशिश कर रहा था। इस दौरान लोगों की नजर उस पर पड़ गई। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। जानकारी मिलने के बाद सरायढेला थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी युवक को हिरासत में लेकर थाना ले गई हैं।

इस संबंध में एसएनएमएमसीएच अस्पताल के निजी सुरक्षा एजेंसी कमांडो सिक्यूरिटी के स्टाफ राज हांडी ने बताया कि अस्पताल के मुख्य द्वार के बगल से ओपीडी जाने वाली गैलरी के बगल में कई बाइक खड़ी थी और युवक दो अन्य साथियों के साथ बाइक की लॉक खोलने की कोशिश कर रहा था। इस दौरान उनकी नजर युवक पर पड़ गईं।

लोगों की नजर पड़ते ही तीनों युवकों ने भागने की कोशिश की। जिसमें से दो युवक तो भागने में सफल रहे, लेकिन एक युवक को लोगों ने दबोच लिया। युवक को पकड़ने के बाद लोगों ने जमकर उसकी पिटाई कर दी। इसके बाद युवक को पुलिस को सौंप दिया गया। सिक्यूरिटी स्टाफ ने बताया कि लगातार अस्पताल परिसर से बाइक चोरी की घटनाएं हो रही हैं। वहीं मौके पर गोर्विदपुर के रहने वाले जितेन रजक ने बताया कि उनकी मां अस्पताल में भर्ती हैं। सोमवार को अपनी बाइक खड़ी कर वार्ड के अंदर मां को देखने के लिए गए थे। वापस लौटने के बाद उनकी बाइक नहीं मिली। सोमवार को करीब ११ बजे उनकी बाइक चोरी हुई थी।

वहीं मौके पर पहुंची सरायढेला थाना के सब इंस्पेक्टर ने बताया कि बाइक चोरी की कोशिश करने की जानकारी मिली थी। जिसके बाद मौके पर पहुंचे हैं। फिलहाल आरोपी को पकड़कर थाना ले गया। युवक से थाने में पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पिता ने दुधमुंही बच्ची को पटक कर मार डाला

धनबाद (कासं) : धनबाद जिले के गलफरबाड़ी ओपी क्षेत्र के सियारकनाली गांव में शराबी पिता ने अपनी २१ दिन की दुधमुंही बच्ची को पटक कर मार डाला। यह आरोप बच्ची की मां ममता देवी ने लगाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांचपड़ताल की। आरोपी पिता दीपक पासवान को गिरफ्तार कर ले गई। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। वहीं, बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया। बच्ची के पिता दीपक पासवान ने आरोपों को ग़लत बताया है। उसने पुलिस को बताया कि वह अपनी बीमार पत्नी का इलाज करवा रहा है। उसे टीबी की बीमारी है। बच्ची को पटक कर मारने की बात झूठी है।

वहीं, ममता देवी ने बताया कि सोमवार की शाम पति दीपक पासवान शराब के नशे में धुत्त होकर घर आया और बेवजह झगड़ा करने लगा। इसी दौरान उसने दुधमुंही बच्ची को पटक दिया। बच्ची को अंदरूनी चोट आई और उसने दूध पीना छोड़ दिया। मंगलवार की सुबह उसकी मौत हो गई। ममता ने बताया कि पति दीपक शराब पीकर उसके साथ अक्सर मारपीट करता है। बूढ़ी मां के साथ भी मारपीट करता है। ग्रामीणों ने भी दीपक की करतूत बयां करते हुए कहा कि मारपीट के डर से ममता और उसकी सास गांव में छुपती फिरती हैं।

इलाज के दौरान महिला की मौत,परिजनों ने किया सड़क जाम

कतरास (मसे) : बाघमारा थाना क्षेत्र के हरिणा में इलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गई। जिसके बाद गुस्साएं परिजनों ने हरिणामोमो मार्ग को जाम करके मुआवजे की मांग कर रहे थे। वही परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर द्वारा गलत इलाज करने के कारण महिला की मौत हो गई। फिलहाल बाघमारा और बरोरा थाने की पुलिस घटना स्थल पर मौजूद है और परिजनों को शांत कराने में जुटी हुई है। जबकि क्लिनिक के डॉक्टर क्लिनिक को छोड़कर फरार हो गए।

अस्पताल के जूनियर डॉक्टर हड़ताल पर

धनबाद (कासं) : कोलकाता में आरजी कर मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में जूनियर डॉक्टर की रेप व हत्या के विरोध में दो महीने से डॉक्टरों का आंदोलन जारी है। वहीं करीब २०० घंटे से सभी डॉक्टर भूख हड़ताल पर हैं। भूख हड़ताल पर बैठे डॉक्टरों के समर्थन में मंगलवार को झारखंड समेत देशभर के सभी जूनियर डॉक्टर भी भूख हड़ताल पर हैं। आईएमए ने भी इस हड़ताल का समर्थन किया है। धनबाद मेडिकल कॉलेज के जूनियर डॉक्टर भी अस्पताल परिसर में भूख हड़ताल पर बैठे हैं। डॉक्टरों के हड़ताल पर जाने से ओपीडी और ओटी सेवाएं बंद हैं। हालांकि जूनियर डॉक्टरों ने आपातकालीन सेवाएं बहाल रखने का निर्णय लिया है। हड़ताल के कारण मरीजों का इलाज नहीं हो पा रहा है। दूरबराज से मरीज इलाज कराने आ रहे हैं, लेकिन सेवाएं बंद होने के कारण इलाज नहीं हो पा रहा है। भूख हड़ताल पर बैठे चिकित्सक ने कहा कि कोलकाता में भूख हड़ताल कर रहे डॉक्टरों की हालत बिगड़ रही है। कुछ की स्थिति गंभीर है। हड़ताल के डॉक्टरों के समर्थन में देशभर के जूनियर डॉक्टर मंगलवार को एक दिन की हड़ताल पर थे इस दौरान वे अपनी सेवा नहीं दिये।

रिटायर्ड फौजी से 9 लाख की ठगी, एसएसपी से शिकायत

निरसा (मसे) : निरसा अनुमंडल क्षेत्र के एग्यारकुंड पानी टंकी निवासी रिटायर्ड फौजी कुणाल पाल्दि से ९ लाख रुपए की ठगी मामले में अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। एफआईआर दर्ज हुए तीन माह बीतने को हैं, लेकिन पुलिस ने अभी तक कोई आरोपी की गिरफ्तारी नहीं की है। इससे नाराज रिटायर्ड फौजी ने मंगलवार को धनबाद के एसएसपी एचपी जनार्दनन को फोन कर पूरे मामले की जानकारी दी।

गलफरबाड़ी ओपी पुलिस से शिकायत भी की। कहा कि दो माह तक टालमटोल के बाद २२ जुलाई को गलफरबाड़ी ओपी पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। एफआईआर में उसने भालुकसुंदा मुगमा निवासी

भोला राम व कुमारधुबी कालीमंडा निवासी नीरज सिंह सहित ५ लोगों को नामजद आरोपी बनाया है। लेकिन इनमें से किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। सभी आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। उसे धमकी भी मिल रही है।

भुक्तभोगी पालित ने बताया कि ठगी में अलग-अलग तीन लोगों के बैंक खाता का उपयोग किया गया। उसने ईंट की फैक्ट्री से जुड़े व्यवसाय के नाम पर नकद ४ लाख व ५ लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर किया था। ठगों ने धंधे में बड़ा लाभ का झांसा देकर ५ किस्तों में उससे ९ लाख रुपए ठग लिए। बाद में उनलोगों ने धंधे में सारे रुपये डूब जाने की झूठी कहानी गढ़ दी।

राज्यपाल ने निजी अस्पताल का किया उद्घाटन

धनबाद (कासं) : झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार मंगलवार को धनबाद पहुंचे। यहां उन्होंने एक निजी अस्पताल का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने अस्पताल में चिकित्सा व्यवस्था का भी जायजा लिया और स्कूली बच्चो से मिलकर उन्हें अनुशासन का पाठ पढ़ाया। उद्घाटन समारोह में धनबाद की डीसी माधवी मिश्रा, एसएसपी एचपी जनार्दनन, पूर्व सांसद पीएन सिंह, विधायक राज सिन्हा, भाजपा नेत्री रागिनी सिंह, सिंदरी विधायक इंद्रजीत महतो की पत्नी तारा देवी समेत भाजपा के कई नेता, आईएमए धनबाद के अध्यक्ष डॉ. एके सिंह व शहर के कई प्रतिष्ठित चिकित्सक मौजूद रहे। इससे पूर्व धनबाद पहुंचने पर राज्यपाल को जिला प्रशासन की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर पेश किया गया। राज्यपाल के आगमन को लेकर जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा की चाकचौबंद व्यवस्था की गई थी।

पंचमुखी हनुमान मंदिर में हरिकीर्तन व जागरण आयोजित

जोड़ापोखर (मसे) : श्री श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर में फुसबंगला मुंडा पट्टी में २४ घंटे का अखंड हरिकीर्तन व जागरण का आयोजन किया जा रहा है। प्रथम दिन मंगलवार को पूजा-अर्चना के बाद अखंड हरिकीर्तन शुरू हो गया है और बुधवार को अखंड समाप्ति होगी। रात में जागरण का आयोजन होने जा रहा है। अखण्ड हरिकीर्तन में डिगवाडीह, भागा, डुमरी, लोदना आदि अन्य क्षेत्रों से कीर्तन मंडली पहुंचे है। पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया है। हरेराम, हरेकृष्ण का उद्घोषक झाल, ढोल, बेंजो पर भक्तों की टोली झूम रहे थे। मंगलवार को संध्या में आरती के बाद पूरे क्षेत्र में प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम में राजू मुंडा, दिलीप यादव, छोटू वर्मा, सोनू वर्मा, नंदलाल दास आदि थे।

बीसीसीएल में अंतर ग्राम फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

धनबाद (कासं) : मंगलवार को बीसीसीएल के विशेष अभियान ४.० के आलोक में सीएसआर विभाग, कोयला भवन के सौजन्य से सिजुआ क्षेत्र द्वारा सिजुआ स्टेडियम, सिजुआ में अंतर ग्राम फुटबॉल प्रतियोगिता२०२४ का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में ६ ग्रामीण टीमों ने भाग लिया। अंतर ग्राम फुटबॉल प्रतियोगिता२०२४ का फाइनल मैच १६ को खेला जाना है। मौके पर स्टेडियम में सिजुआ स्टेडियम, सिजुआ में सुधाकर प्रसाद, महाप्रबंधक, सिजुआ क्षेत्र, चंदन कुमार श्रीवास्तव, क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक, सिजुआ क्षेत्र, मुकेश कुमार, उप प्रबंधक (कार्मिक/प्रशासन), सिजुआ क्षेत्र, सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। खेल प्रेमी दर्शक दीर्घा में बैठकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते नजर आए। मैच में खिलाड़ियों ने खेल भावना का प्रदर्शन करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

श्यामडीह विवाह मंडप में दुर्गा सोरेन सेना का गठन

कतरास (मसे) : श्यामडीह मोड़ स्थित विवाह मंडप में दुर्गा सोरेन सेना का गठन के चौथे वर्षगांठ पर झारखंड अलग राज्य बना। २४ साल में हम लोगों को बदलाव आज तक देखने के लिए नहीं मिला। उक्त बातें जामा विधायक सीता सोरेन ने कही। यह भी कही कि महिलाओं को मान सम्मान, युवाओं को नौकरी के लिए बाहर भटकने की जरूरत पड़ी, पिछले २०१९ में जो चुनाव में मुख्यमंत्री ने कहा था सरकारी नौकरी नहीं तो युवा को सम्मान भत्ता मिलेगा, लेकिन सिर्फ बेवकूफ बनाने के लिए महिला हम अधिकारों के बात करते हैं।

सीएम जेल में रहकर आए है जमीन किस तरह से अपने नाम में ट्रांसफर किया सब जानते हैं। नौकरी नहीं, स्वास्थ्य की सुविधा नहीं, पढ़ाई नहीं, बच्चों की स्कूल दूर, बीमारी बढ़ रही है, गरीबों के लिए जो इलाज के खर्चे हैं कहां से आएंगा। सरकार इस राज्य की सर्वांगीण विकास के लिए १ लाख ३६ हजार करोड़ की बात करते हैं तो यह जो पैसा है आप ऐसे मांग रहे हैं जैसे भीख मांग रहे हैं। कानून है

कानून के पास जाए, कोर्ट के पास जाए ,फिर मोदी जी को दोस लगा देंगे कि केंद्र सरकार हमको मेरा पैसा नहीं देता कभी बोलते हैं, संविधान को बदल देंगे तो पूरा भारत जोड़ो यात्रा निकाल लिया और मोदी जी ने संविधान बदल देंगे। इस नाम पर लोगों को उलझा करके रख दिए कि वह संविधान बदल जाएंगे। मोदी जी के माध्यम से सब कुछ मिल रहा है। कृषि सम्मान निधि मिल रहा है हर घर में नल जल योजना आना जा रहा है मोदी जी कहा है कि सोलर प्लांट लगा दिया जाएगा और कम से कम बिजली का बिल आएगा। मोदी जी का सेंट्रल का कितना अच्छा योजना है, बदलाव होगा तभी इस झारखंड का कायाकल्प होगा और विकास हो इतना ही समझ करके रहे क्योंकि एक डेढ़ महीना के अंदर अभी चुनाव का घोषणा भी हुई है। हम लोग को बदलाव करना है।

केंद्रीय अध्यक्ष श्री सोरेन ने कही कि आज झारखंड का एक बड़ा हिस्सा बन चुका है। दुर्गा सोरेन अपना योगदान दिया आंदोलन का एक बड़ा हिस्सा बने और साथ में आंदोलन के बाद लोगों के लिए अपनी तरफ से जितनी सहायता हो पाए उन्होंने किया। आज हमारे राज्य में हमारे राज्य की महिलाएं पीड़ित है हमारा युवा वर्ग को परीक्षा में उनका पेपर लीक हो जाता है। झारखंड को हम सब जानते हैं कि जो अभी की सरकार हमारे लिए बस एक दिखावे का काम कर रही है ताकि वोट पा सके तो इन सब चीजों को हमें अपने आप को समझाना पड़ेगा।

कार्यकारी अध्यक्ष राजश्री सोरेन ने कहा कि संघर्ष को याद करें और उसे बलिदान को याद करें और उसे सपने को याद रखें जो मेरे स्व. पिता दुर्गा सोरेन ने झारखंड के लिए एक सपना देखा जो आज भी कहीं ना कहीं अधूरा है और उसी को पूरा करने के लिए हमने गठन किया। १५ अक्टूबर २०२१ में और आज हम यहां खड़े हैं, जब आप सब हमसे यहां इतने मात्रा में साथ जुड़ रहे हैं उन सबका कहीं ना कहीं एक ही उद्देश्य है कि झारखंड दिशा की ओर ले जाने में आप सबको याद दिलाना चाहूंगी कि दुर्गा सोरेन का एक ही मूल सिद्धांतों पर चलता है और उन्हीं के दिखाए हुए रास्तों पर चलता है और उन्होंने हमें सिखाया है कि हमें लोगों की सहायता करने से बड़ा धर्म और बड़ा कर्तव्य और कोई नहीं है । आज अगर देखा जाए तो झारखंड इस मोड़ पर है जब यहां पर बदलाव की सबसे ज्यादा जरूरत है क्योंकि जिस राज्य को मेरे दादाजी शिबू सोरेन और मेरे स्व. पिता दुर्गा सोरेन ने एक आशा के साथ उज्ज्वल भविष्य के साथ अलग झारखंड राज्य बनाया था। यहां के लोगों को उनका अधिकार दिलाने के लिए यहां के लोगों को उनका सम्मान देने के लिए तो वह कहीं ना कहीं अधूरा रह रहा है और कहीं ना कहीं इस राज्य में भारी परिवर्तन की आवश्यकता है और यह मैं इसलिए कह रही हूं क्योंकि आप सब झारखंड वासी हैं जितने भी अभी बैठे हैं आप सभी जानते हैं कि हमारे राज्य में जो हमारे छात्र हैं किसी भी राज्य का छात्र उसे राज्य का आने वाला कल है आने वाला भविष्य है झारखंड का निर्माण करने के लिए इतना संघर्ष हमारे पूर्वजों ने किया। इस बार हमें लगता है कि यहां की जनता चाहती है कि यहां एक भारी परिवर्तन आए।

केंद्रीय अध्यक्ष जय श्री सोरेन, राजश्री सोरेन, प्रदेश महासचिव राकेश दास, केंद्रीय कमिटी सदस्य ओमप्रकाश तिवारी, केंद्रीय सचिव रविंदर कौर, देवाशीष, ओमप्रकाश, अल्पसंख्यक मोर्चा के शाहनवाज राकेश, संगठन के सुभाष सिंह, अनूप सिंह, रौनक गुप्ता, मंच संचालन मिलेंदर दुबे, धन्यवाद ज्ञापन सुनील पासी ने किया।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से सुजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -नगेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए नगेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

नगर आयुक्त ने स्वीप कार्यक्रम को लेकर की बैठक

धनबाद (कासं) : आगामी विधानसभा आम चुनाव २०२४ को लेकर स्वीप कोषांग के वरीय पदाधिकारी सह नगर आयुक्त रवि राज शर्मा की अध्यक्षता में स्वीप एक्टिविटी को लेकर समाहरणालय में बैठक की गई।

वरीय पदाधिकारी ने स्वीप कर्मियों से कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में शहरी क्षेत्रों में वोट प्रतिशत कैसे बढ़ाए इस पर चर्चा की गई एवं इसका विस्तार से प्रारूप बनाया गया। साथ ही कार्य योजना भी तैयार की गई। बैठक में शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए गठित स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी ने कहा कि स्वीप योजना के तहत जिले में कारगर कार्य होना चाहिए। स्वीप कोषांग का मुख्य लक्ष्य मतदाता जागरूकता अभियान के तहत मतदान के प्रतिशत में वृद्धि करना। स्वीप योजना के तहत कैलेंडर तैयार किया गया है उसके अनुसार कार्यक्रमों को आयोजित करना सुनिश्चित करें।मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर, डीपीएम जेएसएलपीएस शैलेश रंजन, सहायक नगर आयुक्त शिखा कुमारी, एसएमपीओ विनीता कुमारी समेत सीडीपीओ एवं अन्य कर्मी मौजूद रहे।

विधायक ने कई योजनाओं का किया शिलान्यास

निरसा (ससे) : झारखंड में विधानसभा चुनाव का बिगुल बजने से पहले निरसा विधायक

अपर्णा सेनगुप्ता ने मंगलवार को अपने क्षेत्र में योजनाओं के शिलान्यास की झड़ी लगा दी। चुनाव की घोषणा से ठीक पहले उन्होंने कई योजनाओं का शिलान्यास किया। पंडरा क्षेत्र के लोगों के लिए रानी तालाब के जिर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास किया। यहां के लोगों की यह वर्षों पुरानी मांग थी। रानी तालाब का जिर्णोद्धार लघु सिंचाई प्रमंडल धनबाद की से ३ करोड़ ९९ लाख रुपए की लागत से किया जाएगा। साथ ही मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत कालूबथान, यशपुर व पंचेत में कई सड़कों का शिलान्यास किया गया। विधायक अपर्णा सेनगुप्ता ने बताया कि रानी तालाब का जिर्णोद्धार व सौंदर्यीकरण होने से क्षेत्र के लोगों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

बीएड छात्रों के बीच सेमिनार का आयोजन

धनबाद (कासं) : पवित्रम सेवा परिवार द्वारा एसएसएलएनटी महिला महाविद्यालय में शिक्षा से राष्ट्र जागरण अभियान के अंतगर्त बीएड छात्रों के बीच आज की चुनौतियां एवं समाधान विषय पर एक महत्वपूर्ण सेमिनार रखी गई। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अजय भारतिआ ने छात्राओं का मार्गदर्शन किया। शिक्षा के साथसाथ अपने आरोग्य के प्रति जागरूकता, अपने खान पान के प्रति जागरूकता, अपने पहनावे के प्रति जागरूकता की भी आवश्यकता है। इस पर बच्चों को अलगअलग तरीके से समझाया गया, बच्चे बड़ी रूचि के साथ कार्यक्रम में भाग लिए। इस कार्यक्रम में पवित्रम परिवार से जुड़े और शिक्षा में रूचि रखने वाले अनेक बहनभाई उपस्थित थे। जिसमे संजय भारतिआ, अंकिता शर्मपुरिया, एडवोकेट हिमांशु श्रीवास्तव आदि थे। कार्यक्रम संयोजक इंजी.आलोक कुमार डोकानिया, सास्वती सेन, लक्ष्मी मजूमदार, संतोषी आनन्द, पूजा रतनाकर, प्रो नूतन मिश्रा, कल्पना झा, सुमन आदर्शई ने सहरानीय भूमिका निभाई।

झूमर नाच कार्यक्रम का आयोजन

बलियापुर (ससे) : कुसमाटांड़ दुर्गा मंदिर प्रांगण में बासी विजया मेला के अवसर पर सोमवार की रात रंगारंग झूमर नाच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के पहाड़पुर, जगदीश, हुड़सोडीह, कुल्डीह, कुसमाटांड़ समेत आधा दर्जन गांव के झूमर टीमों ने भाग लिया। सभी झूमर दलों ने बारीबारी से झूमर नृत्य एवं गीत प्रस्तुत किया दर्शकों ने कार्यक्रम की काफी प्रशंसा की। झूमर नाच कार्यक्रम का आनंद लेने के लिए सैकड़ो महिला पुरुष जूटे।

इस दौरान रात भर मांदर की थाप पर लोग थिरकते रहे। मुख्य अतिथि भाकपा माले के केंद्रीय सदस्य बबलू महतो उर्फ चंद्रदेव महतो ने लोगों को संबोधित करते हुए झारखंडी भाषा एवं संस्कृति की रक्षा एवं विकास के लिए इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने पर बल दिया इस अवसर पर प्रतिभागी झूमर दलों को पुरस्कृत किया गया। मौके पर भोलानाथ महतो, गोपाल महतो, सुनील महतो, प्रेमानंद महतो अधिवक्ता निताई रवानी, विष्णु महतो, हरिपद रवानी, परमेश्वर महतो, उत्तम महतो, जनार्दन महतो, उमेश महतो, मनोज महतो, देवेन्द्र महतो, बुधनलाल महतो, मुखिया बीडी महतो, दिलीप महतो, अजय महतो समेत सैकड़ो थे।

बीडीओ व सीओ का किया गया स्वागत

बलियापुर (ससे) : बीडीओ प्रभाष चन्द्र दास व सीओ प्रवीण कुमार सिंह प्रखंड व अंचल कार्यालय में योगदान दिए जाने के बाद मंगलवार को प्रखंड सभागार में समारोह आयोजित कर प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी के अगुवाई पर दोनों पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। इस दौरान बीडीओ व सीओ ने क्षेत्र में बेहतर विकास कार्य करने की बातें कही। मौके पर प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी, मुखिया संघ प्रखंड अध्यक्ष गणेश महतो, मुखिया उत्तम चौबे, दिलीप कुमार महतो, विजय गोराई, संजय गोराई, संजीत गोराई, सुनील महतो, पंसस हीरालाल मोदक, श्रीजली देवी, सारथी मंडल, सकोती मुर्मू, भोलानाथ महतो, तपन रजक, शकुंतला कुमारी, शैलेन मंडल, जीतू मंडल के अलावा बीपीओ विशाल कुमार, बीपीओ पूजा वर्मा, सीआई नेहा सिंह सहित प्रखंड व अंचल के सभी कर्मी मौजूद थे।

दूसरे वाहन से टकराई कार, 2 घायल

धनबाद (कासं) : सरायढेला थाना क्षेत्र के गोल बिल्डिंग के समीप

मंगलवार को एक कार ने दूसरे वाहन में टक्कर मार दी। दुर्घटना में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कार सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया गया कि एसयूवी कार संख्या बीआर ०८ पी ४९७१ गोविंदपुर की तरफ से धनबाद आ रही थी। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को निजी नर्सिंग होम पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

विधायक पत्नी ने योजनाओं का किया शिलान्यास

बलियापुर (ससे) : सिंदरी विधायक इन्द्रजीत महतो की पत्नी तारा देवी ने मंगलवार को पहाड़पुर में पीसीसी रोड, हाई मास्क लाइट, फेबर ब्लॉक, रोड, चबूतरा, चापानल सहित २४४ सहित एक दर्जन मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजनाओं का शिलान्यास किया। तारा देवी ने कहा कि सिंदरी विधानसभा क्षेत्र में विधायक मद से बेहतर विकास कार्य हुआ है। आगे भी बेहतर विकास कार्य किया जाएगा। मौके पर सांसद प्रतिनिधि सुनील चौधरी, मंडल अध्यक्ष विश्वजीत मुखर्जी, मंटू रवानी, सुनील चौधरी, अजय गिरी, निर्मल मिश्रा, मुखिया गोविंद महतो, अरूण महतो, सीताराम महतो, नारायण महतो, शत्रुघ्न महतो आदि मौजूद थे।

पूजा कमिटी को पुलिस जनसहयोग समिति ने किया पुरस्कृत

केंदुआ (ससे) : केंदुआडीह थाना परिसर में मगलवार को शांति समिति व पुलिस जन सहयोग समिति के द्वारा दुर्गा पूजा के अवसर पर पूजा के दौरान गठित कमिटी के द्वारा आकर्षक साज सज्ञा, लाईटिंग, व भव्य पूजा पंडाल, विधिब्यवस्था आदि कार्यक्रम को सुचारू एवं सुसज्जित ढंग से संपन्न करने वाले पूजा कमिटी को पुलिस जनसहयोग समिति के द्वारा पुरस्कृत किया गया। मौके पर मुख्य रूप से सी ओ विकास आनद उपस्थित थे। केंदुआडीह थाना शांति समिति के सदस्य, पूजा कमिटी के पदाधिकारी एवं सदस्यगण, चेम्बर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी सदस्यगण, बुद्धिजीवी वर्ग उपस्थित थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता केंदुआडीह थाना प्रभारी सह निरीक्षक बक्कार हुसैन एवं संचालन राम गोपाल भुवानिया ने किया। सम्मान समारोह में सर्व प्रथम दीनानाथ गुप्ता ने अंचल अधिकारी को बुके एवं हरि प्रसाद पप्पू ने उन्हें मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। वहीं मख्य अतिथि पुटकी अंचल अधिकारी ने सभी को दुर्गा पूजा शाति पूर्वक सपन्न कराने में प्रशासन को सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए श्री श्री दुर्गा पूजा समिति महोत्सव के प्रथम अभिमन्यु कुमार सिंह केंदुआडीह हिंदी भवन, दूसरा दुर्गेश सिंह कुस्तौर, तृतीय मनोज सिंह गनसाडीह,कुल तीन दुर्गा पूजा समितियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किए। वही केंदुआडीह थाना प्रभारी सह निरीक्षक बक्कार हुसैन ने श्री श्री दुर्गा पूजा समिति केंदुआ बाजार के प्रथम राहुल गुप्ता, द्वतीय विनोद वर्मा, तृतीय न्यू मेरिन गोपालीचक गणेश मिश्रा, चतुर्थ, गोधर लहरा मन्दिर पूजा समिति के हरि नारायण चौहान रामचन्द्र चौहान,पचम, गोधर रवानी बस्ती प्रताप रवानी, छठी, अलकुसा बकरहट्टा धर्मेन्द्र कुमार, सातवां, एटवाल के जयप्रकाश चौहान को पुरस्कार स्वरूप मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। मौके पर एस आई गोपाल टोप्पो, धीरज कुमार मिश्रा, हसरत जमाल, कुंदन कुमार सिंह, संजय राज मुंडा ए एस आई संजय शर्मा रूपेश सिंह, एवं गणमान्य लोगों में संजय जायसवाल,गणेश मिश्रा, मनौवर हुसैन, सरफुदीन अंसारी, दीनानाथ गुप्ता, दुर्गेश सिंह, महादेव हांसदा, चन्द्रदेव यादव, राजेश गुप्ता, राजीव झा, रामचन्द्र चौहान, डॉ विनोद वर्मा, कृष्णा राउत, अनवरी खातून, जयप्रकाश चौहान, हरि प्रसाद पप्पू, मनोज सिंह, गीता सिंह आदि उपस्थित थे।

एंबुलेंस चालकों की हड़ताल जारी

धनबाद (कासं) : धनबाद के सरकारी (१०८) एंबुलेंस चालकों व कर्मचारियों की हड़ताल मंगलवार को भी जारी रही। एंबुलेंस चालक लंबित वेतन भुगतान सहित ६ सूत्री मांगों को लेकर सोमवार रात ८ बजे से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। एंबुलेंस चालकों ने मंगलवार को सिविल सर्जन कार्यालय के समक्ष धरना दिया और अपनी मांगों के समर्थन व सरकार के विरोध में जमकर नारेबाजी की। हड़ताल के कारण मरीजों की परेशानी बढ़ गई है। चालकों ने बताया कि एजेंसी के पास उनका तीन महीने का वेतन बकाया है। भुगतान के लिए एजेंसी व सरकार से वे लगातार मांग कर रहे थे, लेकिन उनकी नहीं सुनी गई। अंत में उन्हें हड़ताल पर जाना पड़ा। क्योंकि वेतन नहीं मिलने से उन्हें परिवार चलाना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक मांगों की पूर्ति नहीं हो जाती, हड़ताल जारी रहेगी।

महिलाएं ही महिलाओं के सुहाग की निशानी पर डाल रही डाका

धनबाद (कासं) : बंगाल का स्नैचिंग गैंग केवल झारखंड को ही नहीं, बल्कि ओडिशा, बिहार और उत्तर प्रदेश की पुलिस को भी परेशान किए हुए है। यह गैंग चार राज्यों के महिलाओं के सुहाग की निशानी को पर डाका डालता है. यह बात तो लगभग सच है कि महिलाओं के गले में जो सोने की चेन होती है, वह किसी न किसी रूप में यादगार होती है। अधिकांश महिलाओं के गले की यह चैन उनके विवाह की निशानी भी होती है। लेकिन यह गैंग उस निशानी पर डाका डालता है।

जानकारी के अनुसार इस गैंग में महिलाओं की संख्या अधिक है। पश्चिम बंगाल के हुगली का रहने वाले इस गैंग की विशेषता है कि यह झुंड में बंटकर झारखंड, बिहार, ओडिशा और उत्तर प्रदेश के अलगअलग हिस्सों में विशेष कर त्योहार के मौके पर चेन स्नेचिंग करता है। चोरी की घटनाओं को भी अंजाम देता है।

इसका खुलासा झारखंड के बोकारो जिले से हुआ है. जानकारी के अनुसार चास और धनबाद पुलिस ने संयुक्त रूप से छापेमारी कर मेले में चेन झपटने वाले गैंग को पकड़ा। गिरफ्तार ६ आरोपियों में से चार महिलाएं थी। यह गैंग मेले में भीड़ की आड़ में गले से सोने की चेन और अन्य सामान चुराने आया था।

पुलिस ने उनके पास से एक स्कॉर्पियो और सोने की दो चेन बरामद किया है। दरअसल, सभी चेन स्नेचर के पकड़े जाने और मामले के खुलासे की शुरुआत चास से हुई। शनिवार को चास थाना के धर्मशाला मोड़ स्थित जगदंबा मंदिर में सुबह पूजाअर्चना के वक्त भीड़ में एक बदमाश को बुजुर्ग महिला के गले से सोने की चेन झपटते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। उसने पुलिस को बताया कि उसके गैंग के लोग धनबाद के एक होटल में ठहरे हुए है।

उनकी निशानदेही पर चास और धनबाद की पुलिस टीम ने धनबाद के होटल में छापेमारी की। वहां जाने पर पता चला कि गिरोह के सदस्य स्कॉर्पियो से सवार होकर बोकारो की ओर निकल चुके है। पीछा करते हुए पुलिस ने स्कॉर्पियो को चास ब्लॉक ऑफिस के पास रोका। जांच करने पर गिरोह के पास से पुलिस को महिलाओं से छीनी गई सोने की दो चेन, चेन कटर, पांच मोबाइल बरामद हुए। इसके पहले भी धनबाद के स्टेशनों पर नशा खुरानी गिरोह का खुलासा हुआ था।

पुलिस को पता चला था कि गैंग में शामिल लोग सैलरी पर काम करते हैं और उन्हें टारगेट दिया जाता है। टारगेट पूरा करने के लिए वह लोगों को शिकार बनाते है। इस गैंग में भी महिलाएं भी पकड़ी गई थी। महिलाएं लोगों को आकर्षित करने के लिए उनसे मेलमिलाप करती है और फिर नशे का सामान खिलाकर उन्हें लूट लिया जाता है।

खिचड़ी महाभोग प्रसाद आयोजित

कतरास (ससे) : जीएनएम दुर्गा पूजा समिति द्वारा आयोजित खिचड़ी महाभोग प्रसाद आयोजित किया गया। इस आयोजन में श्रद्धालु संहित आस पास के लोगों ने खिचड़ी महाप्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर कमिटी के अध्यक्ष शंकर जायसवाल, सचिव मुकेश भट्ट, विनोद रजक, शैलेंद्र चौरसिया अशोक शर्मा, पंकज सिन्हा, कुलदीप सिंह, शैलेंद्र सिंह ,मनोज राय , दिलीप राय, मीनू इत्यादि लोग मौजूद थे।

मारपीट के आरोपी को भेजा जेल

बलियापुर (ससे) : बलियापुर पुलिस ने मंगलवार को मारपीट के आरोपी बेलगड़िया टाउनशिप निवासी २२ वर्षीय रामजी मंडल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वह पिछले डेढ़ साल से फरार चल रहा था।

भाजपा नेत्री ने की पीसीसी सड़का का उद्घाटन

गोविंदपुर (ससे) : भाजपा नेत्री तारा देवी ने सोमवार को विधायक इंद्रजीत महतो द्वारा अनुशंसित २ लाख ८९ हजार रुपए की लागत से लघु सिंचाई प्रमंडल, धनबाद द्वारा निर्मित गोविंदपुर पश्चिमी पंचायत अंतर्गत जीटी रोड से अग्रसेन धर्मशाला तक ३०० फीट लंबी पीसीसी सड़क का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि सड़क के जर्जर रहने से लोग परेशान थे। मौके पर भाजपा नेत्री सुमिता दास, सुरेश सरिया, गोपाल दास, टुंपा दास, मिल्ली दास, लक्ष्मी देवी आदि मौजूद थे।

निपनिया मौजा के ग्रामीणों ने दिया धरना

बलियापुर (ससे) : निपनिया मौजा स्थित सरकारी गैराबाद जमीन को हड़पने व उसमें प्रस्तावित पेट्रोल पंप निर्माण के विरोध व सरकारी जमीन को गलत ढंग से जमाबंदी रद्द करने समेत दो सूत्री मांगों को लेकर मंगलवार को निपानिया मौजा के ग्रामीणों ने बलियापुर अंचल कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना दिया।

धरना में शामिल ग्रामीणों ने निपानिया मौज में गैराबाद सरकारी जमीन का फर्जी कागजात होने का दावा करते हुए उसमें पेट्रोल पंप खोले जाने का विरोध किया। इसकी जांच कर कार्रवाई की मांग बलियापुर सीओ से किया। ग्रामीणों का कहना है कि निपानिया मौजा की हाल सर्वे खाता नंबर २०३, प्लॉट संख्या ३०, रखवा ४२ डिसमिल जमीन जो सरकारी गैराबाद जमीन होने का दावा करते हुए उक्त जमीन को गलत ढंग से कागजात बनाकर उस पर पेट्रोल पंप खोला जा रहा है, जो अन्याय है।

ग्रामीणों ने इसी मौजा के खाता संख्या १०३, प्लॉट संख्या ३८४, रकवा दो एकड़ ४५ डिसमिल जिसे बीसीसीएल अधिग्रहित बताया गया। उस पर भी गलत ढंग से जमीन माफिया द्वारा कब्जा करने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का एक प्रतिनिधिमंडल ने इस दौरान सीओ प्रवीण कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपा।जिस पर सीओ श्री सिंह ने मामले की जांच कर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। धरना में जिप सदस्य उषा महतो ने ग्रामीणों के आंदोलन को जायज ठहराते हुए इस पर जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। मौके पर सुनील महतो, प्रेमानंद महतो, मुक्तेश्वर महतो, बीरू महतो, बाबूलाल महतो, निर्मल महतो, जनार्दन महतो, अताउल्ला अंसारी, अनूप राय, साधु महतो, संजय महतो, अजय कुमार महतो, रमेश कुमार महतो, कपील कुमार महतो आदि मौजूद थे।

बाउंड्री विवाद को लेकर एनएसयूआई का धरनाप्रदर्शन

धनबाद (कासं) : आईआईटी-आईएसएम धनबाद बनाम पी के रॉय कॉलेज का बाउंड्री विवाद एक बार फिर तूल पकड़ने लगा है। मंगलवार को बिना किसी जानकारी के धनबाद आईआईटी आईएसएम ने पी के रॉय कॉलेज के सामने अपनी बाउंड्री करने की कोशिश की। इसको लेकर कॉलेज की एनएसयूआई संगठन ने न केवल पूरजोर विरोध किया बल्कि इसको लेकर संबंधित स्थल के समीप धरना पर बैठ गए। एनएसयूआई प्रवक्ता ने बताया कि बाउंड्री करने से पी के रॉय कॉलेज के छात्रों को बहुत परेशानियों का सामना करना पर सकता है। उन्होंने बताया कि आपदा के समय आपदा होने पर बाहर निकलने के लिए केवल यही एक रास्ता है। ऐसे में कॉलेज के शिक्षकों के साथ दर्जनों छात्रों ने बाउंड्री को रोकने के लिए आंदोलन शुरू कर दी। इस मौके पर एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष गोपाल कृष्णा चौधरी, प्रदेश सचिव रवि, विश्वविद्यालय छात्र प्रतिनिधि राज रंजन सिंह, सन्नी सिंह, अनिकेत, रोशन कुमार, पियूष सिंह, अमन, आयुष, ध्रुव, नवनीत, अभिनाश, वरुण, मुकेश, सचिन तथा अन्य छात्र मौजूद थे।

गुरु नानक कॉलेज में अभिभावक व शिक्षक मिलन कार्यक्रम का आयोजन

धनबाद (कासं) : मंगलवार को गुरु नानक कॉलेज धनबाद के राजनीति विज्ञान विभाग के द्वारा भुदा कैम्पस में अभिभावक-शिक्षक मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में राजनीति विज्ञान विभाग में अध्ययन छात्र-छात्राओं में से ७४ छात्र छात्राएं एवं ७४ अभिभावक ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। अभिभावक और छात्रछात्राओं को संबोधित करते हुए कॉलेज के प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद ने कक्षा में छात्रों की उपस्थिति के साथ ही साथ कॉलेज लाइब्रेरी, एनएसएस, एनसीसी, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियां, महाविद्यालय में समयसमय पर आयोजित होने वाले सेमिनार, रोजगार मेले, स्पोकन ट्यूटोरियल में उनकी सक्रिय सहभागिता और उपस्थिति को आवश्यक एवं महत्वपूर्ण बताया। इस कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों एवं छात्रछात्राओं ने विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए फीडबैक प्रपत्रों पर शैक्षणिक एवं छात्रहित संबंधित सुझाव दर्ज किए। उपस्थित अभिभावकों की ओर से कॉलेज में आयोजित शैक्षणिक एवं अन्य क्रियाकलापों के सुदृढ़ एवं सुचारु गतिविधियों की प्रशंसा की। विभाग अध्यक्ष डॉ मीना मालखंडी ने अतिथियों का स्वागत किया एवं अपने संबोधन में विभाग के द्वारा शैक्षणिक एवं अन्य क्रियाकलापों से संबंधित विषयों पर नीतिगत जानकारी दी। इस समारोह में उपस्थित अभिभावकों की ओर से विभाग के द्वारा किए गए इस कार्यक्रम को सराहा गया। कार्यक्रम को भुदा कैम्पस के प्रोफेसरइंचार्ज प्रोफेसर अमरजीत सिंह ने भी संबोधित किया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रोफेसर दीपक कुमार, प्रोफेसर दलजीत सिंह, डॉ नीता ओझा, प्रोफेसर नमिता कुमारी और प्रोफेसर सिमरन छाबड़ा, नरेंदर सिंह तथा पंकज कुमार उपस्थित थे।

जिले के सभी विस निर्वाचन क्षेत्र में मतदान 20 नवंबर को

बोकारो (सप्रे): भारत निर्वाचन आयोग ने विधानसभा आम चुनाव २०२४ की घोषणा कर दी है। इसके अनुसार ३४ गोमिया,३५ बेरमो,३६ बोकारो एवं ३७ चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र के लिए दूसरे चरण में २० नवंबर को मतदान होना है।

चुनाव की अधिसूचना २२ अक्टूबर, नाम निर्देशन की अंतिम तिथि २९ अक्टूबर, नाम निर्देशन प्रपत्रों की स्क्रूटनी ३० अक्टूबर, अभ्यर्थिता वापस लेने की तिथि ०१ नवंबर, मतदान की तिथि २० नवंबर एवं मतगणना की तिथि २३ नवंबर निर्धारित की गई है।

उक्त बातें जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त विजया जाधव ने कहीं। वह मंगलवार को समाहरणालय सभागार में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में विभिन्न प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित कर रही थी। मौके पर सभी आरओ व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

सभी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कुल मतदाताओं की संख्या १४,८७,१०३ है। जिसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या ७६,५०,२४ एवं महिला मतदाताओं की संख्या ७२,२०,४६ है। वहीं, ट्रांसजेंडर मतदाताओं की संख्या ३३ है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि २७ अगस्त २०२४ से अब तक सभी विधानसभा क्षेत्रों में कुल १५,९०४ नये मतदाताओं को जोड़ा गया है। लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत दिव्यांग मतदाता १८,७३१ एवं ८५ प्लस मतदाताओं की संख्या ४,७०० है।

जिला अंतर्गत सभी ०४ विधानसभा क्षेत्रों में कुल ८२८ भवनों में कुल मतदान केंद्रों की संख्या १५८१ है। जिसमें ३४ गोमिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत २०६ भवनों में ३४१ मतदान केंद्र, ३५ बेरमो विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत २१३ भवनों में ३५५ मतदान केंद्र, ३६ बोकारो विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत २०४ भवनों में ५८८ मतदान केंद्र, ३७ चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत २०५ भवनों में २९७ मतदान केंद्र बनाए गए हैं।

वहीं, जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने विभिन्न कोषांगों द्वारा अब तक किए गए कार्यों की प्रगति की जानकारी विस्तार से दी। आगे, उन्होंने बताया कि कृषि उत्पादन बाजार समिति आइटीआइ मोड़ चास को वज्रगृह एवं मतगणना केंद्र बनाया गया है। अधिसूचना जारी होने के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू करते हुए २४द७ कंट्रोल रूम कम्पोजिट कंट्रोल रूम में प्रारंभ है। प्रत्येक मतदान केन्द्र पर ईवीएम के साथ वीवीपैट का इस्तेमाल किया जाएगा।

रात्रि १० बजे से सुबह ०६ बजे तक लाउडस्पीकर बैन। मतदान के ४८ घंटा पहले लाउडस्पीकर, चुनावी सभा, प्रसार-प्रचार पर रोक रहेगा। सभी उम्मीदवारों को हलफनामा देना होगा। प्रत्याशियों को अपराधिक रिर्पोट भी देना होगा।

विधानसभा चुनाव से संबंधित शिकायत/जानकारी प्राप्त करने के लिए हेल्पलाइन नं.- डायल १९५० सेवा शुरू की गई है। जो सुबह ९.०० बजे से रात्रि ९.०० बजे तक कार्यरत रहेगी। निर्वाचन के दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सी-विजिल एप बनाया गया है। जिसके द्वारा प्राप्त शिकायत को १०० मिनट के अंदर समाधान किया जाएगा।

निर्वाचन कार्य के सफल संचालन को लेकर कुल २०४ सेक्टर पदाधिकारी बनाया गया है। साथ ही सभी नोडल पदाधिकारी का नोडल इनकोर आइडी बना लिया गया है जो निर्वाचन अवधि के दौरान निर्वाचन प्रक्रिया को सुव्यस्थित करने एवं अनुमति देने या नहीं देने के संबंध में समुचित निर्णय लेने में मदद करेगा।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त गिरजा शंकर प्रसाद, सामग्री कोषांग की नोडल पदाधिकारी मेनका,निर्वाची पदाधिकारी गोमिया सह अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, निर्वाची पदाधिकारी बोकारो सह एसडीओ चास प्रांजल ढांडा, निर्वाची पदाधिकारी सह डीसीएलआर प्रभाष दत्ता, निर्वाची पदाधिकारी बेरमो सह एसडीओ बेरमो मुकेश मछुआ, ईवीएम कोषांग के नोडल पदाधिकारी मनोज कुमार, स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार,सहयोगी पदाधिकारी मीडिया कोषांग सह सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, सहयोगी पदाधिकारी पंकज दूबे एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

डीसी ने आर्म्स बैंड का किया लोकार्पण

बोकारो (सप्रे): विधानसभा आम चुनाव २०२४ में मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर समाहरणालय सभागार में मंगलवार शाम डीईओ सह डीसी विजया जाधव ने आर्मस बैंड का लोकार्पण किया। बैंड में मतदान करने से संबंधित संदेश लिखा था। डीईओ सह डीसी ने कहा कि जिले का मतदान प्रतिशत संतोषजनक नहीं है। विशेषकर शहरी क्षेत्रों में, इस दाग को इस बार जिलावासियों को मिटाना है, उन्होंने जिले के मतदाताओं से मतदान प्रतिशत बढ़ाने का अपील किया, सभी को अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने एवं दूसरों को भी मतदान करने का अपील करने को कहा।

डीईओ सह डीसी ने इस अवसर पर भारत निर्वाचन आयोग के विभिन्न एप (वोटर हेल्पलाइन, सी विजिल, डायल १९५०, सक्षम एप, केवाईसी आदि) के संबंध में विस्तार से बताया। उन्होंने उपस्थित सभी को मतदान करने के संदेश वाले आर्मस बैंड बांधने का अपील किया।

मौके पर उप विकास आयुक्त गिरजा शंकर प्रसाद, सामग्री कोषांग की नोडल पदाधिकारी मेनका,निर्वाची पदाधिकारी गोमिया सह अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, निर्वाची पदाधिकारी बोकारो सह एसडीओ चास प्रांजल ढांडा, निर्वाची पदाधिकारी सह डीसीएलआर प्रभाष दत्ता, निर्वाची पदाधिकारी बेरमो सह एसडीओ बेरमो मुकेश मछुआ, ईवीएम कोषांग के नोडल पदाधिकारी मनोज कुमार, स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार, सहयोगी पदाधिकारी मीडिया कोषांग सह सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, सहयोगी पदाधिकारी पंकज दूबे, विभिन्न प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

पूर्व राष्ट्रपति का जन्मदिवस व छात्र दिवस मनाया गया

कोडरमा (सप्रे): कोडरमा राज इंटरनेशनल स्कूल में मंगलवार को पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती (१५ अक्टूबर १९३१) मनाई गई। प्रोग्राम की शुरुआत ए पी जे अब्दुल कलाम के चित्र पर मल्यारपन करके की गई । विद्यालय के कक्षा नर्सरी से आठवीं तक के बच्चों ने अनेक प्रकार के कार्यक्रम प्रस्तुत किये। जिसमें मैं हूं कलाम आदि थे। स्कूल के प्रधानाचार्य राहुल घोष ने डॉ. कलाम की जीवनी पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए छात्र-छात्राओं को उनके आदर्शों को आत्मसात करने को प्रेरित किया।

विज्ञान शिक्षक एमडी इकबाल ने डॉ. कलाम द्वारा अपनी मां के नाम पर रचित एक कविता को पढ़कर सुनाया और कहा कि किसी भी महान व्यक्ति के जीवन से हमें सीख लेनी चाहिए। वरिष्ठ शिक्षक ए के लाल ने कहा कि कोई भी व्यक्ति एक दिन में महान नहीं बनता है। महान बनने के लिए उनके संघर्षों से हम सब को सीख लेनी चाहिए। देश की एकता व अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए डॉ. कलाम ने मिसाइल की ताकत से भारत को लैस करने वाले डॉ. कलाम सच्चे राष्ट्रभक्त थे। उन्होंने देश की सेवा के लिए विदेशों में मिलनेवाली नौकरी को ठुकरा दिया था। स्कूल के शिक्षक, छात्र-छात्राओं ने डॉ. कलाम के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। स्कूल की डायरेक्टर संपा सिंह ने बताया की यह दिन विश्व छात्र दिवस रूप में मनया जाता यह दिन हर साल देश के पूर्व राष्ट्रपति और महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के जन्मदिन के मौके पर मनाया जाता है।

इस दिनको मनाने का मकसद समाज में छात्रों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालना है। उन्होंने कहा कि उनके विचारों को हमारे जीवन में आत्मसात करना चाहिए अन्होन एपीजे अब्दुल कलाम की एक कोट्स देते हुए कहा अपनी पहली जीत के बाद आराम न करें क्योंकि अगर आप दूसरी बार असफल हो गए तो और भी होंठ यह कहने के लिए इंतज़ार कर रहे होंगे कि आपकी पहली जीत सिर्फ किस्मत थी। विद्यालय की विज्ञान शिक्षिका पूजा कुमारी ने कहा की आविष्कार करने का साहस दिखाएं, अंजाने रास्तों का सफ़र करें, असंभव लगने वाली चीजों को खोजें और समस्याओं पर विजय पाते हुए सफलता हासिल करें। इस अवसर पर सुरेन्द्र, ज्योति, सुष्मिता, श्रेया, आदित्य राज, उजाला, सैफुद्दीन, प्रिया और एडमिन सदस्य मौजूद थे।

प्रिवेंटिव विजिलेंस के एबीएमएस विषय पर जागरूकता सत्र का आयोजन

बोकारो (सप्रे): सतर्कता जागरूकता अभियान -२०२४ के अन्तर्गत सामग्री प्रबंधन विभाग के सम्मेलन कक्ष में १५ को मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) हर्ष निगम , मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) सी आर मिश्रा तथा मुख्य महा प्रबंधक (सतर्कता) एवं ए सी वी ओ ज्ञानेश ज्ञा की उपस्थिति में प्रिवेंटिव विजिलेंस के एबीएमएस विषय पर जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया. सत्र में कुल ३० अधिकारियों ने भाग लिया. यह कार्यक्रम सतर्कता जागरूकता सप्ताह- २०२४ के अंतर्गत ०३ महीने तक चलने वाले अभियान का एक हिस्सा था. एबीएमएस जागरूकता सत्र में संकाय के रूप में श्री शनि रंजन, सहायक महा प्रबंधक (सतर्कता) के द्वारा एक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से एबीएमएस के पृष्ठभूमि और कार्यान्वयन जैसे विभिन्न पहलुओं तथा अधिशासियों और कर्मचारियों की भूमिका और जिम्मेदारियों पर विस्तृत रूप से चर्चा और विचार-विमर्श किया गया. चित्रा पाराशर, वरीय प्रबंधक (सतर्कता) के द्वारा क्रय मामलों के प्रसंस्करण में क्या करें और क्या न करें विषय पर सभी प्रतिभागियों के साथ केस स्टडीज के माध्यम से चर्चा किया गया.

स्वास्थ्य उपकेंद्र का निर्माण कार्य का शिलान्यास

कोडरमा (सप्रे): कोडरमा सतगावां प्रखण्ड के चीर प्रतीक्षीत मांग बैद्यडीह बस स्टैंड में चाहर दीवारी निर्माण तथा खुट्टा में स्वास्थ्य उपकेंद्र का निर्माण कार्य का शिलान्यास जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव एवं जिला परिषद सदस्य नीतु कुमारी ने नारीयल फोड़ कर तथा शिलापट में लगे फीता काट कर किया। उल्लेखनीय रहे कि उक्त दोनों कार्य जिला परिषद मद के १५ वें वित्त की राशि से कराया जाना है।

चाहर दीवारी निर्माण कार्य की प्राकलित राशि २३लाख हैं इसके संवेदक आशीष कुमार हैं जबकि खुट्टा स्थित स्वास्थ्य उपकेंद्र निर्माण कार्य की प्राकलित राशि ५५लाख है और इसके संवेदक अनिल कुमार हैं। मौके संवेदक के अलावे खुट्टा पंचायत के मुखिया मथुरा प्रसाद यादव, राजेश प्रसाद यादव, सुरेश प्रसाद यादव रोहित कुमार समेत कई लोग उपस्थित थे।

बीएसएल के सतर्कता विभाग का प्रशिक्षण कार्यक्रम

बोकारो (सप्रे): सतर्कता विभाग के तीन माह के सतर्कता जागरूकता अभियान -२०२४ के अन्तर्गत आज दिनाँक १५ अक्टूबर को बी एस एल के फ्रंटलाइन पदाधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन, ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में आयोजित किया गया जिसमे विभिन्न विभाग के कुल ३१ अधिशासी प्रतिभागी के रूप में शामिल थे. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महा प्रबंधक (सतर्कता) एवं ए सी वी ओ श्री ज्ञानेश ज्ञा एवं श्री मनीष जलोटा मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) के साथ श्री संतोष कुमार गुप्ता सहायक महाप्रबंधक (सतर्कता) उपस्थित थे. कार्यक्रम का उद्देश्य बी एस एल के अधिकारियों के बीच संगठन की प्रणाली एवं प्रक्रिया, आचार एवं नीति, शासन, आचरण नियम, साइबर सुरक्षा, क्रय इत्यादि के विषय पर जागरूकता का प्रसार करना था. इस इंटरैक्टिव कार्यक्रम में संकाय सदस्यों ने संबंधित विषयों पर प्रतिभागियों के साथ ज्ञान तथा जानकारी को साझा किया. कार्यक्रम का सञ्चालन श्री राजेश कुमार उप महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) के द्वारा किया गया.

जनवादी लेखक संघ ने साहित्यकार डॉ. नर नारायण तिवारी को दी श्रद्धांजलि

बोकारो (सप्रे): जनवादी लेखक संघ, बोकारो के संरक्षक, झारखंड राज्य परिषद के सदस्य एवं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. नर नारायण तिवारी का आकस्मिक निधन १० अक्टूबर, २४ को तब हुआ जब वे अपने परिवार के साथ मथुरा - वृंदावन की यात्रा पर थे। उनकी अंत्येष्टि क्रिया बलिया (उप्र) स्थित उनके पैतृक गाँव में किया जा रहा है।

बीती शाम को जनवादी लेखक संघ, बोकारो के तत्वावधान में सेक्टर ४ डी में एक स्मृति सभा का आयोजन वरिष्ठ कवि और जलेस के राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सदस्य गोपाल प्रसाद की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें नगर के कई प्रतिष्ठित साहित्यकारों ने शिरकत की। वरिष्ठ कथाकार प्रह्लाद चंद्र दास, ललन तिवारी, डा परमेश्वर भारती, चांद मुंगेरी, अरुण पाठक, कुमार सत्येन्द्र, संगीता कुमारी, मीरा योगी, शांति भारत, आकाश खूंटी तथा प्रदीप कुमार दीपक आदि ने अपने प्रिय साथी के साथ बिताए क्षणों को तो साझा किया ही उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर भी प्रकाश डाला। साहित्यकार विनोद कुमार दूबे ने ऑनलाइन अपनी शोक संवेदना व्यक्त की।

लगभग ४५ वर्षों तक साथ - साथ रचनाधर्मिता निभाने वाले वरिष्ठ कवि - कथाकार ललन तिवारी ने कई मार्मिक प्रसंगों की तथा उनकी प्रथम पुस्तक क्रांति रथ की चर्चा की। प्रह्लाद चंद्र दास ने कहा कि उनके निधन से जलेस, बोकारो ने एक ओजस्वी और प्रखर वक्ता खो दिया। गजलकार चांद मुंगेरी ने कहा कि बोकारो साहित्य जगत को अपूरणीय क्षति हुई है। अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए कवि गोपाल प्रसाद बहुत ही भावुक हो गए।

जनवादी लेखक संघ में आने के पूर्व वे किस तरह जनवादी शब्द से चिढ़ते थे और उसके सदस्यों विशेष रूप से गोपाल प्रसाद की आलोचना करते थे, वह वाकया उन्होंने सुनाया और कहा कि इसके बाद वे धीरे धीरे जलेस से जुड़ते गए और उसका सदस्य बने।

फिर तो जनवाद ने उन्हें ऐसा जकड़ा कि अंत तक न उसके सदस्य और पदाधिकारी बने रहे। क्रांति रथ और मनीषा मंजरी उनके दो काव्य संग्रह हैं और एक पुस्तक मानवीय चिंतन लेखों का संग्रह है। उपस्थित सभी साथियों ने उन्हें याद किया और अंत में दो मिनट मौन रहकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। जलेस, बोकारो के जिला सचिव अजय यतीश ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में विस आम चुनाव को लेकर प्रेस वार्ता

गिरिडीह (सप्रे): विधानसभा आम चुनाव २०२४ के निमित्त आज समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिला निर्वाचन पदाधिकारी, नमन प्रियेश लकड़ा व पुलिस अधीक्षक, डॉ बिमल कुमार के द्वारा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों के साथ प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि निर्वाचन की घोषण के उपरांत पूरे जिले में आचार संहिता लागू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि पूरे गिरिडीह जिला अंतर्गत सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में दूसरे चरण के तहत दिनांक २०.११.२४ को मतदान किया जाना है।

प्रेस वार्ता के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त द्वारा जानकारी दी गयी कि दिनांक- २२.१०.२०२४ को गैजेटी नोटिफिकेशन की तारीख तय की गयी, नामांकण की अंतिम तिथि है, दिनांक-२९.१०.२०२४ निर्धारित की गयी है, स्कूटनी ऑफ नोमिनेशन की तिथि ३०.१०.२०२४, नाम वापसी की अंतिम तिथि ०१.११.२०२४ तय की गयी है, मतदान की तिथि-२०.११.२०२४ निर्धारित की गयी है। इसके अलावा मतगणना की तिथि २३.११.२०२४ निर्धारित की गयी है एवं चुनाव प्रक्रिया की समाप्ति की तिथि २५.११.२०२४ निर्धारित की गयी है। इसके अलावे उपायुक्त द्वारा जानकारी दी गयी कि गिरिडीह जिला अन्तर्गत ०६ विधान सभा क्षेत्र में कुल २०,५४,३०३ मतदाताओं की संख्या है। जिसमें २८ धनवार के ३,७०,२२६ मतदाता, २९ बगोदर के ३,८६,६०३ मतदाता, ३० जमुआ के ३,५८,४८८ मतदाता, ३१ गांडेय के ३,१९,३५८ मतदाता, ३२ गिरिडीह के ३,०४,१७० मतदाता तथा ३३ डुमरी के ३,१५,४५८ मतदाता शामिल हैं। जिसमें पुरुष मतदाता १०,५२,३४० एवं महिला वोटरों की संख्या १०,०१,९५३ तथा थर्ड जेंडर मतदाताओं की संख्या १० तथा सर्विस वोटर की संख्या १८४५ है।

जिले में कुल २३९३ मतदान केंद्र बनाए गए हैं। साथ हीं दिव्यांग व बुजूर्ग मतदाताओं को पूर्व की तरह विभिन्न सुविधाओं मुहैया कराया जायेगी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की अधिसूचना जारी होने के पश्चात् आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गया है। उक्त परिप्रेक्ष्य में आदर्श चुनाव आचार संहिता का सख्ती से पालन किया जाएगा। आचार संहिता का उलंघन करनेवालों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई होगी। साथ ही संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया गया कि अगले २४ घंटे में सरकारी और ४८ घंटे में सार्वजनिक प्रकार बैनर/पोस्टर और होर्डिंग को हटा दिए जाए।

आगे जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने मीडिया प्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि चुनाव आदर्श आचार संहिता सख्ती से लागू हो इनमें मीडिया प्रतिनिधियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। साथ ही उन्होंने कहा कि शान्तिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल एवं दण्डाधिकारियों की भी प्रतिनियुक्ति की गयी है। इसके अलावे उपायुक्त ने विधानसभा आम चुनाव, २०२४ को लेकर मतदाताओं से भयमुक्त होकर शतप्रतिशत मतदान करने की अपील की। साथ ही उपायुक्त ने मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि निष्पक्ष व भयमुक्त वातावरण में चुनाव कराने की तैयारियों को पूरा कर लिया गया है।

उन्होने जानकारी देते हुए कहा कि विधानसभा आम चुनाव सम्पन्न कराने के दृष्टिकोण से पूर्व में हीं सभी कोषांगों का गठन कर दिया गया है। प्रत्येक कोषांग के लिए प्रभारी पदाधिकारी के साथ-साथ वरीय पदाधिकारियों की भी नियुक्ति की गयी है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदाता का प्रतिशत बढ़ाने के लिए स्वीप के तहत विभिन्न प्रखंडों कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इस बार शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए कई स्तर पर कार्य किये जा रहे हैं। साथ ही वोटर हेल्पलाइन ऐप, सी विजिल ऐप, १९५०, सक्षम ऐप आदि की जानकारी भी आमजनों को दी जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि एएएसटी दल की संख्या १७ है, जो तीन शिफ्ट में कार्य करेंगे। इसी प्रकार एसएसटी दलों की संख्या भी १७ है, जो तीन शिफ्ट में कार्य करेंगें। साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से १७ चेकनाका बनाया गया है, जिसके माध्यम से आवागमन की नियमित निगरानी की जाएगी। तथा -एज की संख्या ०६, तडढ की संख्या ३९, ततद की संख्या ०६ है।

उन्होंने बताया कि लोकतंत्र के इस पर्व में १०, ५२८ मतदान कर्मियो की प्रतिनियुक्ति की गई है। २८ धनवार विधानसभा क्षेत्र के लिए निर्वाची पदाधिकारी के रूप में अनुमंडल पदाधिकारी, खोरी महुआ, २९ बगोदर विधानसभा क्षेत्र के लिए निर्वाची पदाधिकारी के रूप में अनुमंडल पदाधिकारी, बगोदर सरिया, ३० जमुआ विधानसभा चुनाव क्षेत्र के लिए निर्वाची पदाधिकारी के रूप में अपर समाहर्ता, ३१ गांडेय विधानसभा चुनाव क्षेत्र के लिए निर्वाची पदाधिकारी के रूप में जिला आपूर्ति पदाधिकारी, ३२ गिरिडीह विधानसभा चुनाव क्षेत्र के लिए निर्वाची पदाधिकारी के रूप में अनुमंडल पदाधिकारी, गिरिडीह तथा ३३ डुमरी विधानसभा चुनाव क्षेत्र के लिए निर्वाची पदाधिकारी के रूप में अनुमंडल पदाधिकारी, डुमरी है।

इसके अलावा पुलिस अधीक्षक ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने विधानसभा आम चुनाव २०२४ की घोषणा कर दी है। इसी अधिसूचना के साथ पूरे जिले में आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है। सभी संबंधित अधिकारियों/पुलिस अधिकारियों को आदर्श आचार संहिता का उचित अनुपालन कराने का निर्देश दिया गया है। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को लेकर असमाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखने के अलावे सीमावर्ती इलाकों में विशेष गश्ती व विशेष अभियान चलाया जायेगा, ताकि किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर भी विशेष निगरानी रखी जायेगी। भ्रामक और अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कारवाई की जाएगी।

साथ ही उन्होंने बताया कि फ्लाइंग स्कॉड और स्टैटिक निगरानी दल का गठन किया गया है। ताकि शांतिपूर्ण व भयमुक्त वातावरण में विधानसभा चुनाव संपन्न कराया जा सके।

मतदान केंद्रों में मतदाताओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी : जिला निर्वाचन पदाधिकारी

कोडरमा (ससे): कोडरमा झारखण्ड विधानसभा आम निर्वाचन, २०२४ की घोषणा होते ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गई। इसी को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मेघा भारद्वाज द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इस मौके पर उन्होंने निर्वाचन संबंधित विस्तृत जानकारी दी।

इसके अंतर्गत प्रथम चरण के तहत मतदान प्रक्रिया के लिए १८ अक्टूबर २०२४ को नोटिफिकेशन जारी होगा, जिसके बाद नामांकन की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी और २५ अक्टूबर २०२४ तक चलेगी। नामांकन की स्क्रूटनी २८ अक्टूबर २०२४ को होगी। नामांकन वापस लेने के लिए अभ्यर्थी के पास ३० अक्टूबर २०२४ तक का समय रहेगा। मतदान १३ नवंबर २०२४ होंगे। मतगणना २३ नवंबर २०२४ को होगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि आदर्श आचार संहिता के पालन के लिए पूरी तैयारी की गई है। जगह-जगह चेकपोस्ट पर एसएसटी की टीम मौजूद रहेगी और एफएसटी टीम द्वारा मामला संज्ञान में आने पर कार्रवाई की जाएगी। सी-विजिल एप पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से संबंधित रिपोर्टिंग भी की जा सकेगी। कुल ४ लाख ५ हजार १९० मतदाता जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने बताया कि १९ कोडरमा विधानसभा क्षेत्र में ४२९ मतदान केंद्र हैं, जिनमें कुल ४ लाख ०५ हजार १९० मतदाता हैं। मतदाता जागरूकता के लिए स्वीप की गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। मतदान केंद्रों में मतदाताओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। इसके लिए पदाधिकारियों को आवश्क निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन कटिबद्ध है।

कोषांगों का गठन जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने बताया कि १९ कोडरमा विधानसभा आम निर्वाचन क्षेत्र में स्वच्छ एवं शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने हेतु विभिन्न कोषांगो का गठन किया गया है। निर्वाचन, निर्वाचन नजारत, कार्मिक, वाहन, मतपत्र, इवीएम वीवीपैट, सामग्री, प्रशिक्षण, प्रेक्षक, स्वीप, मीडिया, आदर्श आचार संहिता, जन शिकायत, विधि व्यवस्था समेत अन्य कोषांग का गठन किया गया है। सुरक्षा के पूरे इंतजाम प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने बताया कि सभी मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा के पूरे इंतजाम मतदाताओं के लिए रहेंगे। आवश्यकतानुसार फोर्स की तैनाती रहेगी। आवश्यकतानुसार बूथ की समीक्षा कर आवश्यक निर्णय लिये जायेंगे। लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण रहा था। इस बार भी जिला प्रशासन पूरी तरह तैयार है। उपस्थिति प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य रूप से अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग नीतीश कुमार निशांत, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रिंस गोडविन कुजूर, डीपीएम जेएसएलपीएस समेत विभिन्न मीडिया संस्थानों के पत्रकारगण मौजूद रहे।

संयुक्त समिति की बैठक का बहिष्कार ओम बिरला से मिलेगा विपक्ष

नई दिल्ली,(ईएमएस): विपक्षी सांसदों ने वक्फ (संशोधन) विधेयक २०२४ पर संयुक्त समिति की बैठक का बहिष्कार किया। विपक्ष ने आरोप लगाकर कहा कि समिति नियमों के अनुसार कार्य नहीं कर रही है। वे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से अपनी समस्याओं को लेकर बात होगी। समिति ने देशभर में लोगों से वक्फ बिल को लेकर सुझाव मांग रही है। बता दें कि वक्फ (संशोधन) विधेयक, २०२४ पर चर्चा के लिए एक बैठक हुई थी।

विपक्षी सांसदों ने बैठक का बहिष्कार कर आरोप लगाया कि समिति नियमों के अनुसार काम नहीं कर रही है। विपक्षी सांसदों ने अनवर मणिप्पडी पर कर्नाटक सरकार और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर बेबुनियाद आरोप लगाने का आरोप लगाया। कांग्रेस के गौरव गोगोई और इमरान मसूद, डीएमके के ए राजा, शिवसेना (यूबीटी) के अरविंद सावंत, एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी, समाजवादी पार्टी के मोहिबुल्लाह और आम आदमी पार्टी के संजय सिंह ने बैठक का बहिष्कार किया।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत ने बताया कि विपक्षी सांसदों ने बहिष्कार किया है, क्योंकि समिति सिद्धांतों और मानदंडों के साथ काम नहीं कर रही है। यह देखकर विपक्षी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष से मिलकर वक्फ विधेयक पर अपनी चिंताओं से अवगत कराने का फैसला किया है। समिति के मंगलवार को फिर से बैठक करने की उम्मीद है। इस बैठक में अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के प्रतिनिधियों से मौखिक सबूत सुने जाएंगे।

बैठक में जेपीसी प्रमुख जगदम्बिका पाल ने कहा कि हमने छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष, आंध्र प्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के साथ चर्चा की। ४२ संगठनों के हितधारकों ने चर्चा में भाग लिया। हम विभिन्न शहरों में हितधारकों के साथ चर्चा कर रहे हैं। यहां से, हम चेन्नई और फिर बैंगलोर जाएंगे। इससे पहले, हम अहमदाबाद और मुंबई गए थे। हम दिल्ली भी जा रहे हैं। हमें अगले संसद सत्र से पहले रिपोर्ट सौंपनी है।

राजस्थान में डेंगू से अब तक 6 मौतें,दहशत में लोग

जयपुर (ईएमएस): राजस्थान में डेंगू का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। इस साल डेंगू से छह लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में १४ साल का लड़का भी शामिल है। १४ साल के गिरिराज को अलवर के एक अस्पताल में तेज बुखार के साथ भर्ती किया गया था। मरीज में डेंगू की पुष्टि की गई। हालांकि, दो दिन के उपचार के बाद उसकी हालत में सुधार हुआ और अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।.वहीं, सोमवार को मरीज की हालत फिर बिगड़ी और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। जानकारी मिली है कि डेंगू से मरने वाला गिरिराज अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। अब तक राज्य के अलग-अलग हिस्सों में डेंगू से ६ लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें एक आरएएस अधिकारी, एक डॉक्टर, एक नर्सिंग छात्रा और एक व्यापारी शामिल हैं। उदयपुर में आरएएस अधिकारी तारू सुराणा की करीब १७ दिन तक डेंगू का इलाज चलने के बाद ५ अक्टूबर को मौत हो गई।

दौसा जिले के सरकारी अस्पताल में तैनात डॉ. ज्योति मीना में २४ सितंबर को डेंगू के लक्षण दिखे। २५ सितंबर को उनकी प्लेटलेट्स मात्र १२,००० रह गई और तभी उनकी मौत हो गई। पाली के एक व्यापारी और कोटा में एएनएम की ट्रेनिंग कर रही छात्रा को भी बुखार आया और फिर जांच में वह डेंगू पॉजिटिव मिले। धीरे-धीरे उनकी तबीयत बिगड़ती गई और उनकी मौत हो गई। झुंझुनूं के बिसाऊ के वार्ड १२ निवासी खेरूनिशा (३६) को ४ अक्टूबर को चूरू के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। महिला को तेज बुखार, सिर दर्द, बदन दर्द और डिहाइड्रेशन की शिकायत थी। वह भी डेंगू पॉजिटिव पाई गई और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

अंतर्राष्ट्रीय ग्रामीण महिला दिवस का आयोजन

कतरास (ससे) : सिजुआ सामुदायिक केंद्र में आयोजित इंटरनेशनल डे ऑफ रूरल विमेन पर छह सामुदायिक केंद्रों से लगभग २०० ग्रामीण महिलाएं एकत्रित हुई। टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि और ग्रामीण विकास में इन महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मानित करना था।

समारोह की शुरुआत पद्म विभूषण रतन एन. टाटा को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इसके बाद टाटा स्टील झरिया डिवीजन की हेड (एडमिनिस्ट्रेशन) श्वेता मिश्रा ने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ औपचारिक दीप प्रज्वलित किया। अपने संबोधन में श्वेता मिश्रा ने राष्ट्रीय प्रगति में ग्रामीण महिलाओं के योगदान को रेखांकित किया और समुदाय को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में स्तन कैंसर जागरूकता सत्र (जो अक्टूबर में विश्व स्तर पर मनाया जाता है) के साथ-साथ पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता पर चर्चा भी की गई। प्रतिभागियों के लिए एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ, जिसने सभी का विशेष ध्यान आकर्षित किया। उपस्थित प्रमुख लोगों में पीयूष कुमार (सीनियर एरिया मैनेजर एचआरबीपी, सिजुआ ग्रुप, टाटा स्टील), राजेश कुमार (यूनिट लीड, टाटा स्टील फाउंडेशन), डॉ. अंकित प्रकाश (सीनियर रजिस्ट्रार, भेलाटांड फीडर अस्पताल), बिपिन चौधरी (मैनेजर कम्युनिटी डेवलपमेंट, टाटा स्टील फाउंडेशन), अभिषेक कुमार (ब्लॉक अधिकारी, पोषण परियोजना, टाटा स्टील फाउंडेशन), और यशोदा देवी (मुखिया, कंचनपुर पंचायत) शामिल थे।

गैंग्स ऑफ़ जामताड़ा का नया पैंतरा, कैसे करने लगे है ठगी

जामताड़ा (ससे) : अगर आपका मोबाइल चोरी हो गया है अथवा कहीं खो गया है, कहीं गिर गया है तो तुरंत सक्रिय हो जाइये। नहीं तो आपके बैंक खाते से पैसे की निकासी हो सकती है। साइबर अपराधियों ने ठगी करने का नया तरीका ढूंढ निकाला है। धनबाद में कम से कम दो-तीन उदाहरण ऐसे मिले है। मोबाइल खोने के बाद धारक के खाते से पैसे की निकासी कर ली गई है।

मोबाइल चोरी या गुम होने पर तुरंत अपने संबंधित थाने में शिकायत करे. सिम बंद करने के लिए कंपनी के हेल्पलाइन पर फोन करे। मोबाइल में बैंक अकाउंट का पिन कोड आदि नहीं रखे। मोबाइल जिस बैंक अकाउंट से लिंक है, उस अकाउंट को होल्ड करा दे. अकाउंट से पैसे की निकासी हो जाती है तो नेशनल साइबर हेल्पलाइन पर फोन करे। यह सब अगर सावधानियां आप नहीं करते है तो आप धोखा खा सकते है। आपके अकाउंट से पैसे की निकासी साइबर अपराधी कर सकते है।

धनबाद को तो साइबर अपराधियों ने एक तरह से अपना ठिकाना बना लिया है। धनबाद से सटे जामताड़ा में साइबर अपराधियों की पाठशाला चलती है। यहां बकायदे स्कूल खोलकर साइबर अपराध के ढंग -तरीके को बताया जाता है। जामताड़ा के सुदूर इलाकों में भी जब छापेमारी को पुलिस पहुंचती है तो साइबर अपराधियों के ठाठ -बाट को देखकर दंग रह जाती है। यह साइबर अपराधी इतने शातिर और चालाक होते हैं कि कहीं जंगल में भी बैठकर साइबर अपराध की घटनाओं को अंजाम दे देते है। ठगने के लिए जिन्हें चिन्हित करते हैं, उनके बारे में पूरा डिटेल्स उनके पास होता है। यह डिटेल वह कैसे जुगाड़ करते हैं, यह भी एक सोचने वाली बात होती है।

केजरीवाल मान के कतरेंगे पर? दो लोगों को नजर रखने भेज रहे पंजाब

नई दिल्ली,(ईएमएस): भगवंत मान केजरीवाल की पहली पसंद थे ही नहीं। दूसरी पसंद का राज्य में स्कोप नहीं था। इसलिए सीएम की कुर्सी भगवंत मान बैठाने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। आम आदमी पार्टी के एक पूर्व पदाधिकारी ये बात पूरे दावे से कहते हैं।

पंजाब में भगवंत मान आम आदमी पार्टी का सबसे लोकप्रिय चेहरा हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि अब अरविंद केजरीवाल भगवंत मान की ताकत कम करने में जुटे हैं। केजरीवाल और मान के रिश्ते अरविंद केजरीवाल के जेल जाने और लोकसभा चुनाव के लिए फंड न मिल पाने से ज्यादा बिगड़ गए हैं। सूत्रों के मुताबिक लोकसभा चुनाव के बाद इसका असर दिखने भी लगा है। केजरीवाल ने भगवंत मान पर लगाम कसना शुरू कर दिया है। इसके लिए दिल्ली से दो खास लोगों को बड़ी जिम्मेदारी देकर पंजाब भेजने की तैयारी है। इनमें एक विजय नायर हैं, जो पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के करीबी हैं। वहीं दूसरे बिभव कुमार हैं, जो अरविंद केजरीवाल के सबसे भरोसेमंद लोगों में से एक हैं। ये दोनों हाल में जेल से छूटे हैं।

महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

राजगंज (ससे) : बड्स गार्डेन स्कूल परिसर में मंगलवार को क्षेत्र के नए थाना प्रभारी अलीशा अग्रवाल के माध्यम से स्कूल प्रबंधन द्वारा २९वीं सीनियर महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने हेतु प्रमाण पत्र और उपहार प्रदान किया गया।

इस दौरान अलिशा अग्रवाल ने सभी खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए उनकी कड़े मेहनत और खेल की प्रतिभा की काफी प्रशंसा की। साथ ही प्राचार्य प्रमोद चौरसिया ने इन महिला खिलाड़ियों को झारखंड की टीम में चयन होने के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी और उनके कड़े मेहनत को सैल्यूट किया। साथ ही स्कूल की निदेशका गौरी चौरसिया ने पुष्पगुच्छ देकर ने थाना प्रभारी का स्वागत किया एवं स्कूल की स्काउट एंड एनसीसी बैंड ग्रुप द्वारा थाना प्रभारी और सभी फुटबॉल खिलाड़ियों को मार्च पास्ट और सलामी देकर स्वागत किया गया।

स्कूल प्रबंधन की ओर से प्रमोद कुमार चौरसिया ने ट्रायल कैंप के मुख्य सलेक्टर के रूप में झारखंड फुटबॉल टीम के मुख्य सलेक्टर एवं मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब कोलकाता के पूर्व खिलाड़ी मो. नियाजउद्दीन एवं अध्यक्ष ऐ. के. पाल ने टीम कोच पारस करमाली का पुष्प कुछ देकर स्वागत किया। इस दौरान स्कूल के सभी छात्राओं व शिक्षक परिवार ने तालियों की गड़गड़ाहट से सभी खिलाड़ियों का अभिनंदन किया, जिससे सभी खिलाड़ियों में काफी उत्साह देखने को मिल रही थी।

कांग्रेस का आरोप, इजराइल से पीएम मोदी के अच्छे संबंध

नई दिल्ली (ईएमएस): महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव की तारीखों की चुनाव आयोग की घोषणा से पहले विपक्षी दलों ने फिर ईवीएम में गड़बड़ी का मुद्दा उठाया। हालांकि, मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि जनता ने मतदान में भाग लेकर सवालों का जवाब दे दिया है। चुनाव आयुक्त कुमार ने कहा कि जनता मतदान में भाग लेकर सवालों का जवाब देती है। जहां तक ईवीएम का सवाल है, वे १०० फीसदी फुलप्रूफ हैं। इसके पहले, कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने हिजबुल्लाह के पेजर्स को हैक करने का उदाहरण देकर दावा किया था कि ईवीएम में हेरफेर हो सकता है।

कांग्रेस नेता अल्वी ने कहा कि महाराष्ट्र में विपक्ष को इसके लिए दबाव बनाना चाहिए कि ईवीएम से नहीं बल्कि बैलेट पेपर से वोटिंग होगी। अन्यथा, महाराष्ट्र में, भाजपा सरकार और चुनाव आयोग कुछ भी कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि यदि इजराइल पेजर और वॉकी-टॉकी के इस्तेमाल से लोगों को मार सकता है, तब ईवीएम कहां है? इजराइल के साथ पीएम के बहुत अच्छे रिश्ते हैं। इजराइल ऐसी चीजों में माहिर है। ईवीएम का बड़ा खेल कहीं भी हो सकता है और उसके लिए बीजेपी चुनाव से पहले ये सब खेल कर लेती है। पिछले हफ्ते, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ईसीआई को एक ज्ञापन सौंप कर कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि निकाय इस मुद्दे पर संज्ञान लेगा और उचित निर्देश देगा।

पिछले वित्त वर्ष की तुलना में जीएसटी चोरी हुई दोगुनी

नई दिल्ली,(ईएमएस): एक रिपोर्ट में २०२३-२४ में २.०१ लाख करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी पकड़ी गई। अगर इसमें सेंट्रल जीएसटी की रकम जोड़ दें तो यह आंकड़ा २.३७ लाख करोड़ रुपए हो जाएगा, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में दोगुना है। ऑनलाइन फैंटेसी और स्पोर्ट्स गेमिंग वाली भारतीय और विदेशी कंपनियों ने डीजीजीआई की मुंबई जोनल यूनिट में अपनी सेवाओं का गलत वर्गीकृत किया। इससे उनकी कर योग्य राशि कम हो गई। जब ५७,१०८ करोड़ रुपए की टैक्स चोरी पकड़ी गई तो इन कंपनियों ने महज ३० करोड़ का स्वैच्छिक भुगतान कर मामला निपटाया। वहीं, बीमा कंपनियों ने फर्जी इनवॉइस लेकर आईटीसी क्लेम लिए। २,४२६ करोड़ रुपए की टैक्स चोरी में से ७०६ करोड़ रुपए का ही स्वैच्छिक भुगतान किया गया।

नकली कंपनियों के इनवॉइस और आईटीसी क्लेम से टैक्स देनदारी घटा रही हैं। डिजिटल व ई-कॉमर्स से जुड़ी विदेशी कंपनियां रजिस्ट्रेशन ही नहीं हो रहा हैं। ऑनलाइन प्लेटफार्मों से सेवाओं को गलत तरीके से वर्गीकृत कर स्लैब घटाया जा रहा है। सट्टेबाजी और जुए को कौशल-आधारित खेलों में पेश करके सर्वाधिक टैक्स चोरी कर रहे हैं। जबकि ये लकी ड्रॉ जैसे खेल हैं। १ जुलाई १७ से २४ जनवरी १८ तक, ऐसे गेम्स पर १८फीसदी जीएसटी था। फिर २८फीसदी हो गया, बचने के लिए पुराना स्लैब चुना गया।

भारत का फाइनेंशियल गेट-वे बनी गांधीनगर की गिफ्ट सिटी

गांधीनगर (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की २३ वर्षों की संकल्प सिद्धि को जन-जन के बीच उजागर करने के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात में 'विकास सप्ताह' का जश्न मनाया जा रहा है। गुजरात आज देश के मॉडल स्टेट के रूप में उभर चुका है और मौजूदा प्रधानमंत्री एवं गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट गांधीनगर स्थित गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) 'विकसित भारत२०४७' के स्वप्न को साकार करने में अहम भूमिका अदा कर रहा है। गिफ्ट सिटी का निर्माण अहमदाबाद और गुजरात की राजधानी गांधीनगर के बीच साबरमती नदी के तट पर किया गया है। गुजरात सरकार की पहल और भारत सरकार के सहयोग से तैयार गिफ्ट सिटी को भारत की पहली ऑपरेशनल स्मार्ट सिटी और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन और मार्गदर्शन में २००७ में गिफ्ट सिटी की परिकल्पना की गई थी। वैश्विक स्तर पर वित्तीय रूप से समृद्ध न्यूयॉर्क, लंदन, टोक्यो, पेरिस, सिंगापुर और दुबई जैसे देशों की तर्ज पर भारत को भी एक वित्तीय केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए गिफ्ट सिटी का निर्माण किया गया है।

वर्तमान में गांधीनगर में ८८६ एकड़ क्षेत्र में फैली गिफ्ट सिटी को विश्व स्तरीय वाणिज्यिक, रिहायशी और सामाजिक सुविधाओं के साथ एक सुनियोजित और प्रौद्योगिकी-सक्षम स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। मल्टी-सर्विस स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एसईजेड) में स्थित गिफ्ट सिटी में भारत का

एकमात्र अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) और डोमेस्टिक टैरिफ एरिया है। वर्तमान में गिफ्ट सिटी में लगभग २० इमारतों में कामकाज जारी है तथा अन्य प्रोजेक्ट प्रगति पर हैं। गिफ्ट सिटी की लोकप्रियता और गुजरात सरकार की प्रोत्साहक नीतियों के कारण यहां विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियां कारोबार के लिए आ रही हैं। इसके परिणामस्वरूप गिफ्ट सिटी में ७०० से अधिक कारोबारी संस्थानों के कार्यालय खुल चुके हैं और इससे प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से अनुमानित २५,००० रोजगार का सृजन हुआ है।

गिफ्ट सिटी में अत्याधुनिक बुनियादी सुविधाएं जैसे कि डिस्ट्रिक्ट कूलिंग सिस्टम, ऑटोमेटेड वेस्ट कलेक्शन सिस्टम, अंडरग्राउंड यूटिलिटी टनल और ग्रीन ट्रांसपोर्टेशन तथा स्कूल व मेडिकल सुविधा तथा इंडोर और आउटडोर खेल सुविधा युक्त एक बिजनेस क्लब, मनोरंजन की सुविधा, फाइव स्टार होटल, सुपर मार्केट और मल्टी-कुजीन रेस्टोरेन्ट जैसी सामाजिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। गिफ्ट सिटी में व्यापार-वाणिज्य के साथ-साथ सुनियोजित हाउसिंग परियोजनाएं भी बन रही हैं, जो गिफ्ट सिटी को वास्तव में 'वॉक टू वर्क' सिटी बनाती हैं। गिफ्ट सिटी में उपलब्ध मेट्रो ट्रेन की कनेक्टिविटी, २० मिनट की दूरी पर स्थित डोमेस्टिक और इंटरनेशनल एयरपोर्ट, १५ मिनट की दूरी पर स्थित रेलवे स्टेशन और नेशनल हाईवे की कनेक्टिविटी सहित विभिन्न परिवहन सुविधाएं उद्योगों के लिए एक अनुकूल वातावरण मुहैया कराती हैं। गिफ्ट सिटी में स्थित भारत का एकमात्र अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र शीर्ष वैश्विक वित्तीय केंद्रों में से एक के रूप में अपनी एक विशिष्ट पहचान बना रहा है, जो अगले कुछ वर्षों में वैश्विक वित्तीय केंद्र सूचकांक-लंदन में और भी महत्वपूर्ण स्थान हासिल करेगा। इसके अतिरिक्त, गिफ्ट सिटी कॉर्पोरेट्स को ग्लोबल बेंचमार्क, वाइब्रेंट बिजनेस इकोसिस्टम, सिंगल विंडो एक्सेस के माध्यम से निवेश के लिए सुविधाएं प्रदान करता है। गिफ्ट सिटी को ग्रीनफील्ड स्मार्ट सिटी के लिए भारत की पहली प्लेटिनम रेटेड सिटी का सम्मान भी मिला है।

गिरिराज सिंह की यात्रा से एनडीए में उठे विरोध के सुर

पटना (एर्जेंसी): बिहार में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और चुनावी हलचलें तेज हो गई हैं. विजयदशमी के बाद राज्य में सियासी यात्राओं का दौर शुरू हो गया है. केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के बड़े नेता गिरिराज सिंह की 'हिंदू स्वाभिमान यात्रा' को लेकर अब विवाद बढ़ रहा है. इस यात्रा के विरोध में एनडीए की सहयोगी पार्टी जेडीयू ने कड़ा रुख अपनाया है. जेडीयू के नेता नीरज कुमार ने गिरिराज सिंह पर निशाना साधते हुए संविधान की शपथ का हवाला दिया है और कहा है कि जाति और धर्म से ऊपर उठकर काम करने की आवश्यकता है.

जानकारी के अनुसार गिरिराज सिंह की हिंदू स्वाभिमान यात्रा १८ अक्टूबर से २२ अक्टूबर २०२४ तक बिहार में चलेगी. इस यात्रा का मुख्य फोकस सीमांचल क्षेत्र है, जहां मुस्लिम आबादी अधिक है. यात्रा की शुरुआत भागलपुर से होगी और यह किशनगंज में जाकर समाप्त होगी. गिरिराज सिंह १८ अक्टूबर को भागलपुर, १९ अक्टूबर को कटिहार, २० अक्टूबर को पूर्णिया, २१ अक्टूबर को अररिया और २२ अक्टूबर को किशनगंज में रहेंगे.

जेडीयू के एमएलसी नीरज कुमार ने इस यात्रा पर सवाल उठाते हुए कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सीमांचल क्षेत्र में विकास कार्यों की एक मजबूत नींव रखी है. नीतीश कुमार ने हिंदू मंदिरों के साथ-साथ समाज के अन्य धार्मिक स्थलों का भी विकास किया है. नीरज ने कहा कि नीतीश कुमार ने सामाजिक सौहार्द्र की पूंजी को मजबूत किया है, जिसे बरकरार रखना जरूरी है. इसके अलावा, नीरज कुमार ने गिरिराज सिंह की यात्रा पर टिप्पणी करते हुए कहा कि भारत का संविधान कहता है कि जाति और धर्म से ऊपर उठकर सभी को समान रूप से काम करना चाहिए.

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि संविधान की शपथ लेकर ही जनता की सेवा की जानी चाहिए. इस संदर्भ में नीरज ने कहा कि हिंदू स्वाभिमान यात्रा के साथ संविधान की शपथ को भी याद रखना चाहिए.

जेडीयू के अलावा, एनडीए की एक और सहयोगी पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) ने भी इस यात्रा पर प्रतिक्रिया दी है. एलजेपी सांसद अरुण भारती ने कहा कि बीजेपी को हिंदू धर्म के अंदर मौजूद जाति व्यवस्था पर भी ध्यान देना चाहिए. उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म में अभी भी जातिगत भेदभाव मौजूद है और बीजेपी को इस समस्या को भी सुलझाने की दिशा में काम करना चाहिए. उन्होंने कहा कि एससी/एसटी समुदायों के साथ हो रहे अन्याय को भी दूर करने के लिए कदम उठाने चाहिए, ताकि सभी हिंदू भाई-बहन एकजुट हो सकें.

जेडीयू नेता विजय चौधरी ने भी गिरिराज सिंह की यात्रा पर टिप्पणी की और कहा कि जनता विकास की बात सुनना चाहती है. उन्होंने कहा कि बिहार और देश के विकास के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, ताकि लोगों का ध्यान असली मुद्दों से न भटके. इसके साथ ही, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी १८ अक्टूबर से अपनी यात्रा शुरू करने जा रहे हैं. उनकी यात्रा का दूसरा चरण बांका से शुरू होगा. इस पर जेडीयू नेता नीरज कुमार ने तंज कसते हुए कहा कि तेजस्वी यादव विदेश से प्रवास करके सिर्फ ईडी के बुलावे पर लौटे हैं और अब वे अपने कार्यकर्ताओं से मिलने की कोशिश कर रहे हैं.

झारखंड के विधानसभा चुनाव के संदर्भ में जेडीयू ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण बैठक की. इस बैठक में पार्टी अध्यक्ष नीतीश कुमार ने झारखंड के प्रभारी और अन्य प्रमुख नेताओं के साथ चुनावी रणनीति पर चर्चा की. बैठक के बाद यह जानकारी दी गई कि जेडीयू, झारखंड में बीजेपी के साथ मिलकर चुनाव लड़ना चाहती है, हालांकि अभी सीटों पर सहमति नहीं बन पाई है. बिहार में एनडीए की सरकार है, जिसमें नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं. बीजेपी के कोटे से विजय कुमार सिन्हा और सम्राट चौधरी डिप्टी सीएम के पद पर हैं. राज्य की विधानसभा में कुल २४३ सीटें हैं, जिनमें बीजेपी के ७८, जेडीयू के ४४, और एलजेपी के ३ विधायक हैं. विपक्षी आरजेडी के पास ७७ विधायक हैं, जबकि कांग्रेस के १९ और सीपीआई-एमएल (लिबरेशन) के ११ विधायक हैं.

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की सुरक्षा बढ़ी

पटना (एर्जेंसी): केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की सुरक्षा में बदलाव किया है. उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है. चिराग को अब न कैटेगरी की सुरक्षा प्रदान की गई है. गृह मंत्रालय ने ये निर्णय चिराग पासवान की सुरक्षा चिंताओं को मद्देनजर रखते हुए लिया है. गृह मंत्रालय ने चिराग पासवान को न कैटेगरी की सुरक्षा में शामिल किया है. इस सुरक्षा के तहत चिराग को सशस्त्र गार्डस् की सुविधा मिलेगी. गृह मंत्रालय ने चिराग की सुरक्षा बढ़ाने का निर्णय हाल ही में हुई घटनाओं को देखते हुए लिया है. दरअसल, न कैटेगरी की सुविधा में विशेष प्रशिक्षित कर्मियों की तैनाती होती है. यह सुविधा २४ घंटे उपलब्ध रहती है.

ध्यान रहे कि चिराग पासवान को न कैटेगरी की

सुविधा मिलने से पहले एसएसबी के कमांडो की सुरक्षा मिली हुई थी. लेकिन अब उन्हें जेड कैटेगरी की सिक्योरिटी के साथ सीआरपीएफ के जवान भी सुरक्षा देंगे. चिराग पासवान की सिक्योरिटी में ये बदलाव खइ की थ्रेट रिपोर्ट के बाद किया गया है. किसी भी व्यक्ति की सुरक्षा में बदलाव को लेकर या सुरक्षा देने को लेकर भारत में गृह मंत्रालय निर्णय लेता है.

चिराग पासवान की सुरक्षा में अब कुल ३३ सुरक्षा गार्ड तैनात रहेंगे. उनके घर पर वीआईपी के १० आर्म्ड स्टैटिक गार्ड रहेंगे. इसके साथ ही तीन शिफ्ट में आर्म्ड एस्कॉर्ट के १२ कमांडो, ६ राउंड द क्लॉक पीएसओ, ३ ट्रेंड ड्राइवर राउंड द क्लॉक और वाचर्स शिफ्ट में २ कमांडो मौजूद रहेंगे. बता दें कि जेड कैटेगरी की सुरक्षा में विशेष प्रशिक्षित कर्मी तैनात होते है. यह सुविधा व्यक्ति के लिए २४ घंटे उपलब्ध रहती है. दरअसल, हाल ही में चिराग पासवान की राजनीतिक गतिविधियों में काफी ज्यादा वृद्धि हुई है. उनकी पार्टी और समर्थकों ने इस निर्णय का स्वागत किया है.

जेड कैटेगरी की सुविधा देने के बाद गृह मंत्रालय समय-समय पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा भी करता रहता है. चिराग पासवान के लिए जेड कैटेगरी की सुरक्षा व्यवस्था लागू हो चुकी है.

हरिभूषण ने की सीमांचल को केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग

पूर्णिया (ईएमएस): बिहार में एनडीए गठबंधन में फिर तनाव नजर आ रहा है। तनाव की वजह बीजेपी विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल की सीमांचल को केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग है। बचौल का कहना है कि सीमांचल में हिंदुओं की सुरक्षा को खतरा है। जेडीयू ने बचौल के बयान की आलोचना करते हुए बिहार में सांप्रदायिक सौहार्द का दावा किया है। गठबंधन में विवाद उस समय शुरू हुआ जब बीजेपी विधायक बचौल ने एक टीवी चैनल से बात करते हुए कहा कि सीमांचल के किशनगंज, अररिया, पूर्णिया और कटिहार जिलों को केंद्र शासित प्रदेश बनाया जाना चाहिए। उनका कहना था कि इन इलाकों में बांग्लादेशी घुसपैठियों का कब्जा है और हिंदू अल्पसंख्यक हो गए हैं। बचौल ने कहा कि धर्म के नाम पर देश का विभाजन हुआ था। भारत हिंदू राष्ट्र तो पाकिस्तान मुस्लिम राष्ट्र बना। इसलिए सीमांचल को केंद्र शासित प्रदेश बनाया जाए।

उन्होंने कहा कि सीमांचल में हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा है। बचौल के बयान पर जेडीयू ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि हिंदू-मुस्लिम, सिख-ईसाई बिहार में मिलकर रहते आए है और रह रहे हैं। बिहार में सांप्रदायिक सौहार्द का वातावरण है। बचौल के बयान का कोई औचित्य नहीं है। इसके अलावा, राजीव रंजन ने हाल ही में मुंबई में बाबा सिद्दीकी की हत्या पर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि बाबा सिद्दीकी का जन्म बिहार में हुआ था। उनका बिहार से गहरा जुड़ाव था। मौत-हत्या पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

बिहार की 4 विस सीटों पर उपचुनाव का ऐलान

पटना (एर्जेंसी): बिहार विधानसभा उपचुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है. मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने आज यानी मंगलवार (१५ अक्टूबर) महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनावों के साथ-साथ बिहार की इमामगंज, रामगढ़, बेलागंज, तरारी विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखें घोषित कर दी हैं. मुख्य चुनाव आयुक्त के अनुसार, बिहार की चारो विधानसभा सीटों पर १३ नवंबर को उपचुनाव होगा और २३ नवंबर को वोटो की गिनती होगी. उपचुनाव में बीजेपी, जेडीयू, आरजेडी और भाकपा माले के अलावा प्रशांत किशोर ताल ठोकने की तैयारी में हैं. वहीं हाल ही में अपनी नई पार्टी बना चुके प्रशांत किशोर भी उपचुनाव लड़ने का ऐलान कर चुके हैं.

पीके ने अपनी बैठक में कहा था कि मैं चारों सीटों पर उम्मीदवार उतारूंगा. पीके की जन सुराज इन चार विधानसभा

सीटों में से दो पर मुस्लिम चेहरों को मौका दे सकती है. हालाँकि अभी इसकी आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की गई है. बता दें कि कई मौकों पर प्रशांत किशोर २०२५ के बिहार विधानसभा चुनाव में ४० मुस्लिम उम्मीदवार उतारने की घोषणा कर चुके हैं. ऐसे में इस बार भी अगर वो दो सीटों पर मुस्लिम उम्मीदवार उतार दें तो हैरानी वाली बात नहीं होगी. वहीं अगर पीके ने अपने उम्मीदवारे उतारे तो इस उपचुनाव में जनता को एक और पार्टी को वोट करने का मौका मिल सकता है.

बता दें कि चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा हो गई है. भोजपुर के तरारी, कैमूर के रामगढ़ और गया के बेलागंज और इमामगंज से विधायक सांसद बन चुके हैं. पिछले चुनाव में रामगढ़ और बेलागंज में राजद की जीत हुई थी, तो तरारी में सीपीआई और इमामगंज में क-च् के संरक्षक जीतन राम मांझी जीते थे. सूत्रों से खबर आ रही है कि बिहार में होने वाले उपचुनाव में रामगढ़ और तरारी सीट बीजेपी के खाते में जाएगी. वहीं बेलागंज से जदयू और इमामगंज सीट से जीतन राम मांझी की पार्टी हम(से.) के उम्मीदवार एनडीए के तरफ से मैदान में होंगे.

जंगली हाथियों ने गांव में मचाया आतंक

पटना (ईएमएस): पश्चिम चम्पारण वाल्मिकि टाइगर रिज़र्व से सटे गांवों में जंगली हाथियों का खौफ छाया हुआ है। विगत दिवस देर रात क़रीब आधा दर्जन जंगली हाथियों का झुंड वीटीआर से सटे बिसहा गांव के नजर आया जिसके बाद ग्रामीणों में दहशत फैल गई। नेपाल के चितवन से आए जंगली हाथियों ने खेतों में खड़ी धान और गन्ने की फसल को बर्बाद कर दिया। अपनी फसल बर्बाद होते देखते ग्रामीणों ने मशाल जलाया और शोर मचाते हुए हाथियों को खदेड़ा। गनीमत रही कि कुछ देर की अफरा तफरी के बाद जंगली हाथियों से गांव को बड़े नुकसान से बचा लिया।

ग्रामीणों का कहना है हाथी पहले खेतों में घुसकर करीब दस एकड़ में फैली फसलों को रौंद दिया। उनकी गन्ने और धान की खड़ी फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो गई। ऐसे में उनमें आक्रोश पैदा हो हो गया। देखते ही देखते हाथियों का झुंड गांव की बस्ती की ओर बढ़ने लगा। ग्रामीणों ने तुरंत एकजुट होकर मशालें जलाईं और शोर मचाते हुए हाथियों को खदेड़ने लगे। लोगों और मशालों को देखकर हाथी जंगल लौट गए। ग्रामीणों की सूझबूझ से बड़ी घटना टल गई।

वाल्मीकि नगर रेंजर ने बताया कि प्रभावित फसलों का सर्वे कराया जा रहा है, जिसके बाद किसानों को नियमानुसार मुआवजा दिया जाएगा। वाल्मीकि टाइगर रिज़र्व से सटे कुछ खास क्षेत्रों में नेपाल के चितवन से आए हाथियों द्वारा उत्पात मचाया जाता है। इसको देखते हुए उक्त क्षेत्रों में गजमित्रों की टीम तैनात की है। जहां तक बात वर्तमान में प्रभावित क्षेत्र बिसहा की है, तो इस क्षेत्र में इसके पहले कभी भी जंगली हाथियों का मूवमेंट नहीं था।

झारखंड में 2 नहीं 11 सीटों पर लड़ेगी जेडीयू

पटना (ईएमएस) : झारखंड विधानसभा चुनाव के तारीखों की घोषणा से पहले झारखंड जदयू प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो का बड़ा बयान सामने आया है। महतो के बयान से एनडीए के अंदर जेडीयू-बीजेपी के संबंधों में खटास आ सकती है। दरअसल महतो ने कहा है कि जदयू ने झारखंड में ११ सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी की है। अभी सीट को लेकर बातचीत जारी है।

दरअसल झारखंड चुनाव प्रभारी और असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा झारखंड में जदयू को दो सीट देने की बात कर रहे है। सरमा के बयान के बाद महतो ने यह बड़ा बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने ११ सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कह दी है। महतो ने कहा कि कौन क्या बोलता है इससे फर्क नहीं पड़ता है।

हालांकि झारखंड जेडीयू प्रदेश अध्यक्ष महतो ने कहा कि सीट बंटवारे को लेकर अंतिम फैसला जदयू के आलाकमान को करना है।

बता दें, इसके पहले एनडीए के अंदर जेडीयू को २ सीट देने की चर्चा थी। इसके लिए २ उम्मीदवार राजा पीटर और सरयू राय के नाम की भी चर्चा होने लगी थी। लेकिन, महतो के बयान झारखंड में एनडीए के अंदर जेडीयू और बीजेपी के रिश्तों में खटास की बात भी सामने आने लगी है। बता दें, झारखंड में जीतन राम मांझी और चिराग पासवान ने पहले ही अपनी दावेदारी पेश कर दी है। वहीं मामले पर जदयू के झारखंड प्रभारी अशोक चौधरी का भी बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि अभी बातचीत अभी फाइनल नहीं हुई है। बता दें, झारखंड चुनाव की घोषणा से पहले ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की झारखंड जेडीयू के चुनाव प्रभारी चौधरी की बैठक खत्म हो गई है।

जूनियर डॉक्टरों का हड़ताल समाप्त

पटना (एर्जेंसी): कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों का साथ देते हुए बिहार के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों के डॉक्टर एक दिवसीय हड़ताल पर हैं.

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर बिहार में हड़ताल मंगलवार को सुबह ६ बजे शुरू हुई जो शाम ६ बजे तक समाप्त होगी. इस दौरान बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) और नियमित सर्जरी को पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिया गया. हालांकि, आपातकालीन सेवाएं चालू रहेंगी. इस हड़ताल ने पटना मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, नालंदा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना एम्स, एसकेएमसीएच मुजफ्फरपुर, जेएलएन मेडिकल कॉलेज भागलपुर, अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज गया और बिहार के अन्य

मेडिकल कॉलेजों सहित पूरे राज्य के अस्पतालों में चिकित्सा सेवाओं को बाधित किया है. इन संस्थानों में निर्धारित सर्जरी और नियमित उपचार स्थगित कर दिए गए हैं.

आरजी कर मेडिकल कॉलेज के जूनियर डॉक्टरों की शिकायतों के कारण यह हड़ताल शुरू हुई. आरजी कर मेडिकल कॉलेज के जूनियर डॉक्टर पिछले १० दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं. वह कॉलेज परिसर में अपने सहकर्मी के साथ हुए क्रूर बलात्कार के मामले में न्याय की मांग कर रहे है. इसके अलावा, डॉक्टर अस्पताल के सुरक्षा उपायों में सुधार की कमी से असंतुष्ट हैं.

डॉक्टरों की हड़ताल के कारण स्थिति और भी गंभीर हो गई है, क्योंकि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में पिछले १० दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे जूनियर डॉक्टरों की तबीयत बिगड़ गई है. कई हड़ताली डॉक्टरों ने इस्तीफा दे दिया है, लेकिन पश्चिम बंगाल की ममता सरकार की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है. एकजुटता दिखाते हुए बिहार में आईएमए ने घोषणा की है कि उनका जूनियर डॉक्टर नेटवर्क और मेडिकल स्टूडेंट नेटवर्क कोलकाता के डॉक्टरों के आंदोलन का समर्थन कर रहा है.

गाजियाबाद विस उपचुनाव का ऐलान

लखनऊ (एर्जेंसी): गाजियाबाद विधानसभा सीट उन ९ विधानसभा क्षेत्रों में से एक है, जहां उपचुनाव की घोषणा चुनाव आयोग ने की है. यहां १३ नवंबर को मतदान और २३ नवंबर को मतगणना होगी. यह सीट यहां से बीजेपी विधायक अतुल गर्ग के सांसद बनने के बाद खाली हुई है. इस सीट पर २० साल पहले उपचुनाव हुआ इस विधानसभा सीट से ६३,२५६ वोट की लीड ही ले पाए यानी यहां जीत का अंतर कम हुआ है. यहां कुल वोट करीब २ लाख २७ हजार पड़े. जिसमें अतुल गर्ग को १ लाख ३७ हजार वोट मिले जबकि कांग्रेस की डॉली शर्मा को करीब ७४ हजार मत मिले. हालांकि फिर भी इसको बीजेपी की सेफ सीट में गिना जाता है लेकिन सपा और कांग्रेस के साथ

था. दिलचस्प बात यह है कि तब भी यहां के विधायक चुनाव जीतकर सांसद बने थे, उपचुनाव हुआ तो समाजवादी पार्टी प्रत्याशी ने परचम लहराया. वही एक मौका था जब इस सीट पर साइकिल चली थी, २००४ से पहले और उसके बाद अब तक यहां सपा की जीत का सूखा बरकरार है.

गाजियाबाद विधानसभा सीट पर २०१७ से बीजेपी का कब्जा बरकरार है. २०१७ और २०२२ विधानसभा चुनाव में यहां से बीजेपी उम्मीदवार अतुल गर्ग जीते थे. बीजेपी के सामने जीत की हैट्रिक लगाने की चुनौती होगी तो सपा-बसपा उपचुनाव में परिणाम बदलने की कोशिश करेंगे, ऐसे में चुनाव रोमांचक होने की उम्मीद है. २०२२ विधानसभा चुनाव में अतुल गर्ग ने यहां से करीब एक लाख वोटों से जीत दर्ज की थी लेकिन लोकसभा चुनाव में अतुल गर्ग आने से उपचुनाव में रोचक लड़ाई देखने को मिल सकती है.

गाजियाबाद विधानसभा सीट पर १९९१ के बाद ज्यादातर बीजेपी का कब्जा रहा है. २००२ में यहां कांग्रेस के सिंबल पर प्रकाश गोयल विधायक बने थे जबकि २००४ में सपा उम्मीदवार सुरेंद्र कुमार मुन्नी ने जीत दर्ज की थी. गाजियाबाद विधानसभा सीट पर वैश्य, एससी वोटर निर्णायक भूमिका में हैं. इसलिए ज्यादातर पार्टियां इन्हीं पर दांव लगाती हैं.

२००४ में इस सीट पर हुए उपचुनाव में समाजवादी पार्टी ने जीत दर्ज की थी. सपा उम्मीदवार सुर्रेद्र कुमार मुन्नी ने करीब १२ हजार वोटों से कांग्रेस उम्मीदवार को हराया था. सपा प्रत्याशी को करीब ६४ हजार, कांग्रेस उम्मीदवार को ५२ हजार ७००, भाजपा उम्मीदवार सुनीता दयाल को ४४ हजार और बसपा के मुनीश वर्मा को ४२ हजार वोट मिले थे.

छात्रा ने स्कूल टीचर पर लगाया छेड़खानी का आरोप, आरोपी सस्पेंड

मुजफ्फरनगर (ईएमएस): उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले से एक शर्मनाक घटना सामने आई है। यहां के एक गांव में प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक प्रदीप कुमार पर छात्राओं के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगा है। छात्राओं ने इस घटना की जानकारी अपने परिजन से की। इसके बाद गुस्साए परिजन ने स्कूल प्रशासन से इसकी शिकायत की। इसके बाद आरोपी टीचर के खिलाफ ऐक्शन लेते हुए उसे सस्पेंड कर दिया गया है। इस पूरे प्रकरण की जांच के लिए मुजफ्फरनगर के एक बेसिक शिक्षा अधिकारी ने ३ सदस्यीय टीम का गठन कर दिया है। उनका कहना है कि मामले में जो भी फैक्ट्स सामने आएंगे, उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। अधिकारी ने बताया कि जैसे ही उनके संज्ञान में मामला आया उन्होंने ऐक्शन लिया। दरअसल इस मामले में सातवीं क्लास में पढ़ने वाली छात्रा ने बताया कि प्रदीप सर ने उसका हाथ पकड़ लिया और फिर आई लव यू कहा था।

उपद्रवियों के निशाने पर धार्मिक स्थल, आग लगाने का प्रयास

बहराइच (ईएमएस): उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में रविवार को शुरू हुई साम्प्रदायिक हिंसा अभी थमने का नाम नहीं ले रही है। बीती रात एक बार फिर हिंसा भड़की और इस बार धार्मिक स्थल को निशाना बनाया गया और आगजनी की कोशिश की गई है।

बहराइच में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुई झड़प के बाद इलाके में हिंसा भड़की थी, जिसमें ०१ व्यक्ति की मौत हुई और कई लोग घायल हो गए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया, लेकिन सोमवार रात एक बार फिर से हिंसा की खबरें सामने आईं हैं। उपद्रवियों ने एक धार्मिक स्थल पर हमला किया और वहां आग लगाने की कोशिश की है। जानकारी अनुसार नकवा गांव में सोमवार रात को करीब १५ उपद्रवियों ने एक मजार पर हमला किया और तोड़फोड़ करने के साथ ही आग लगाने की कोशिश की है। घटना स्थल

पर पहुंची पुलिस ने हालात को संभाला और उपद्रवियों को भागने पर मजबूर किया। इस घटना के बाद से इलाके में तनाव और बढ़ गया है। पुलिस और पीएसी के जवानों को गांव में तैनात किया गया है, और स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

हिंसा की शुरुआत रविवार शाम करीब ६ बजे हुई, जब दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान दो समुदायों के बीच विवाद हुआ। विवाद ने जल्द ही हिंसक रूप ले लिया और पत्थरबाजी और फायरिंग में राम गोपाल मिश्र नामक युवक की मौत हो गई। इसके बाद से इलाके में लगातार हिंसा जारी है। उपद्रवियों ने सोमवार को कई दुकानों, अस्पतालों और घरों को आग के हवाले कर दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर सख्त रुख अपनाते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कानून व्यवस्था को बहाल करने के लिए एडीजी कानून व्यवस्था अमिताभ यश को बहराइच भेजा। अमिताभ यश ने हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। सोमवार को रमपुरवा चौकी पर एक आक्रोशित भीड़ ने एडीजी के सामने तोड़फोड़ की, जिसे उन्होंने खुद मौके पर मौजूद रहकर नियंत्रित किया।

एक अजीब बुखार ने डॉक्टरों को कर दिया हैरान

पटना (ईएमएस) : बिहार की राजधानी पटना में एक अजीब बुखार ने दस्तक दी है जिसको लेकर डॉक्टरों भी हैरान है। इस बुखार में मरीजों के पैरों में इतना दर्द होता है कि उन्हें चलने में भी दिक्कत का सामना करना होता है। इसीलिए लोग इसे लंगड़ा बुखार कह रहे है।

यह बुखार पटना के कई इलाकों में फैल गया है, खासकर उन इलाकों में जहां पहले डेंगू के मरीज मिले थे। जानकारी के अनुसार लोहानीपुर, कदमकुआं, भूतनाथ रोड, चित्रगुप्तनगर, कांटी फैट्री रोड, अशोकनगर, न्यू पाटलिपुत्र कॉलोनी, दीघा, सिपारा, जयप्रकाशनगर और पीसी कॉलोनी जैसे इलाके इससे प्रभावित हैं। अस्पतालों में आने वाले २० से २५ प्रतिशत बुखार के मरीजों में इस नए बुखार के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। इस बुखार में तेज बुखार के साथ पैरों में तेज दर्द होता है। एड़ियों और घुटनों में सूजन भी हो जाती है। मरीज को चलने में बहुत तकलीफ होती है। हैरानी की बात यह है कि जांच करने पर न तो डेंगू निकल रहा है और न ही चिकनगुनिया।

डॉक्टरों की माने तो इस बार बुखार के मरीजों में अलग तरह के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। जांच में ना तो डेंगू, ना चिकनगुनिया और ना ही टायफाइड निकल रहा है। लेकिन बहुत तेज बुखार के साथ पीड़ितों के पैरों में तेज दर्द, एड़ियों और घुटनों के आसपास सूजन के लक्षण मिल रहे हैं। पटना के कई मोहल्ले से ऐसे दर्जनों मामले आ रहे हैं। लोगों को चलने में भी परेशानी हो रही है। डॉक्टर इसे लंगड़ा बुखार इसलिए कह रहे हैं क्योंकि इसमें मरीज को चलने में बहुत परेशानी होती है, जैसे कि वह लंगड़ा गया हो।

हेमंत सरकार ने ऐसा दीपावली बम फोड़ा कि भाजपा की गोगो योजना चारों खाने हुई चित्त : कांग्रेस

मंईयां सम्मान योजना की राशि 1000 से बढ़कर 2500 हुई 0 भाजपा की झूठी गोगो दीदी योजना पर भारी पड़ी मंईयां सम्मान योजना

रांची (एजेंसी): भाजपा के ताबड़तोड़ प्रहार और हताशा को नजरअंदाज कर झारखंड की इंडिया गठबंधन सरकार ने दीपावली के पूर्व ही ऐसा बम फोड़ा है कि भाजपा की गोगो दीदी योजना चारों खाने चित्त हो गयी.

हेमंत सोरेन सरकार ने दिसंबर से मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत मिलने वाली राशि को १००० से बढ़ाकर २५०० कर दी है. उक्त बातें झारखंड प्रदेश कांग्रेस मीडिया कमेटी के अध्यक्ष सतीश कुमार मुंजनी ने कही.

भाजपा गोगो योजना से नहीं सकी तो ईडी का ले रही सहारा

सतीश कुमार मुंजनी ने कहा कि भाजपा ऐन केन प्रकरेण कर झारखंड की सत्ता पर कब्जा करना चाहती है. इसके लिए वह ईडी का सहारा लेती है. भाजपा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन में शामिल विभिन्न दलों के नेताओं के घर पर ईडी रेड करवाती है.

इसका ताजा उदाहरण झारखंड सरकार के मंत्री मिथिलेश ठाकुर के भाई विनय कुमार ठाकुर, आईएएस मनीष रंजन सहित विभाग के कई लोगों के १८ ठिकानों पर की गयी छापेमारी है. कहा कि झारखंड की जनता सारी चीजों को समझती है.

पूर्व के चुनाव और उपचुनाव में जिस तरह गठबंधन ने भाजपा को धूल चटाई है. आसन्न झारखंड विधानसभा चुनाव में उनका यही हश्र होने वाला है. मुंजनी ने कहा कि इस बार मतदाता किसी के बहकावे में नहीं आने वाली है.

झामुमो ने मंईयां सम्मान की राशि बढ़ने पर निकाला विजय जुलूस

रांची (एजेंसी): मंईयां सम्मान योजना को एक हजार रूपए से बढ़ाकर २५०० रूपए करने की खुशी में झामुमो ने विजय जुलूस निकाला. राजधानी में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और झारखंड सरकार का आभार प्रकट करते हुए जिला स्कूल से अलबर्ट एक्का चौक तक विजय जुलूस निकाल कर हेमंत सरकार को धन्यवाद और आभार व्यक्त किया.

इस अवसर पर झामुमो रांची जिलाध्यक्ष मुस्ताक आलम ने कहा कि यह योजना मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दृढ़ संकल्प का परिणाम है.

उन्होंने यहां की बेटियां, बहनों और महिलाओं के लिए बहुत ही संवेदनशील होकर सोचा और उन्हें मुख्य धारा से जुड़ने के लिए २५०० रुपए की सम्मान राशि की योजना देने का काम किया.

मंईयां सम्मान योजना की तीन किस्त राज्य की ५२ लाख से भी अधिक महिलाओं के खाते में जा चुकी है और इसी दिशा में उन्हें सशक्त करने के लिए २५०० की सम्मान राशि महिलाओं को दी जाएगी.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जो कहते हैं वो करते हैं, भाजपा की तरफ फर्जी घोषणा और योजना नहीं लाते. समनूर मंसूरी, अश्विनी शर्मा, जनक नायक, बीरू साहू, कलाम आजाद, रामानंद बैदिया,डॉ हेमलाल कुमार मेहता, नयन तारा उरांव, राखी देवी, अंशु लकड़ा, उषा उरांव, संध्या गुड़िया, सुषमा बरदेवा, राधा हेंब्रम, पुष्पा बरदेवा, फरीद खान, सबीबुल रहमान, परवेज़ आलम गुड्डू, विलयम रिचर्ड लकड़ा आदि उपस्थित थे.

जूनियर डॉक्टर्स की भूख हड़ताल खत्म, काम पर लौटे

रांची (एजेंसी): कोलकाता की घटना को लेकर जहां एक तरफ कोलकाता में डॉक्टरों का आंदोलन २ महीने से जारी है. वहीं करीब २०० घंटे से सभी डॉक्टर भूख हड़ताल पर हैं. वहीं अब इस आंदोलन ने जोर पकड़ लिया है. मंगलवार से आईएमए, जेडीएन और एफएआईएमए के आह्वान पर डॉक्टरों ने राष्ट्रव्यापी आंदोलन की शुरुआत की है. इस आंदोलन का समर्थन रिम्स के जूनियर डॉक्टरों ने भी किया. मंगलवार सुबह ६:०० बजे से शाम ६:०० बजे तक के लिए भूख हड़ताल की थी. लेकिन जेडीए रिम्स ने झारखंड में घोषित होने वाले आदर्श आचार संहिता को लेकर डब्ल्यूजीडीएफ (आरजी कार मामले के लिए) के साथ एकजुटता में आईएमए (जेडीएन और एमएसएन) और एफएआईएमए द्वारा संयुक्त रूप से एक दिवसीय भूख हड़ताल वापस ले लिया है.

जैप-1 में 19 वीं झारखंड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट का हुआ उद्घाटन

रांची (एजेंसी): डोरंडा स्थित जैप १ में मंगलवार को १९ वीं झारखंड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट का उद्घाटन हुआ है. सीआईडी के द्वारा आयोजित कराए जा रहे ड्यूटी मीट का गृह सचिव वंदना दादेल और डीजीपी अनुराग गुप्ता ने उद्घाटन किया.

चार दिन तक चलने वाले पुलिस ड्यूटी मीट में इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर के लिए विधि विज्ञान परीक्षा (लिखित), मेडिको लीगल परीक्षा, पुलिस फोटोग्राफी, क्राइम इन्वेस्टीगेशन लॉ रूल्स और कोर्ट जजमेंट, विज्ञान प्रायोगिक और मौखिक परीक्षा होगी.

इस चार दिवसीय राज्य स्तरीय पुलिस ड्यूटी मीट में दक्षिणी छोटानागपुर क्षेत्र, रांची, कोयला क्षेत्र, बोकारो, संथाल परगना क्षेत्र, दुमका, उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्र, हजारीबाग, पलामू क्षेत्र, डालटनगंज, कोल्हान क्षेत्र, चाईबासा और अपराध अनुसंधान विभाग सहित ध्यान दस्ता की टीमें भाग ले रही है. परीक्षा के बाद परीक्षक मंडल द्वारा सभी विषयों पर उत्कृष्ट प्रतिभागियों का चयन कर एक राज्य स्तरीय टीम का गठन किया जाएगा.

चयनित टीम जनवरी में रांची में ही होने वाली ६८ वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट में झारखंड पुलिस का प्रतिनिधित्व करेगी.

इस मौके पर डीजी आरके मल्लिक,मुरारी लाल मीणा, एडीजी संजय आनंद लाठकर, प्रिया दुबे, आईजी असीम विक्रांत मिंज, एसपी चंदन झा, राकेश रंजन शामिल हुए.

विधानसभा चुनाव के लिए पूर्वी सिंहभूम में 1145 भवनों में बनाए गए 1913 मतदान केंद्र

जिला निर्वाचन पदाधिकारी व एसएसपी ने दी तैयारियों व गतिविधियों की जानकारी

जमशेदपुर (एजेंसी): चुनाव की घोषणा के साथ ही पूर्वी सिंहभूम जिले में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है. पूर्वी सिंहभूम जिले में पहले चरण १३ नवंबर को मतदान होना है. समाहरणालय सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल एवं वरीय पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल ने तैयारियों एवं निर्वाचन के संबंध में जिला प्रशासन की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी. बताया कि जिले के ११४५ भवनों में कुल १९१३ मतदान केंद्र बनाए गए हैं. इसके अलावा कुल १८,७३,५८९ वोटर्स हैं जिनमें ९,३३,६८२ पुरुष और ९,३९,७४२ महिला वोटर्स हैं. वहीं १६३ थर्ड जेंडर मतदाता इस बार मतदान करेंगे. सर्विस वोटर्स की संख्या २०४५ है.

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि जिले में ८५ वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं की संख्या ६७४२ है, विभिन्न श्रेणी के दिव्यांग वोटर की संख्या १५९४५, आयुवार १८-१९ वर्ष के मतदाताओं की संख्या ८३७५०, २०-२९ आयु वर्ग में ३९५१०६, ३०-३९ आयु वर्ग में ५०२४५१ मतदाता और ३९-४९ आयु वर्ग में ३७८८८४, ५०-५९ आयु वर्ग में २६६५१४ मतदाता, ६०-६९ आयु वर्ग में १५८३५० मतदाता तथा ७०-७९ आयु वर्ग में ६९५३५, ८०-८९ आयु वर्ग में १६९३५ तथा ९०-९९ में २०२५ मतदाता और १००-१०९ आयु वर्ग में ३७, ११०-११९ आयु वर्ग में एक एवं १२० वर्ष से अधिक आयु वर्ग में एक मतदाता शामिल हैं. निर्वाचन आयोग की पहल पर इस बार भी होम वोटिंग की सुविधा दी जाएगी. इसके लिए सर्वे का कार्य बीएलओ द्वारा कराया जा रहा है. विधि व्यवस्था संधारण एवं चुनाव पर्यवेक्षण हेतु १८ एफएसटी, २१ एसएसटी, ०६ वीवीटी, १४ वीएसटी, ०६ एटी, २३३ सेक्टर पदाधिकारी, १४ एमसीसी के अलावा ९१८२ मतदान कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी.

वरीय पुलिस अधीक्षक ने बताया कि चुनाव के पारदर्शी, स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के मद्देनजर अंतरराज्यीय व अंतरजिला चेकनाका पर सघन निगरानी और चेकिंग बढ़ा दी गई है. असामाजिक तत्वों और चुनाव को प्रभावित करने वाले आपराधिक तत्वों के विरुद्ध अभियान जारी है.

लाइसेंसी हथियार का सत्यापन थाना स्तर से कराने का निर्देश सभी थाना प्रभारी को दिया गया है. सुरक्षा एवं विधि व्यवस्था संधारण को लेकर जिले में पर्याप्त संख्या में अर्धसैनिक बल और पुलिस बल की तैनाती रहेगी.

सभी यूनिवर्सिटी के वीसी-रजिस्ट्रार 22 को सशरीर हों उपस्थित : हाईकोर्ट

गंची (एजेंसी): झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य के सभी यूनिवर्सिटी के वीसी और रजिस्ट्रार हाईकोर्ट के समक्ष २२ अक्टूबर को सशरीर उपस्थित होने का निर्देश दिया है. घंटी आधारित शिक्षक प्रसिला सोरेन की याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने यह निर्देश दिया है.

हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस डॉ एस एन पाठक की कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई. सोमवार को प्रार्थी की ओर से कोर्ट में कहा गया कि राज्य के सभी यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में घंटी आधारित शिक्षकों की एडहॉक नियुक्ति की जाती है. पूर्व में हाईकोर्ट ने कहा था कि ऐसी नियुक्ति नहीं की जानी चाहिए.

जिसपर अदालत ने कहा कि घंटी आधारित शिक्षकों को नियमित शिक्षकों की तुलना में कम वेतन मिलता है और इससे शिक्षा की गुणवत्ता पर भी असर पड़ता है. इसका असर यह भी होता है कि राज्य के छात्रों और शिक्षकों का पलायन दूसरे राज्यों में होता है.

वहीं अदालत ने गझडउ से पूछा है कि शिक्षकों के कितने पद खाली हैं, कितने पद भरने के लिए गझडउ ने पहल की है. इस मामले में प्रार्थी की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार और अधिवक्ता अपराजिता भारद्वाज ने बहस की.

वरुण रंजन बने रांची के नए डीसी, पदभार ग्रहण किया

गंची (एजेंसी): रांची डीसी को बदल दिया गया है. वरुण रंजन रांची के नए डीसी बनाये गये हैं. कुछ दिन पहले ही राहुल सिन्हा को हटाकर मंजूनाथ भजंत्री को रांची डीसी बनाया गया था. लेकिन आज उन्हें भी हटाकर वरुण रंजन को रांची डीसी बनाया गया है.रांची के नये डीसी वरुण रंजन ने मंगलवार को पदभार ग्रहण किया. उन्होंने निवर्तमान उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री से पदभार लिया. वरुण रंजन २०१४ बैच के आईएएस अधिकारी हैं.यहां बता दें कि वरूण रंजन इससे पहले धनबाद के डीसी थे, लेकिन पीएम के कार्यक्रम में डंपूटी कोताही बरतने पर उन्हें हटा दिया गया था.

रांची डीसी के पद पर पदस्थापित होने के कुछ दिन बाद चुनाव आयोग ने मंजूनाथ भजंत्री को डीसी बनाए जाने पर आपत्ति जताई थी. कम्मिक द्वारा जारी आदेश के अनुसार अब मंजूनाथ भजंत्री को जेएसएलपीएस के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी की जिम्मेवारी सौंपी गई है.

पृष्ठ एक का शेषांश

एग्जिट पोल पर नजर रखने वाली---

वोटों की काउंटिंग का समय ८ बजे शुरू होता है। शुरुआत में पोस्टल बैलेट गिने जाते हैं। लेकिन चैनलों पर ८ बजकर ५ मिनट से ही रिजल्ट आने लगते हैं। यह बिल्कुल बकवास है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने साफ किया, वोटों की पहले राउंड की काउंटिंग सुबह ८:३० बजे शुरू होती है। लेकिन हमारे पास सबूत हैं कि चैनलों पर ८:१५ पर ही लीड बताई जाने लगती है। चुनाव आयोग पहले राउंड की वोटिंग का ट्रेंड सुबह ९।३० बजे वेबसाइट पर डालता है। वास्तविक नतीजे जब ट्रेंड से मेल नहीं खाते, तो बात गंभीर हो जाती है। इस मामले में बेशक हमारे हाथ बंधे हैं, लेकिन हमें सेल्फ करेक्शन की उम्मीद है।

कनाडा से लौट रहे---

किया है। एसएफजे का आरोप है कि वर्मा का निज्जर की हत्या में कथित तौर पर हाथ था और संगठन लगातार कनाडा के प्रधानमंत्री को मामले की जांच के लिए पत्र लिखता रहा है। सूत्रों के अनुसार, भारत सरकार खालिस्तानी गतिविधियों से जुड़े भारतीय मूल के कनाडाई नागरिकों के ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्ड पर सख्त कार्रवाई करने की योजना बना रही है। हालांकि, वीजा जारी करने पर रोक लगाने की संभावना नहीं है, जैसा कि पिछले साल प्रधानमंत्री ट्रूडो के बयान के बाद हुआ था।

मैक्सिको और अमेरिका की---

वित्त मंत्री अमेरिका में कई देशों के साथ द्विपक्षीय बैठकों में हिस्सा लेंगी। एक उच्च-स्तरीय कार्यक्रम में, वह विश्व बैंक समूह की चर्चा में भाग लेंगी, जिसका शीर्षक विचार से कार्यान्वयन तक: विकास में तेजी लाने के लिए नए वित्तीय समाधान होगा।

भारत में 4 विमानों को बम से---

को दिल्ली से शिकागो जा रहे विमान एआई १२७ को ऑनलाइन पोस्ट की गई सुरक्षा धमकी के बाद एहतियात के तौर पर कनाडा के इकालुइट एयरपोर्ट पर उतारा गया. बयान में कहा गया, "निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुसार विमान और यात्रियों की फिर से जांच की गयी. एअर इंडिया ने यात्रियों की यात्रा फिर से शुरू होने तक उनकी सहायता के लिए हवाई अड्डे पर एजेंसियों को सक्रिय कर दिया गया. अधिकारियों के मुताबिक, दमाम से लखनऊ जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट को बम की धमकी मिलने के बाद जयपुर डायवर्ट किया गया. बम की धमकी के बाद फ्लाइट की आपात लैंडिंग कराई गई है. इसके बाद विमान को अलग रखा गया और इसकी गहन जांच की गयी. वहीं दरभंगा-मुंबई स्पाइसजेट विमान में बम की धमकी मिली, जिसके बाद विमान को उतारा गया. साथ ही बेंगलुरु से सिलीगुड़ी जा रहे अकासा एयरलाइन के विमान को भी धमकी मिली. इन विमानों को उतारा गया. एअर इंडिया एक्सप्रेस के एक विमान की भी उत्तर प्रदेश के अयोध्या एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग कराई गई. विमान जयपुर से आ रहा था. वहीं सोमवार को बम की धमकी के बाद मुंबई से न्यूयॉर्क जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट को दिल्ली डायवर्ट किया गया था. मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए विमान का गहन निरीक्षण किया गया. हालांकि इस दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली थी.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने---

कि चाहे वह साधारण परिस्थिति हो या फिर असाधारण परिस्थिति, हर स्थिति में किसी भी कमांड सेंटर का उससे जुड़े हुए सभी लोगों के बीच सूचना के निर्बाध प्रवाह जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह एक सुखद संयोग है कि मंगलवार को भारत के पूर्व राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम की जन्म जयंती भी है। डॉ. कलाम ने भारत के रक्षा सेक्टर में जो महान योगदान किया है, उस योगदान को लंबे समय तक याद किया जाएगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि इतिहास गवाह है, कि जिस भी देश ने दुनिया में अपनी विशेष पहचान बनाई, जो शक्तिशाली बने, उन्होंने एक समय में समुद्र पर हावी होना जरूर किया। फ्रांसीसियों, पुर्तगालियों और अंग्रेजों ने समुद्र में अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई। इस रणनीतिक प्रभुत्व, तथा, संसाधनों की प्रतिस्पर्धा में, अगर भारत को अपना ब्याज सुरक्षित करना है, तब हमारे पास प्लेटफार्म और उपकरण का होना जरूरी है ही, उसके साथ-साथ एक संचार प्रणाली का मजबूत होना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार नौसेना को, लगातार और भी ज्यादा मजबूत बनाने के लिए दिन-रात काम में लगी हुई है, तथा उसके लिए जो भी आवश्यक कदम है, वह उठाने के लिए भी तैयार है। उन्होंने कहा कि जहाँ तक इस प्रोजेक्ट की बात है, तब चाहे इसके निर्माण की बात हो, या फिर प्रोजेक्ट के निर्माण के बाद, इसके प्रोजेक्ट की बात हो, हर क्षेत्र में पर्यावरणीय स्थितियाँ का पूरा ध्यान रखा गया है।

हरियाणा में भाजपा बनाएगी---

नेता की लॉटरी खुलना तय माना जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव प्रचार के दौरान दलित नेता शैलजा को आधार बनाकर दलित राजनीति हरियाणा में की थी। भारतीय जनता पार्टी ने मनोहर लाल खट्टर जो पंजाबी समुदाय से आते हैं। वह लगभग साढ़े ९ साल हरियाणा के मुख्यमंत्री रह चुके हैं।पिछड़ा वर्ग से नायब सिंह सैनी को भी मुख्यमंत्री बनाया जा चुका है। जिस तरह से भाजपा के अंदर से बगावत देखने को मिल रही है। ऐसी स्थिति में भाजपा हाईकमान भाजपा की बगावत को रोकने और दलित समुदाय को रिझाने के लिए दलित को मुख्यमंत्री बनना चाहती है। हाई कमान के इशारे पर किशन लाल पवार ने राज्यसभा से इस्तीफा दिया है। जो स्वीकार भी हो चुका है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में विधायकों की रायसुमारी के लिए चंडीगढ़ पहुंचेंगे। दिल्ली से जो खबरें निकल कर आ रही है। इस बार बीजेपी दलित मुख्यमंत्री बनाकर हरियाणा के साथ-साथ महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव को भी साधने की कोशिश करेगी। बीजेपी हरियाणा की बगावत पर कृष्ण कुमार के जरिए लगाम लगाएगी। विधायक दल की बैठक में दलित नेता कृष्ण पवार के नाम की पर्ची निकालना तय माना जा रहा है।

बीएसएफ के 373 नवआरक्षकों ने ली देश सेवा की शपथ

हजारीबाग (एजेंसी): सीमा सुरक्षा बल प्रशिक्षण केंद्र से हजारीबाग की देशभर में पहचान है. यहां विदेशों से भी सेना के पदाधिकारी और जवान ट्रेनिंग लेते हैं. मंगलवार को ३७३ नवआरक्षकों ने ट्रेनिंग पूरी कर दीक्षांत परेड में शामिल हुए. अब ये जवान देश सुरक्षा में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे. बता दें कि हजारीबाग के बीएसएफ प्रशिक्षण केंद्र एवं स्कूल के रानी लक्ष्मीबाई परेड ग्राउंड में मंगलवार को दीक्षांत परेड समारोह का आयोजन किया गया. समारोह में कुल ३७३ नवआरक्षकों ने देश सेवा की शपथ ली.

इस दौरान भव्य पारंपरिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया एवं भारत माता की जय के नारे के साथ नवआरक्षकों ने देश की अखंडता, एकता के लिए तिरंगे के नीचे शपथ ली. ४४ सप्ताह के कठिन परिश्रम, लगन के साथ नवआरक्षकों ने चुनियादी प्रशिक्षण पूरा किया. दीक्षांत परेड में बैंड की धुन पर कदम से कदम ताल मिलाकर जवानों ने परेड किया. वहीं दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में महानिरीक्षक केएस बनियाल ने सलामी ली और परेड का निरीक्षण किया. इस मौके पर हजारीबाग और आसपास के कई गणमान्य लोग भी उपस्थित हुए और परेड का आनंद उठाया.

इस मौके पर महानिरीक्षक केएस बनियाल ने नवआरक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि आज इस दीक्षांत परेड के बाद औपचारिक तौर पर सीमा सुरक्षा बल जो भारत की प्रथम रक्षा पंक्ति है उसके सदस्य बन गए हैं. बीएसएफ में कर्तव्य निर्वहन के लिए प्रथम कदम रखने जा रहे हैं. उन्होंने नवआरक्षकों के माता-पिता को बधाई देते हुए कहा कि आपने सपूतों को सीमा सुरक्षा बल में भेजकर जो महत्वपूर्ण योगदान दिया है इसे कभी भुला नहीं जा सकता है.

४४ सप्ताह के प्रशिक्षण में देश के कोने-कोने से नवआरक्षक शामिल हुए. जिसमें पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु सहित कई राज्यों से जवान पहुंचे थे. प्रशिक्षण के बाद सभी जवान अब बीएसएफ के अंग बन पाए हैं. प्रशिक्षण के दौरान जवानों को हथियार चलाना, विभिन्न कानून की जानकारी, अंतरराष्ट्रीय कानून की जानकारी, मानवाधिकार, आतंकवाद, उग्रवाद से निपटने का भी प्रशिक्षण दिया गया. इसके अलावे खेलकूद और सामाजिक गतिविधि में हिस्सा लेने की भी इन्हें प्रशिक्षण दिया गया.

कुव्यवस्था हारेगी, जनता विजयी होगी : सुदेश महतो

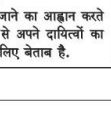

गंची (एजेंसी): चुनाव आयोग द्वारा झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किए जाने पर आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा कि यह चुनाव कुशासन के खिलाफ एक लड़ाई है, जिसे हमें जीतना है. कुव्यवस्था हारेगी, जनता विजयी होगी. उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को चुनाव की तैयारियों में जुट जाने का आह्वान करते हुए कहा कि पूरी सेवा, समर्पण और निष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करें. झारखंड की जनता बदलाव के लिए बेताब है.

भारत कोकिंग कोल लिमिटेड
(एक मिनीरत्न कम्पनी)
(कोल इण्डिया लिमिटेड की एक अंग)

सूचना

गुड्स, वर्क्स तथा सर्विसेज के प्रोक्योरमेण्ट के लिए भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) द्वारा जारी सभी निविदायें* बीसीसीएल के वेबसाईट www.bcclweb.in, कोल इण्डिया लिमिटेड (सीआईएल) ई-प्रोक्योरमेण्ट पोर्टल https://coalindiatenders.nic.in तथा सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेण्ट पोर्टल https://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त प्रोक्योरमेण्ट GeM पोर्टल https://gem.gov.in द्वारा भी की जायेगी।

* सीआईएल के ई-प्राक्योरमेण्ट पोर्टल के द्वारा जारी सभी ओपन (डोमेस्टिक/ग्लोबल) निविदाओं पर यह लागू है।

संपादकीय | डिजिटलाइज्ड होने के बावजूद भी हो रहे रेल हादसे

तमाम कोशिशों के बावजूद रेल हादसे रुकने का नाम नहीं ले रहे। हर हादसे के बाद खामियों को दुरुस्त कर लेने के वादे और इरादे दोहराए जाते हैं, मगर फिर वही ढाक के तीन पात निकल आते हैं। शुक्रवार की शाम चेन्नई से दरभंगा जा रही बागमती एक्सप्रेस कवरैप्पेटूटै स्टेशन पर खड़ी माल गाड़ी से टकरा गई। टकराने से गाड़ी के एक डिब्बे में आग लग गई और करीब पांच डिब्बे पटरी से उतर गए। बीती जून में पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में कंचनजंघा एक्सप्रेस भी इसी तरह मालगाड़ी से टकरा गई थी, जिसमें लोकोपायलट समेत दस लोगों की मौत हो गई थी। उसके कुछ दिनों बाद ही जुलाई में चंडीगढ़ से डिब्रूगढ़ जा रही गाड़ी उत्तर प्रदेश के गोंडा में पटरी से उतर गई थी, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और सात लोग घायल हुए थे।

पिछले एक साल में ही ओड़ीशा के बालासोर के बाद अब तक करीब आठ बड़ी रेल दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। हर हादसे के बाद रेलमंत्री चिंता जताते, मृतकों और घायलों के लिए मुआवजे की घोषणा करते और जल्दी ही रेल दुर्घटनाओं पर काबू पा लेने का रटा-रटाया संकल्प दोहराते देखे गए। विचित्र है कि एक तरफ तो तेज रफ्तार गाड़ियां चलाने का खाका खींचा जाता है, वंदे भारत जैसी गाड़ियों की संख्या बढ़ाई जा रही है, स्टेशनों का रखरखाव निजी हाथों में सौंप कर यात्री सुविधाओं में बेहतरी का श्रेय लूटने की कोशिश की जाती है और दूसरी तरफ मुसाफिरों की सुरक्षा को लेकर जो उपाय किए जाने चाहिए, उसमें शिथिलता नजर आती है। जब भी कोई रेल हादसा होता है तो कवच नामक उपकरण की बात उठती है। सरकार ने खूब बढ़-चढ़ कर दावा किया

था कि कवच लग जाने के बाद गाड़ियों के टकराने और दुर्घटनाग्रस्त होने से निजात मिलेगी। मगर अभी तक इस दिशा में कोई उल्लेखनीय नतीजा सामने नहीं आ सका है। सरकार खुद मानती है कि कवच लगाने का काम धीमी गति से चल रहा है, उसे तेज किया जाएगा। आंकड़ों में रेल पटरियों के विस्तार, पुलों की मरम्मत और गाड़ियों की संख्या आदि बढ़ाने की मोहक सूचनाएं प्रसारित की जाती हैं, मगर हकीकत यही है कि रेलगाड़ी का सफर भरोसेमंद नहीं रह गया है। आखिर क्या वजह है कि एक ही पटरी पर दौड़ती हुई दो गाड़ियां परस्पर भिड़ जाती हैं या उसी पटरी पर खड़ी गाड़ी से आकर दूसरी गाड़ी टकरा जाती है। चेन्नई की घटना में बताया जा रहा है कि बागमती एक्सप्रेस लूप लाइन पर खड़ी मालगाड़ी से टकरा गई। आज जब रेल यातायात का संचालन कंप्यूटरीकृत हो गया है, पटरियां बदलने तक में कंप्यूटर प्रणाली का सहारा लिया जाने लगा है, तब कैसे लूप लाइन पर आकर कोई तेज रफ्तार गाड़ी वहां खड़ी गाड़ी से टकरा जाती है। तमाम हादसों में सिगनल प्रणाली में गड़बड़ी, पटरी बदलने में लापरवाही आदि कारण प्रमुख पाए गए हैं। गाड़ियों में टक्कररोधी उपकरण लग जाने भर से इन खामियों के ठीक हो जाने का दावा नहीं किया जा सकता। क्या वजह है कि जबसे तकनीकी संसाधनों का उपयोग बढ़ा है, हादसे भी बढ़े हैं, जबकि तकनीकी संसाधन रेल यातायात को सुगम और सफर को सुरक्षित बनाने के इरादे से इस्तेमाल किए जाते हैं। अगर रेल मंत्रालय सचमुच रेलवे को सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने को लेकर गंभीर होता, तो इस तरह मुसाफिरों की जान जोखिम में डाल कर गाड़ियां नहीं चलाई जातीं।

भ्रष्टाचार, अपराधीकरण और धनबल के जाल में फंस गई आज की राजनीति

देश की राजनीति को भ्रष्टाचार, अपराधीकरण और धनबल से मुक्त करने के लिए आमतौर पर सभी राजनीतिक दल आवाज उठाते हैं, चुनावों के दौरान अन्य दलों पर इसे बढ़ावा देने का आरोप लगाया जाता है। मगर हालत यह है कि शायद ही ऐसा कोई दल है, जो विधानसभा या लोकसभा के लिए उम्मीदवार तय करते हुए इस बात का खयाल रखना जरूरी समझे कि उससे राजनीति के अपराधीकरण, भ्रष्टाचार और धनबल को कितना बढ़ावा मिलेगा। आए दिन की रपटों में यह बताया जाता रहा है कि तमाम दावों के बावजूद राजनीतिक दलों ने आपराधिक पृष्ठभूमि वाले या करोड़पति लोगों को टिकट देने से कभी कोई परहेज नहीं किया, बल्कि ऐसे लोगों को काफी महत्त्व दिया, जिनके पास धनबल हो। हाल ही हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों की घोषणा के बाद आई एक रपट के मुताबिक, नई विधानसभा में विधायक बनने वालों में छियानबे फीसद करोड़पति हैं। इसके अलावा, उनमें तेरह फीसद विधायकों का आपराधिक अतीत है और कई पर गंभीर अपराध के मुकदमे चल रहे हैं। यह स्थिति तब है, जब पिछले कई वर्षों से देश भर में लगातार इसे लेकर राजनेता चिंता जताते दिखते और अपनी पार्टी के इस रोग से मुक्त होने का दावा करते हैं। सवाल है कि फिर चुनाव में किसी राजनीतिक पार्टी के टिकट पर जीत कर जनप्रतिनिधि बनने वाले वे कौन लोग हैं और उन्हें उम्मीदवार बनाते समय संबंधित पार्टी को उनकी पृष्ठभूमि पर गौर करना और उनसे बचना जरूरी क्यों नहीं लगा? ऐसा क्यों होता है कि सभी बड़े दल अपने प्रतिद्वंद्वियों पर राजनीति में धनबल, आपराधिक पृष्ठभूमि या भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करने वालों को बढ़ावा देने का मुद्दा उठाते हैं और उसी आधार पर जनता किसी खास पार्टी को अपना समर्थन भी देती है। मगर वे खुद दागियों को टिकट दे देते हैं। ईमानदारी और शुचिता के बजाय वैसे लोगों को तरजीह दिया जाता है, जिनके पास अथाह धन हो। ऐसे में आर्थिक रूप से साधारण हैसियत वाले ईमानदार लोग चुनाव में हिस्सा भी नहीं ले पाते। सवाल है कि राजनीतिक पार्टियों और उनके नेताओं के ऐसे दोहरे रवैये के रहते राजनीति और चुनावों में हिस्सेदारी को कितना लोकतांत्रिक बनाया जा सकेगा!

आज का कार्टून

हरियाणा की पिच पर अंपायर ने कर दिया कांग्रेस के साथ खेल

संघ प्रमुख का विजयादशमी उद्बोधन 2024- निहितार्थ

सामाजिक समरसता की घोर आवश्यकता पर बल देते हुए संघ प्रमुख ने कहा कि एक दूसरे के सामाजिक उत्सवों में सम्मिलित होने, सभी समाजों के महापुरुषों को राष्ट्रीय नायक मानने से, परस्पर आयोजनों-उत्सवों में सम्मिलित होने से, परस्पर मान्यताओं व श्रद्धा को अपना मानने से ही सामाजिक समरसता की स्थापना हो सकेगी। आज भारत में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का माप, ताप, व्याप, आलाप, अनुलाप इतना है कि संघ के विचार को विश्व के प्रमुख सत्ता केंद्र भी सुनना, समझना और मथना चाहते हैं। संघ क्या कह रहा है? उसकी योजना क्या है? उसका मंतव्य और गंतव्य क्या है? वर्ष भर में दो-तीन ही ऐसे अवसर होते हैं जिनसे यह समझने का प्रयास किया जा सकता है। इस दृष्टि से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर्वोच्च अधिकारी, सरसंघचालक जी का दशहरा उद्बोधन एक महत्वपूर्ण अवसर है।

प्रवीण गुगनानी

इस वर्ष विजयदशमी उत्सव में संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन राव जी भागवत के साथ भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. कोपिल्लिल राधाकृष्णन मुख्य अतिथि के रूप में थे।

राष्ट्र में मातृशक्ति की चैतन्यता, जागरण, उत्थान, विमर्श की दृष्टि से संघ लगभग प्रतिवर्ष किसी महत्वपूर्ण नारी व्यक्तित्व को लेकर समाज जागरण करता है। विगत वर्ष इस दृष्टि से हमारी जनजातीय नायक वीरांगना दुर्गावती पर संघ ने अपने वर्ष भर के महिला विमर्श के कार्यक्रमों को केंद्रित किया था। यह वर्ष देश की एक आध्यात्मिक किंतु सर्वोत्कृष्ट शासनकर्ता, लोकमाता, पुण्यश्लोक महारानी अहिल्याबाई का तीन सौवां जन्म जयंती वर्ष है। देश भर में होने वाले अपने कार्यक्रमों को अहिल्या बाई पर केंद्रित करने की दृष्टि से सरसंघचालक जी ने कहा- देवी अहिल्याबाई एक कुशल राज्य प्रशासक, प्रजाहितदक्ष कर्तव्यपरायण शासक, धर्म संस्कृति व देश की अभिमानी, शीलसंपन्नता का उत्तम आदर्श तथा रण-नीति की उत्कृष्ट समझ रखने वाली राज्यकर्ता थीं।

यह वर्ष भारत हेतु कुप्रथाओं, कुरीतियों से मुक्तिदाता दिलाने वाले आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती जी की 200 वीं जन्म जयन्ती वर्ष भी है। स्वामी दयानंद ने विदेशी आक्रमणों के कारण भारतीय समाज में आ गई सामाजिक व्याधियों का समुचित अध्ययन करके उनसे देश को मुक्ति दिलाने की दिशा में एक बड़ा आध्यात्मिक आंदोलन चलाया था। विदेशी आक्रांताओं के वैचारिक आक्रमण, उनके द्वारा हमारी शिक्षा पद्धति को नष्ट करना, शिक्षण संस्थानों का विध्वंस करना, मतांतरण के माध्यम से समाज को भ्रष्ट करना, समाज में षड्यंत्रपूर्वक जातिगत विभेद उत्पन्न करना जैसी समस्याओं के परिप्रेक्ष्य में हिंदू समाज आ गई बुराइयों का उन्मूलन एक बड़ा व महत्वपूर्ण कार्य था; यह कार्य स्वामी दयानंद सरस्वती ने किया।

संस्था चाहे कोई भी हो अपने आयोजनों में किसी अन्य संस्था के प्रसंगों को जोड़कर अपनी लाइन छोटी नहीं करना चाहती है। संघ इसके ठीक विपरीत है। संघ, हिंदू समाज के सभी गौरव बिंदुओं में स्वयं को विलीन कर देना चाहता है व इस अनुरूप ही आचरण भी करता है। संघ अपनी सौवीं जयंती में वर्ष भर, बंगाल की 'सत्संग' संस्था की सौंवीं जयंती को समूचे देश में अपने कार्यक्रमों, दैनिक स्मरण, आयोजनों, बैठकों, कार्यशालाओं में मनायेगा। 'सत्संग' की स्थापना प्रसिद्ध बंगाली महापुरुष अनुकूल चन्द्र ठाकुर ने की थी।

भारत के चारित्र्य मापदंडों को ऊँचा करने, साहित्यिक दृष्टि को विकसित करने, सांस्कृतिक अस्मिता को जीवित रखने, विदेशी आक्रांताओं के कारण समाज में आई ही बुराइयों से समाज को मुक्ति दिलाने में बंगाल का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कभी देश भर में 'भद्र बंगाल' माने जाने वाले बंगाल के वैचारिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, राजनैतिक, धार्मिक, आध्यात्मिक महापुरुषों का स्मरण करने से, समूचे देश के वैचारिक जागरण व पुनरुत्थान की दिशा हमें स्वमेव मिल जाती है। सरसंघचालक जी ने बंगाली नायक परमपुज्य श्री अनुकूल चन्द्र ठाकुर का स्मरण व कृतज्ञता ज्ञापन किया।

भारत के वन्य समाज व नागर समाज में कभी कोई भेद-विभेद नहीं रहा है। दोनों ही समाजों ने एक दूसरे के पूरक भाव से परस्पर आवश्यकताओं की पूर्ति, परस्पर सम्मान, परस्पर मेल-जोल को बनाये रखते हुए देश के चहुँमुखी विकास में अपनी भूमिका निभाई है। आज देश में चारों ओर 'दलित विमर्श' के नाम पर या जनजातीय हितों के नाम पर विदेशी शक्तियाँ समाज विभाजन का वातावरण उत्पन्न कर रहीं हैं। इन विदेशी विचारों को उत्तर देने हेतु हमारे समक्ष सबसे बड़ा नाम जनजातीय नायक, भगवान बिरसा मुंडा का है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इस सर्वोच्च मंच से भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती वर्ष को भी वर्ष भर उत्सवपूर्वक मनाने व उनके विचार को अपने वैचारिक प्रतिमानों में और अधिक सुसज्जित रूप से स्वीकार्य करने हेतु समाज के समक्ष आग्रह रखा गया है। भगवान बिरसा मुंडा से भी बड़ा उनका विचार था, जिसे उलगुलान के रूप में उन्होंने हमारे देश को दिया था। आज की आधुनिक परिस्थितियों के अनुरूप ही भगवान बिरसा के 'उलगुलान' को राष्ट्रीय नीतियों में स्थापित करके हम उनके इस 150 वीं जन्म जयंती को मनायेंगे, ऐसा संकल्प भी संघ के इस मंच से उद्घोषित हुआ। मंच से भारत में होने वाली अवैध घुसपैठ व उसके कारण उत्पन्न जनसंख्या असंतुलन, अवैध घुसपैठियों के संदर्भ में भी चिंता व्यक्त की गई व एक सुदृढ़ 'नागरिकता नियम' की आवश्यकता का भान देश को कराया गया।

तेज़ी से बदलते विमर्शों या नरेटिव्ज़ के वर्तमान विमर्श में अपने देशज विमर्श को 'डीप स्टेट', 'वोकिज्म' 'कल्चरल मार्क्सिस्ट' से बचाये रखने में आज की पीढ़ी की आवश्यकता की भी चर्चा की गई। व्यक्तव्य से यह तथ्य भी उभरा कि - समाज में जातिगत विघटन उत्पन्न करना, चिरंतन सामाजिक मूल्यों को ध्वस्त करना, श्रद्धा व आस्था को समाप्त करने वाले इन नये नरेटिव्ज़ को समाप्त करने में अपनी वैचारिक शक्ति को जागृत रहना होगा।

देश के बालवृंद, किशोरों व युवा पीढ़ी को परोसे जा रहे 'वैचारिक एसिड्स' की चर्चा भी हुई। मोहनराव जी ने कहा कि हमारा राष्ट्र मातृवत् परदारेषु के सुदृढ़ आचरण वाला एक सांस्कृतिक राष्ट्र रहा है। संस्कृत के इस सूक्त मातृवत् परदारेषु परद्रव्येषु लोष्ठवत्, आत्मवत् सर्वभूतेषु यः पश्यति सः पंडितः.का आशय है- जो व्यक्ति समाज में अपनी पत्नी को छोड़कर शेष नारी समाज को अपनी मां की तरह, दूसरे के धन को मिट्टी के समान, और सभी प्राणियों को अपने जैसा ही मूल्यवान समझता है, वही सच्चा पंडित यानी ज्ञानी है। नई पीढ़ी के प्रति बड़ी विस्तृत चिंता व्यक्त की गई। बच्चों व युवाओं की हथेलियों को जकड़ लेने वाले मोबाइल से मिल रहे दुराग्रहों, दुराचरण आदि की दुश्चिंताओं को भी व्यक्त किया गया।

देश में उभरते कट्टरपन की चर्चा में बाबासाहेब अंबेडकर की यह बात उन्हीं के शब्दों में कही गई कि - यह तो अराजकता का व्याकरण है। यही कट्टरपन देश में विभिन्न हिंदू उत्सवों की शोभायात्राओं पर पत्थर बरसाता है व सामाजिक सौहाद्र को छिन्न-भिन्न कर देता है।

सामाजिक समरसता की घोर आवश्यकता पर बल देते हुए संघ प्रमुख ने कहा कि एक दूसरे के सामाजिक उत्सवों में सम्मिलित होने, सभी समाजों के महापुरुषों को राष्ट्रीय नायक मानने से, परस्पर आयोजनों-उत्सवों में सम्मिलित होने से, परस्पर मान्यताओं व श्रद्धा को अपना मानने से ही सामाजिक समरसता की स्थापना हो सकेगी। सामाजिक समरसता को केवल सांकेतिक कार्यक्रमों से करने के आडंबर की अपेक्षा अपने व्यक्तिगत आचरण में स्थापित करना चाहिये। परस्पर साहित्य, संस्थान, सोच, किवदंतियों, श्रद्धा, आस्था को सम्मान देने के राष्ट्रीय चरित्र को विकसित करने के संकेत इस संभाषण में स्थान-स्थान पर मिलते हैं। पर्यावरण, पौधारोपण, जलीय सरंचनाओं की शुद्धता व रक्षा, जल का सीमित उपयोग, सिंगल यूज प्लास्टिक का निषेध आदि का आग्रह भी किया गया। नागरिक अनुशासन, नागरिक कर्तव्यों का कड़ा अनुशीलन, देश भक्ति के भाव में आकंठ डूबे आचरण का आग्रह भी किया गया।

स्वदेशी उत्पादनों के प्रयोग, देशज उद्योगों, उद्यमों, उद्यमियों, श्रम के आदर का विषय भी विस्तार से आया। भाषा, भूषा, भजन, भवन, भ्रमण और भोजन अपना हो, अपनी परम्परा का हो यह ध्यान रखना - यह ही सारांश में स्वावलंबन विकसित करने वाला स्वदेशी व्यवहार है।

जीवन का सबसे बड़ा दुश्मन खुद का मन...

कोई जैसा सोचता है, जैसे विचार रखता है, वैसा ही बन जाता है। उसी दिशा में आगे बढ़ते जाते हैं, वैसे ही कार्य करते चले जाते हैं, क्योंकि विचार रूपी ताकत इंसान को उसी दिशा में अग्रसारित करती है, जिस दिशा की ओर विचार पनप रहे हैं। मसलन, अगर किसी को डाक्टर या शिक्षक बनना है, तो वह उसी की तैयारी करता है। और एक न एक दिन अपनी तन्मयता के साथ उसे हासिल कर लेता है। सोच में दृढ़ता होना लाजिमी है, तभी वैसा बन पाते हैं। रामायण की चौपाई है- 'जाकी रही भावना जैसी प्रभु मूरत देखी तिन तैसी'। यानी जैसी भावना या सोच है, उसी प्रकार प्रभु उसे दर्शन देते हैं। जैसा सोचा जाएगा, वैसा ही बन जाओगे।

अमिताभ स.

इंसानी शरीर को रसायन शास्त्र की एक अनूठी प्रणाली कह सकते हैं। यह रसायन विज्ञान इंसान के विचार और नजरिए के आधार पर निर्धारित करता है कि कौन जीवन में मिठास और अमृत का अनुभव करेगा और कौन कड़वाहट या विष का। जो लोग सकारात्मक विचारधारा के होते हैं, उनका अपने और दूसरों के जीवन के प्रति भी दृष्टिकोण अच्छा और खुशियों से भरा होता है। जब कोई सकारात्मक कार्यों से जुड़ता है, जैसे दूसरों की खुशी में जश्न मनाना, समाज के हित में कार्य करना, दूसरों की भावनाओं को सम्मान देना, स्वयं से पहले दूसरों के प्रति फिक्रमंद होना और खयाल रखना, और हर तरह के सकारात्मक विचारों को बढ़ावा देना, तब शरीर का रसायन खुद ही सद्भाव की ओर स्थानांतरित हो जाता है। यह सकारात्मक परिवर्तन न केवल भौतिक शरीर का रखरखाव और मरम्मत करता है, बल्कि दीर्घायु, दर्द रहित जीवन, आनंद और तमाम अन्य लाभकारी नतीजों को भी बढ़ावा देता है।इसमें संदेह नहीं कि प्रेम, दया और करुणा की मानसिकता इंसान की जिंदगी में एक प्रकार का उपचार प्रभाव पैदा करती है। इनसे हमारी अपनी भलाई पनपती और बढ़ती है। हालांकि जब-जब हमारे जेहन में लालच, क्रोध, ईर्ष्या या सत्ता की लालसा जैसे

नकारात्मक विचार छाते हैं, तब-तब हमारे शरीर का रसायन विषाक्त हो जाता है। बेशक हम अच्छे या बुरे कर्मों में शामिल हों या न हों, लेकिन ऐसी नकारात्मक भावनाएं हमारे भीतर अशांति और फिर आंतरिक विष उत्पन्न करते हैं। इनके चलते दुख, चिंता, निराशा, झगड़ा, विवाद, बीमारी और अवसाद होता है। ऐसी विनाशकारी सोच हमारी शांति भंग कर देती है। साथ-साथ असंतुलन और पीड़ा में घसीट ले जाती है।

तय है कि हमारे शरीर का रसायन हमारे दिमाग से संचालित होता है। जब हम सकारात्मकता, दयालुता और आत्म-नियंत्रण चुनते हैं, तो हम संपूर्ण और आनंदमय जीवन विकसित करते हैं। ईश्वर या प्रकृति ने भी इंसान को जीवन के उच्च उद्देश्य की पूर्ति के लिए केवल सकारात्मक विचार बनाए रखने के लिए नियुक्त किया है। इस दिव्य मार्गदर्शन को अपनाने से यह सुनिश्चित होता है कि हम अपने वास्तविक उद्देश्य के अनुरूप जीवन जी रहे हैं और इसके साथ-साथ इच्छित जीवन की परिपूर्णता का अनुभव कर रहे हैं।

इसीलिए कहते हैं कि खुद से लड़ना सबसे कठिन लड़ाई होती है। हमारा सबसे बड़ा दुश्मन स्वयं का मन है। विचारों की अनंत धारा में हम कभी-कभी खुद को खो देते हैं। नकारात्मक विचार हमें कमजोर करते हैं, हमारे सकारात्मक विचारों पर हावी हो जाते हैं और हम खुद से ही लड़ते रह जाते हैं। ऐसे अंतर युद्ध या द्वंद्व का अंत तभी हो सकता है, जब हम अपने विचारों को छांटें और उन्हें सही दिशा में मोड़ें। अपने अंदर की लड़ाई से बाहर निकलने का एकमात्र तरीका है कि अपने विचारों को सकारात्मक बनाया जाए। हमें खुद पर विश्वास करना चाहिए और यह मानना चाहिए कि हमारे जीवन चक्र में किसी दूसरे से ज्यादा बनाने-बिगाड़ने में खुद का कसूर ही है, दूसरे का शून्य भी है। जीवन की हर समस्या का हल इंसान ढूंढ़ सकता है। अपने विचारों को दूषित होने से बचाना सीखना चाहिए और नकारात्मकता को अपने जीवन से बाहर करना चाहिए। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि जैसे लोहे का कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता, सिवा उसके अपने जंग के, वैसे ही, किसी इंसान का कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता, लेकिन उसकी अपनी सोच ही उसे बिगाड़ सकती है। विख्यात ब्रिटिश दार्शनिक फ्रांसिस बेकन की राय में, इंसान अपने स्वभाव के मुताबिक सोचता है, कायदे के मुताबिक बोलता है और रिवाज के मुताबिक व्यवहार करता है। एक सकारात्मक दृष्टिकोण से आशावादी सोच का जन्म होता है। जब हमारी मानसिकता सकारात्मक होती है, तब हम रचनात्मक रवैया रखते हैं। अपने साथ- साथ दूसरों की भी मदद करते हैं। सकारात्मक सोच से प्रोत्साहन मिलता है और पुष्टीकरण की मदद से लक्ष्य प्राप्ति अवश्यंभावी है। एक कर्मठ कार्यकर्ता अपने आप ही एक बेहतर और सफल भविष्य के प्रति निश्चिंत रहता है।

कोई जैसा सोचता है, जैसे विचार रखता है, वैसा ही बन जाता है। उसी दिशा में आगे बढ़ते जाते हैं, वैसे ही कार्य करते चले जाते हैं, क्योंकि विचार रूपी ताकत इंसान को उसी दिशा में अग्रसारित करती है, जिस दिशा की ओर विचार पनप रहे हैं। मसलन, अगर किसी को डाक्टर या शिक्षक बनना है, तो वह उसी की तैयारी करता है। और एक न एक दिन अपनी तन्मयता के साथ उसे हासिल कर लेता है। सोच में दृढ़ता होना लाजिमी है, तभी वैसा बन पाते हैं। रामायण की चौपाई है- 'जाकी रही भावना जैसी प्रभु मूरत देखी तिन तैसी'। यानी जैसी भावना या सोच है, उसी प्रकार प्रभु उसे दर्शन देते हैं। जैसा सोचा जाएगा, वैसा ही बन जाओगे। केवल विचार ही नहीं, खान-पान की शुद्धता-पवित्रता भी अच्छाइयों से लबालब करने का बराबर दमखम रखती है। इसीलिए हम अक्सर बड़े-बुजुर्गों को कहते सुन सकते हैं कि सात्विक भोजन खाने और पेय पीने वालों के विचार भी दूषित नहीं रहते। यानी जैसा खाएंगे अन्न, वैसा होगा मन। और जैसे पिएंगे पानी, वैसी होगी वाणी भी। किसी ने इस हद तक कहा है कि 'शब्द' का भी अपना एक 'स्वाद' है, बोलने से पहले स्वयं 'चख' लीजिए। अगर खुद को 'अच्छा' नहीं लगे, तो दूसरों को मत परोसिए। इसीलिए खानपान और विचार से लेकर बोलचाल तक अच्छा बनना जरूरी है।

एचआईएल ऑक्शन के दूसरे दिन बेल्जियम के विक्टर वेगनेज सबसे महंगे खिलाड़ी रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेल्जियम के मिडफील्डर विक्टर वेगनेज हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के खिलाड़ियों की नीलामी के दूसरे दिन सोमवार को सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। वेगनेज को सूरमा हॉकी क्लब ने 40 लाख रुपये में खरीदा। नीलामी के दूसरे दिन बड़ी रकम हासिल करने वालों में नीदरलैंड के थिएरी ब्रिंकमैन (38 लाख रुपए) और आर्थर वान डोरेन (32 लाख रुपए) भी शामिल है। इन दोनों के लिए कलिंगा लांसर्स ने बड़ी बोली लगाई। टॉमस डोमिन (दिल्ली एसजी पाइपर्स के लिए 36 लाख रुपए में), ऑस्ट्रेलिया के अरन जालेवस्की (कलिंगा लांसर्स के लिए 27 लाख रुपये में) और ब्लेक गोवर्स (तमिलनाडु ड्रैगन्स के लिए 27 लाख रुपए में) पर फ्रेंचाइजी टीमों ने ने बड़ी रकम खर्च की। मोरियांगथेम रबीचंद (कलिंगा लांसर्स के लिए 32 लाख रुपए में) और मोहम्मद राहिल मौसीन (तमिलनाडु ड्रैगन्स के लिए 25 लाख रुपए में) जैसे भारतीय खिलाड़ियों को भी अच्छी रकम मिली।

पाकिस्तान - इंग्लैंड दूसरा टेस्ट

शुरुआती विकेट के बाद सईम और कामरान ने पाक को संभाला; लीच ने दो विकेट लिए

मुल्तान (एजेंसी)। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट मुल्तान में खेला जा रहा है। मंगलवार को दूसरे टेस्ट के पहले दिन पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टीम ने लंच तक दो विकेट पर 79 रन बनाए। सईम अयूब और कामरान गुलाम नाबाद लौटें।

इंग्लैंड ने पहला मुकाबला पारी और 47 रन से जीता था। टीम तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे है। तीसरा मुकाबला 24 अक्टूबर से रावलपिंडी में खेला जाएगा।

पाकिस्तान की खराब शुरुआत - पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 15 रन के स्कोर पर पहला विकेट गंवा दिया। अब्दुल्ला शफीक 7 रन बनाकर आउट हुए। दूसरा झटका 19 रन पर लगा। कप्तान शान मसूद 3 रन बनाकर आउट हुए। दोनों विकेट जैक लीच ने लिए। यहां से सईम और कामरान ने पाक की पारी को संभाला।

टेस्ट क्रिकेट हमेशा अनुकूलनशीलता के बारे में है, यह खेल का शिखर है: अश्विन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी भारतीय स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर रविचंदन अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट की खूबसूरती को फिर से परिभाषित करते हुए इसे खेल का शिखर बताया। उन्होंने सोशल मीडिया एक वीडियो में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट से पूर्व बेंगलुरु में टीम इंडिया के अभ्यास सत्र की झलक दिखाई गई, जिसमें अश्विन की आवाज भी है। स्पिनर ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में, हर रोज खिलाड़ियों को परिस्थितियों के अनुकूल होने और नई रणनीति और दृष्टिकोण के साथ आने की जरूरत होती है। अश्विन ने वीडियो में कहा, देखिए, टेस्ट क्रिकेट हमेशा अनुकूलनशीलता के बारे में है, है न? आप दिन 5 की शुरुआत की थी। हर दिन आपको परिस्थितियों के अनुकूल होने में सक्षम होने की जरूरत होती है। इसलिए वे कहते हैं कि टेस्ट क्रिकेट इस विशेष खेल का शिखर है। पिछले महीने बांग्लादेश के खिलाफ 2-0 की क्लीन-स्वीप में अपने प्लेयर ऑफ द सीरीज प्रदर्शन के बाद अश्विन के नाम 527 टेस्ट विकेट हैं। वह बुधवार से न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में वापसी करेंगे, जिसका पहला मैच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा। न्यूजीलैंड ने आखिरी बार 2021-22 में दो मैचों की सीरीज के लिए भारत का दौरा किया था, जिसे मेजबान टीम ने 1-0 से जीता था।

भारत वर्तमान में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) स्टैंडिंग में शीर्ष पर है, जबकि 2021 में खिताब जीतने वाली न्यूजीलैंड छठे स्थान पर है। रोहित शर्मा की टीम नवंबर-जनवरी में शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया के महत्वपूर्ण दौरे से पहले डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगी।

तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला आज से

पहले टेस्ट में गिल और जायसवाल पर नजरें, ये हो सकती है प्लेइंग 11

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट की अगली पीढ़ी के स्टार यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रहे तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट में अपने बेहतरीन फॉर्म को आगे ले जाना चाहेंगे। विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा अपने कैरियर के आखिरी पड़ाव में है और गिल तथा जायसवाल पर उनकी विरासत को आगे ले जाने की महती जिम्मेदारी है।

गिल ने पिछली दस पारियों में तीन शतक और दो अर्धशतक जमाए हैं जबकि जायसवाल ने पिछली आठ पारियों में एक दोहरा शतक और पांच अर्धशतक जड़े हैं। अब उनके लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ इस लय को कायम रखकर आगे की कठिन चुनौतियों का सामना करने के लिये आधार तैयार करना जरूरी है। गिल ने तेज गेंदबाजों की इनकमिंग गेंदों के खिलाफ परेशानी से पार पा ली है लेकिन ऐसी गेंदों पर विकेट गंवाने से बचना होगा। चेहई में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज हसन महमूद ने उन्हें काफी परेशान किया और पवेलियन भी भेजा।

वहीं जायसवाल भी तेज गेंदबाजों को आक्रामक शॉट खेलने के प्रयास में तीन बार आउट हुए हैं। वह अब तक 20 पारियों में 12 बार तेज गेंदबाजों को अपना विकेट दे बैठे हैं। ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला से पहले उन्हें तेज गेंदबाजों के सामने अपना रिकॉर्ड दुरूस्त करना होगा। न्यूजीलैंड के पास भी मैट हेनरी, विलियम ओ रार्कके और टिम साउदी के रूप में आक्रामक तेज गेंदबाज हैं। ऐसे में गिल और जायसवाल पर जिम्मेदारी और भी बढ़ जाएगी क्योंकि विराट और रोहित सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हैं।

रोहित ने इस साल 15 टेस्ट पारियों में दो शतक और एक अर्धशतक लगाया लेकिन बाकी 13 पारियों में 497 रन ही बना सके हैं। वहीं 9000 टेस्ट रन से 53 रन दूर कोहली ने इस साल छह पारियों में एक अर्धशतक भी नहीं लगाया है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 46 और बांग्लादेश के खिलाफ 47 रन की पारियां खेली। उन्हें न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के स्पिनरों ऐजाज पटेल और रचिन रविंद्र को संभलकर खेलना होगा जो पहले भी उन्हें परेशान कर चुके हैं।

भारत के सामने समस्याएं बड़ी नहीं है लेकिन न्यूजीलैंड को गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में कई दिक्कतों से गुजरना पड़ रहा है। स्पिनरों के सामने बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन के कारण कीवी टीम को श्रीलंका ने 2-0 से हराया। अब भारत के रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा जैसे खतरनाक स्पिनरों का सामना करना उनके लिए कठिन चुनौती होगा। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच स्पिनरों की मददगार रहती है और ऐसे में भारतीय स्पिनर कहर बरपा सकते हैं। इनके अलावा जसप्रीत बुमराह भी फॉर्म में हैं जिन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट में 11 विकेट लिए।

पांचवें गेंदबाज पर फैसला लेने से पहले भारतीय टीम प्रबंधन को काफी सोच विचार करना होगा। पिछली श्रृंखला की तरह संयोजन रखने पर आकाश दीप तीसरे तेज गेंदबाज के तौर पर बुमराह और मोहम्मद सिराज का साथ दे सकते हैं। भारत बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव या बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल को भी उतार सकता है जो निचले क्रम पर उपयोगी बल्लेबाज भी हैं। यहां मौसम भी साफ नहीं रहने की भविष्यवाणी है जिससे खेल की शुरूआत देर से हो सकती है।

संभावित प्लेइंग 11

भारत - रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुबमन गिल, विराट कोहली, ऋभ पंत (विकेटकीपर), केएल राहुल, रवींद्र जडेजा, रविचंदन अश्विन, जसप्रित बुमरा, आकाश दीप, कुलदीप यादव

न्यूजीलैंड - टॉम लाथम, डेवोन कॉनवे, विल यंग, ??रचिन रविंद्र, डेरिल मिशेल, टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, मिशेल सेंटनर, टिम साउथी (कप्तान), एजाज पटेल, मैट हेनरी

समय - सुबह 9.30 बजे से।

टीवी पर - स्पोर्ट्स18 और कलर्स सिनेप्लेक्स

लाइव स्ट्रीमिंग - जियो सिनेमा ऐप और वेबसाइट

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से पहले बोले रोहित

हम कुछ खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं होना चाहते

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मंगलवार को कहा कि टीम के पास बल्लेबाजों का एक मजबूत समूह है और वह तेज गेंदबाजी भी इसी तरह का समूह बनाना चाहते हैं जिससे कि चोटों का टीम के संतुलन पर असर नहीं पड़े। रोहित की यह टिप्पणी उस समय आई है जब सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को चोट से उबरने में अधिक समय लग रहा है जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल के कंधे में भी चोट लगी है जिन्हें हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया था। रोहित ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पूर्व संध्या पर कहा, 'जब बल्लेबाजी की बात आती है तो बहुत सारे विकल्प हैं। हम गेंदबाजी में भी यही करना चाहते हैं। हम बेंच स्ट्रेंथ बनाना चाहते हैं जहां अगर कल किसी को कुछ भी होता है तो हमें चिंता नहीं हो। उन्होंने कहा, 'हम कुछ खिलाड़ियों पर बहुत अधिक निर्भर नहीं रहना चाहते। ऐसा करना सही नहीं है। हम भविष्य को देखते हुए यह सुनिश्चित करने की कोशिश करना चाहते हैं कि हमें सही खिलाड़ी मिलें। यही कारण है कि भारत द्वारा तेज गेंदबाजों मयंक यादव, हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी और प्रसिद्ध कृष्णा को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए रिजर्व के रूप में चुना जाना आश्चर्य की बात नहीं थी।

पाकिस्तान ने चतुर गेंदबाजी की- न्यूजीलैंड को सेमीफाइनल में पहुंचाकर बोली कप्तान सोफी

शारजाह (एजेंसी)। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान सोफी डिवाइन ने टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने पर खुशी जाहिर की। पाकिस्तान को 56 रन से हराने के बाद सोफी ने कहा कि अभी टीम (जीत का जश्न) डूबी नहीं है। मुझे इस समूह पर बहुत गर्व है। 2016 टी20 विश्व कप में हमारा आखिरी सेमीफाइनल था। इस बीच काफी समय हो गया। हम इसका जश्न जरूर मनाएंगे। इस टूर्नामेंट में परिणाम हमारे अनुरूप नहीं रहे। लेकिन एक कप्तान के तौर पर मुझे गर्व है कि हम प्रक्रियाओं पर टिके रहे। हम अगर अपने विश्वास पर अड़े रहे तो हम दुनिया के बड़े मंच पर किसी भी टीम को हरा सकते हैं। मुझे उस समूह पर अविश्वसनीय रूप से गर्व है जो इतना युवा है।

सोफी ने कहा कि पाकिस्तान ने जिस तरह से गेंदबाजी की वह अविश्वसनीय रूप से चतुर थी। उन्होंने सारी गति धीमी कर दी। हमसे सचमुच कड़ी मेहनत कराई। विकेट उतना खराब नहीं था। आपको रास्ते बनाने थे और पार्क के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचना था। वे प्रतिभाशाली थे। 110 तक पहुंचने के बाद आप

हमेशा और अधिक चाहते थे। हम जानते थे कि हमें बोर्ड पर और कुछ डालना होगा। पाकिस्तान पर गाज गिरने वाली थी। यह एक रोमांचक खेल होने वाला था। लड़कियां इस पर अड़ी रहीं। अंत में हम आगे बढ़ने में सफल रहे। बड़ी बात यह है कि हमें कल एक दिन की छुट्टी मिलेगी।

ऐसा रहा मुकाबला - पाकिस्तान ने पहले गेंदबाजी करते हुए न्यूजीलैंड को महज 110 रन पर रोक दिया। उम्मीद जगी कि पाकिस्तान यहां करिश्मा करती हुई नजर आएगी लेकिन ढाक के तीन पात। गेंदबाजी में बेहतर करने वाली पाकिस्तानी टीम ने बल्लेबाजी में लचर प्रदर्शन किया और 111 रन का पीछा करते हुए 56 रन बना ऑलआउट हो गई। पाकिस्तान अगर यह मुकाबला 10.3 ओवर में जीत जाता तो उसके खुद के लिए सेमीफाइनल के चांस बन जाने थे लेकिन वह 11.4 ओवर में खुद ही 56 रन पर आलआऊट हो गई।

दोनों टीमें इस प्रकार थी-

न्यूजीलैंड एकादश - सूजी बेट्स, जॉर्जिया प्लिमर, अमेलिया केर, सोफी डिवाइन (कप्तान), ब्रूक हॉलिडे, मैडी ग्रीन, इसाबेला गेज (विकेट कीपर), ली ताहुहु, रोजमेरी मेयर, ईडन कार्सन और फान जोनास।

पाकिस्तान एकादश- मुनीबा अली (विकेटकीपर), सिदरा अमीन, सदफ शमास, निदा डार, ओमायमा सोहेल, आलिया रियाज, फातिमा सना (कप्तान), इरम जावेद, सैयदा अरूब शाह, नशरा संधू और सादिया इकबाल।

बुमराह को उप-कप्तान बनाए जाने पर बोले रोहित

वह शुरू से हमारे नेतृत्व समूह का हिस्सा रहे हैं

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने जसप्रीत बुमराह को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए उप-कप्तान नियुक्त किए जाने पर मंगलवार को यहां कहा कि यह तेज गेंदबाज खेल की बहुत अच्छी समझ रखता है और वह शुरू से टीम के नेतृत्व समूह का अभिन्न अंग रहा है। बुमराह को न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से यहां से शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए उप कप्तान नियुक्त किया गया है।

चयन समिति का यह फैसला चौंकाने वाला था क्योंकि बांग्लादेश के खिलाफ हाल में समाप्त हुई श्रृंखला के लिए किसी भी खिलाड़ी को उप कप्तान नहीं बनाया गया था। इससे संकेत मिलते हैं कि बुमराह भविष्य में टेस्ट टीम की कमान संभाल सकते हैं। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच से पहले कहा, 'बुमराह ने बहुत अधिक क्रिकेट खेली है। मैं उनके साथ काफी क्रिकेट खेल चुका हूं। वह खेल की बहुत अच्छी समझ रखते हैं। जब आप उनसे बात करते हैं तो वह खेल को समझते हैं।

उन्होंने कहा, 'मैं इस बारे में अभी बहुत अधिक कुछ नहीं कह सकता क्योंकि बुमराह ने बहुत अधिक कप्तानी नहीं की है। जितना मुझे पता है उन्होंने अभी तक एक टेस्ट मैच और कुछ टी20 मैचों में कप्तानी की है। बुमराह ने 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट मैच में भारत का नेतृत्व किया था। उन्हें पिछले साल आयरलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए भारत का कप्तान नियुक्त किया गया था।

रोहित ने कहा, 'बुमराह समझता है कि क्या करना जरूरी है। जब आप ऐसी स्थिति में होते हैं जहां आपको एक नेतृत्वकर्ता की जरूरत महसूस होती है तो मुझे लगता है कि बुमराह उनमें से एक होंगे। इसलिए वह शुरू से हमारे नेतृत्व समूह का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'चाहे वह टीम में शामिल नए गेंदबाजों से बात करना हो या टीम को आगे बढ़ाने के संबंध में की जाने वाली चर्चा हो, वह हमेशा नेतृत्व समूह का हिस्सा रहे हैं।

गुजराती और दिव्या देशमुख को महाराष्ट्र सरकार ने दिया 1 करोड़ का इनाम, ओलंपियाड गोल्ड पर सम्मानित

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने भारतीय शतरंज खिलाड़ियों विदित गुजराती और दिव्या देशमुख को 2024 शतरंज ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीतने पर 1 करोड़ रुपये की धनराशि प्रदान की है। यह सम्मान शतरंज के क्षेत्र में उनके अद्वितीय प्रदर्शन और देश को गर्वित करने के लिए दिया गया है। इसी के साथ भारतीय महिला टीम की कप्तान और कोच, ग्रैंडमास्टर अभिजीत कुंटे और भारतीय ओपन टीम के सहायक कोच ग्रैंडमास्टर संकल्प गुप्ता को भी महाराष्ट्र सरकार द्वारा 10 लाख रुपये का इनाम दिया गया। महाराष्ट्र सरकार का यह कदम शतरंज के खिलाड़ियों को और अधिक प्रेरित करेगा और राज्य में शतरंज की संस्कृति को मजबूत करेगा।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के इस सत्र लागू नहीं होगा इम्पैक्ट प्लेयर नियम

मुम्बई (एजेंसी)। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमटी) के इस सत्र से इम्पैक्ट प्लेयर का नियम लागू नहीं होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोड (बीसीसीआई) ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि इम्पेक्ट प्लेयर नियम एमएमटी इस सीजन से ही नहीं लागू होगा। इस नियम को दो वर्ष पहले एसएमटी में लागू किया गया था। इसके बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी इसे लाया गया। हाल में हुई घोषणा के अनुसार यह नियम आईपीएल में अगले तीन सत्र यानी की 2027 तक लागू रहेगा। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 2023 में इस नियम के आने के बाद से लगातार इसके खिलाड़ियों पर प्रभाव और मदद को लेकर पर चर्चा हो रही है। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा सहित कई प्रमुख खिलाड़ियों ने बीते आईपीएल सत्र के दौरान इस नियम की आलोचना की थी। तब बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने कहा था कि इस नियम का यह परीक्षण का दौर है। यह अभी स्थायी नहीं है।

यह कदम न केवल... , शाहिद अफरीदी ने सीरीज के बीच शाहीन-बाबर को आराम देने पर तोड़ी चुप्पी

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ अपने अगले दो टेस्ट मैचों के लिए बाबर आजम, शाहीन अफरीदी और नसीम शाह को बाहर करके कुछ बड़े फैसले लिए हैं। पाकिस्तान के सहायक कोच अजहर महमूद ने कहा है कि तीनों खिलाड़ियों को 'आराम' दिया गया है ताकि वे इस श्रृंखला के बाद होने वाले टीम के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए फिट रहें। इस फैसले का कारण चाहे जो भी हो, यह एक बड़ा फैसला है क्योंकि तीनों देश के सबसे हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों में से हैं। हालांकि, पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी, जो शाहीन के ससुर हैं, ने अब इस फैसले का समर्थन किया है।

अफरीदी ने अपने एक्स हैंडल पर कहा, 'बाबर, शाहीन और नसीम को अंतरराष्ट्रीय

क्रिकेट से ब्रेक देने के चयनकर्ताओं के फैसले का समर्थन करता हूं। यह कदम न केवल इन चैंपियन खिलाड़ियों के करियर को बचाने और बढ़ाने में मदद करेगा, बल्कि उभरती हुई प्रतिभाओं को परखने और उन्हें तैयार करने का एक शानदार अवसर भी देता है जिससे भविष्य के लिए मजबूत बेंच स्ट्रेंथ तैयार होगी।

टेस्ट क्रिकेट में पाकिस्तान का रिकॉर्ड अच्छा नहीं है। पाकिस्तान टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली टीम बन गई है, जिसे अपनी पहली पारी में 500 से अधिक रन बनाने के बावजूद पारी की हार का सामना करना पड़ा। यह बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में वाइटवॉश करने वाली पहली टीम बनने के तुरंत बाद हुआ। उस सीरीज में बांग्लादेश ने पहली बार पाकिस्तान में टेस्ट मैच जीता था। हालांकि उस परिणाम को पाकिस्तान क्रिकेट के इतिहास में सबसे खराब में से एक माना गया था, लेकिन उसके बाद इंग्लैंड से मिली हार को भी ऐसा ही माना गया है।

भारत का ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर 2034 तक 60 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर का वर्तमान मूल्य 3.1 बिलियन डॉलर है। रेगुलेशन और टैक्सेशन से जुड़ी चुनौतियों के बीच 2034 तक ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर 60 बिलियन डॉलर तक बढ़ने की क्षमता रखता है। सोमवार को आई एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। भारत के गेमिंग सेक्टर में अमेरिका का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, कुल 2.5 बिलियन डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में से 1.7 बिलियन डॉलर अकेले अमेरिका से आया है। यूनाइटेड स्टेट्स इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) के अध्यक्ष और सीईओ डॉ. मुकेश अघी के अनुसार, यह भारत के तेजी से बढ़ते गेमिंग बाजार में वैश्विक निवेशकों के विश्वास को दिखाता है, जिसके 2034 तक 60 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इस एफडीआई का 90 प्रतिशत हिस्सा पे-टू-प्ले सेगमेंट में है, जो कि इस सेक्टर के समग्र मूल्यांकन का 85 प्रतिशत है। हालांकि, रेगुलेशन और टैक्सेशन से जुड़ी चुनौतियां

बनी हुई हैं। यूएसआईएसपीएफ और टीएमटी लॉ प्रैक्टिस की रिपोर्ट के अनुसार, भारत अपने हाई टैक्स रेट के लिए जाना जाता है। ऑनलाइन गेमिंग के लिए प्लेयर्स को अपनी कुल जमा पर सभी फॉर्मेट के लिए 28 प्रतिशत की दर से जीएसटी चुकाना होता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि संयुक्त राष्ट्र केंद्रीय उत्पाद वर्गीकरण (यूएन सीपीसी) गेमिंग को ऑनलाइन जुए से अलग परिभाषित करता है। अघी ने कहा, 600 मिलियन से ज्यादा गेमर्स के साथ इस सेक्टर का तेजी से मुद्रीकरण किया जा रहा है। यह निर्यात के लिए अवसर पेश करता है। हालांकि, भारतीय कंपनियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए, हमें प्रगतिशील टैक्स और रेगुलेटरी नीतियों के साथ समान अवसर की आवश्यकता है, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो। रिपोर्ट में 12 प्रमुख गेमिंग बाजारों में रेगुलेटरी फ्रेमवर्क और टैक्सेशन पॉलिसी पर नजर डाली गई। इसमें पता चला कि सभी 12 देशों में गेम्स ऑफ चांस को लेकर अलग कानूनी परिभाषा है।

नहीं.. अब ऐसे भी बन सकते हैं सरकारी कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर

असिस्टेंट प्रोफेसर बनने के लिए सिर्फ आप पीएचडी करके ही नहीं, बल्कि आप अन्य तरीकों से भी ये पद पा सकते हैं। आइए हम इसके बारे में आपको विस्तार से बताते हैं।

हर साल कई छात्र कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर बनने की चाहत के साथ पीएचडी डिग्री या यूजीसी नेट परीक्षा में शामिल होते हैं। असिस्टेंट प्रोफेसर बनने के लिए पहले पीएचडी करना जरूरी होता था। हालांकि, अब ऐसा नहीं है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (ल्रष्ट) की आधिकारिक सूचना के अनुसार, सरकारी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर बनने के लिए अब जरूरी नहीं कि वे पीएचडी करे ही। अभ्यर्थी अब अन्य परीक्षा देकर भी प्रोफेसर का पद हासिल कर सकते हैं। ऐसा बिल्कुल नहीं है कि पीएचडी की मान्यता खत्म हो गई है। आपको बता दें कि अभ्यर्थियों के पास दो में एक योग्यता होना जरूरी है।

पीएचडी के अलावा ऐसे बन सकते हैं असिस्टेंट प्रोफेसर

कॉलेज या विश्वविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद के लिए आवेदन करने के लिए GC NET न्यूनतम मानदंड है। नेट के अलावा, SET और SLET परीक्षा भी उन उम्मीदवारों के लिए न्यूनतम पात्रता मानदंड है, जो असिस्टेंट प्रोफेसर बनना चाहते हैं। पीएचडी भी मान्य है, लेकिन ये जरूरी नहीं है कि कैंडिडेट के पास पीएचडी की डिग्री होना अनिवार्य है। आपको बता दें, यूजीसी नेट, सेट या स्लेट उत्तीर्ण सभी उम्मीदवार असिस्टेंट प्रोफेसर की नौकरी के लिए पात्र हैं।

क्या है NET, SET और SLET

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की तरफ से हर साल यूजीसी नेट (नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट) परीक्षा आयोजित की जाती है। इस परीक्षा में 75 फीसदी से पास होने वालों को जूनियर रिसर्च फेलोशिप यानी JRF मिलता है। वहीं, पास होने वाले कैंडिडेट्स को ह्लश्वञ्ज सर्टिफिकेट मिलता है। नेट पास होने के बाद PhD में दाखिला ले सकते हैं या आप चाहें तो असिस्टेंट प्रोफेसर भी बन सकते हैं। बात SET की बात करें तो यह स्टेट एलिजिबिलिटी टेस्ट है, जो राज्य स्तर पर कराई जाती है, वहीं SLET का पूरा नाम स्टेट लेवल एलिजिबिलिटी टेस्ट है, जो कि असिस्टेंट प्रोफेसर बनने के न्यूनतम पात्रता मानदंड में से एक माना जाता है।

इंटर्नशिप से आपको मिल सकते हैं बेहतरीन जॉब ऑफर, इस तरह से उठाएं इंटर्नशिप का फायदा

पेशे की बारीकियां समझने के साथ अच्छे जॉब ऑफर के लिए इंटर्नशिप काफी फायदेमंद साबित हो सकती हैं। इंटर्नशिप के दौरान वर्क कल्चर समझने में भी आसानी होती है।

आप किसी पेशे में अच्छा कर सकती हैं या नहीं, यह जानने का सबसे अच्छा जरिया है इंटर्नशिप। इंटर्नशिप के छोटे से टाइम पीरियड में आपको उस पेशे से जुड़े काम, वर्क कल्चर और भविष्य की संभावनाओं का अंदाजा लग जाता है। इस दौरान वर्कप्लेस पर मिलने वाले इनपुट्स को आप अपनी प्रोफेशनल ग्रोथ के लिए बखूबी इस्तेमाल कर सकती हैं। आइए जानें इंटर्नशिप से जुड़े कुछ अहम पहलुओं के बारे में- आजकल जॉब से पहले इंटर्नशिप नौकरी का प्रक्रिया का एक अहम हिस्सा हो गया है। इससे इम्प्लॉयर्स को फ्रेशर्स की क्षमता का अंदाजा लग जाता है और वे उसके प्रोफेशनल बिहेवियर के बारे में भी अच्छी तरह से समझ लेते हैं, वहीं इम्प्लॉई भी अपने लिए अच्छी संभावनाएं तलाश सकते हैं।

इंटर्नशिप से मिलते हैं ये फायदे

- पेशे से जुड़ी स्किल्स सीखने का अच्छा मौका मिलता है।
- इंटर्नशिप से कॉन्फिडेंस बढ़ता है, जिसका फायदा जॉब इंटरव्यू में मिल सकता है।
- इंटर्नशिप में वास्तविक माहौल में काम करने से नॉलेज बढ़ती है।
- इंटर्नशिप के दौरान पेशे की बारीकियों से गुजरते हुए आप अपने इंट्रस्ट के बारे में बेहतर तरीके से समझ पाती हैं और उसके अनुसार संभावनाएं तलाश सकती हैं।
- इंटर्नशिप करते हुए अच्छी नेटवर्किंग डेवलप करने से आप सीनियर्स के रेकमेंडेशन पर कई जगह बेहतरीन जॉब ऑफर पा सकती हैं।
- किताबी पढ़ाई से कहीं ज्यादा दिलचस्प है एक्चुअल वर्किंग।
- इंटर्नशिप का एक्सपीरियंस सर्टिफिकेट आपके रेज्यूमे को मजबूत बनाता है। वहीं इंटर्नशिप में स्टाइपेन्ड मिलने से आपके लिए थोड़ी सहूलियत भी बढ़ जाती है।

इंटर्नशिप का समय है बेहद कीमती

इंटर्नशिप के समय का आप भरपूर फायदा उठा सकें, इसके लिए आपको पहले से ही अच्छी प्लानिंग करने की जरूत है। इस दौरान आप अपने क्वालिटी काम के जरिए अपनी अलग पहचान बनाने में कामयाब हो सकती हैं। आइए जानें कि आप इसके लिए सही स्ट्रेटेजी किस तरह से तैयार कर सकते हैं-

- जिस पेशे में जाने की सोच रहे हैं, उसके बारे में अच्छी रिसर्च करें। जिस कंपनी में इंटर्नशिप करना चाहते हैं, उसके वर्क कल्चर के बारे में भी जानें। इससे कंपनी में होने वाली गतिविधियों को आप बेहतर परिप्रेक्ष्य में समझ पाएंगी और कंपनी के बारे में जानने से आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।
- अपने काम की सराहना से जुड़े कागजात या ई-मेल अलग सेफ तरीके से रखें और इनका जॉब इंटरव्यू में इस्तेमाल करें। इससे इम्प्लॉयर्स पर आपके काम का अच्छा प्रभाव पड़ता है।
- इंटर्नशिप के दौरान एक काम खत्म कर लेने के बाद दूसरे प्रोजेक्ट्स के लिए उत्साह दिखाएं और सीनियर्स को बताएं कि आप किस तरह से उपयोगी साबित हो सकते हैं। इटर्न का ताजातरीन और अलग नजरिया अकसर कंपनी के लिए फायदेमंद साबित होता है।
- ऑफिस इंप्लॉईज के साथ लंच, कंपनी के किसी भी तरह के प्रोग्राम में जरूर हिस्सा लें। इससे आप उनके साथ अच्छी नेटवर्किंग डेवलप कर सकती हैं।
- टाइम पर ऑफिस पहुंचें और ड्रेस कोड का भी ध्यान रखें। इससे यह जाहिर होगा कि आप कितनी ज्यादा अनुशासित हैं।

इंटर्नशिप में दिए जाने वाले छोटे-छोटे काम भी इंपॉर्टेंट होते हैं, इसलिए उन्हें पॉजिटिविटी के साथ करें।

आपको बिना एग्जाम दिए भी मिल सकती है सरकारी नौकरी

आमतौर पर हर कोई चाहता है कि उसकी सरकारी नौकरी लग जाए। ऐसे में हम आज आपके लिए लेकर आए हैं कुछ ऐसी नौकरी की जानकारी जिनके लिए आपको एग्जाम नहीं देना पड़ेगा।

अक्सर लोग सोचते हैं कि काश बिना एग्जाम क्लियर किए ही सरकारी नौकरी लग जाए। बता दें कि ऐसा सच में हो सकता है। अब आप सवाल करेंगे कि वो कैसे? दरअसल बहुत सारी सरकारी नौकरियां ऐसी भी हैं जिनके लिए एग्जाम नहीं देना पड़ता है।

300 सरकारी नौकरीयों के लिए नहीं देना पड़ता है पेपर

आमतौर पर हम लोग यही सोचते हैं कि सरकारी नौकरी के लिए एग्जाम देना पड़ता है, लेकिन असल में ऐसा नहीं है। भारत में लगभग 300 सरकारी नौकरी ऐसी हैं जिनके लिए आपको किसी भी तरह का एग्जाम नहीं देना पड़ेगा।

मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स में करें जॉब

मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स द्वारा समय-समय पर सरकारी जॉब निकाली जाती हैं जिनके लिए आपको एग्जाम देने की जरूरत नहीं है। कंटेंट राइटर, एडीटर और रिसर्चर जैसे कई पदों के लिए मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स बिना एग्जाम के आवेदन मंगवाती है। इसके पढ़ाई और एक्सपीरियंस का अलग कराइटेरीया होता है। सभी उम्मीदवारों की योगया को ध्यान में रखकर ही सिलेक्शन होता है।

आईआरसीटीसी

आईआरसीटीसी में आप बिना पेपर दिए इंटर्नशिप पा सकते हैं। इसके साथ-साथ आईआरसीटीसी अलग-अलग पदों पर उम्मीदवारों का चुनाव करने के लिए वॉक इन भी निकालता है जिसका आवेदन कर आपको इंटरव्यू देना होगा जिसके बाद आपकी नौकरी लग जाएगी।

एनआईईपीआईडी

नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर द एंपावरमेंट ऑफ पर्सन विद इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी विभाग द्वारा भी हॉस्पिटैलिटी मॉनिटर की भर्ती निकाली जाती है जिसे लिए आपको 35 हजार सैलरी के साथ और भी कई बेनिफिट मिलते हैं।

इंटर्नशिप भी है अच्छा विकल्प

सरकारी नौकरी के लगभग हर विभाग द्वारा इंटर्नशिप भी निकाली जाती हैं। इन इंटर्नशिप में आवेदन करने का एक निश्चित समय होता है। इंटर्नशिप करने पर मिलने वाला स्टाइपेंड काफी अच्छा होता है।

अगर यूजीसी नेट का पैटर्न मालूम हो और कुछ टिप्स का ध्यान रखा जाए, तो आसानी से एग्जाम क्लीयर किया जा सकता है।

पहली बार में ही क्वालीफाई करना चाहते हैं यूजीसी नेट, तो इन टिप्स को फॉलो करें

सरकारी नौकरी की चाहत किसे नहीं होती....हर कोई अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद यही चाहता है कि बस उसे कैसे भी करके सरकारी नौकरी मिल जाए। लोग सालों साल इनकी तैयारियों में लगे रहते हैं। सरकारी नौकरी पाने के बाद लोगों के दिन बदल जाते हैं, जिंदगियां बदल जाती हैं। यही वजह है कि देश की आबादी के लगभग 80 से 85 प्रतिशत लोग सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे रहते हैं। अगर आप यूपी और बिहार से हैं, तब तो सरकारी नौकरी का महत्व आपसे बेहतर कोई नहीं समझता होगा। यहां के लोग सपना ही सरकारी नौकरी पाने का देखते हैं। इसलिए लोग एक राज्य से दूसरे राज्य जाकर एग्जाम की तैयारियां करते हैं। हालांकि, यह सिलसिला काफी पुराना है, भारत में सरकारी नौकरी एक अच्छी और सुकून भरी लाइफ की डेफिनेशन है। अगर आप किसी एग्जाम की तैयारी कर रहे हैं, खासतौर से यूजीसी नेट की तो इस लेख में बताए गए टिप्स मददगार साबित हो सकते हैं।

यूजीसी नेट की तैयारी कैसे करें?

एग्जाम क्लीयर करने के लिए जरूरी है यूजीसी नेट के पैटर्न को समझना। बता दें कि नेट के परीक्षा में को प्रश्न पेपर होते हैं, जिसमें पहला पेपर बेसिक जीके का होता है। वहीं, दूसरा पेपर छात्रों के विषय के चुनाव पर आधारित होता है। यह वही विषय होता है जिसमें एग्जाम क्लीयर किया जाता है। मगर इसमें उन सब्जेक्ट को सेलेक्ट किया जा सकता है, जिसमें आपने बैचलर की डिग्री ली होगी।

पुराने प्रश्न को हल करें

अगर आपको पैटर्न मालूम है, तो बेस्ट रहेगा कि पुराने प्रश्न को हल किया जाए। इससे दो फायदे होंगे...पहला हमें पता चलेगा कि एग्जाम में किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं। दूसरा एग्जाम टाइम के अनुसार पूरा करने के लिए हमें किस-किस चीजों पर ध्यान देना है। इससे न सिर्फ नॉलेज बढ़ेगी बल्कि स्पीड भी बढ़ेगी। एग्जाम तैयारी के लिए ध्यान रखें कि लास्ट ईयर के प्रश्न पत्रों को सॉल्व करें, ताकि उन्हें उन सब्जेक्ट्स के बारे में आइडिया मिल सके।

सब्जेक्ट्स की लिस्ट बनाएं

पहली बार में एग्जाम को क्वालीफाई करना मुश्किल काम नहीं है। बस आपको थोड़ा फोकस करने की जरूरत है। तैयारी करने के लिए आपको बस रेफरेंस बुक्स, मॉक टेस्ट और प्रैक्टिस पेपर्स पर फोकस करना है। साथ ही, एग्जाम को क्लीयर करने के लिए अहम सब्जेक्ट्स की लिस्ट बनाएं और फिर तैयारी करें। टाइम टेबल बनाएं और रोजाना टाइम के हिसाब से प्रैक्टिस करें। इससे परीक्षा की तैयारी स्पीड के साथ करने में मदद मिलेगी।

शॉर्ट नोट्स तैयार करें

तैयारी के दौरान हमेशा महत्वपूर्ण टॉपिक्स या फॉर्मूला यानि कि सूत्र के शॉर्ट नोट्स जरूर तैयार करें। खुद बनाए गए नोट्स रिविजन के दौरान मदद करेंगे क्योंकि इसकी वजह से आपको पूरे पाठ को दोबारा पढ़ने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आप अपने शॉर्ट नोट्स की मदद से बहुत जल्द सभी पाठों का रिविजन कर सकेंगे।

संक्षिप्त समाचार

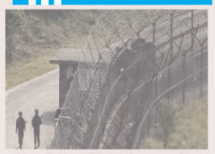

सनकी किंग किम जोंग उन ने द. कोरिया पर निकाला गुस्सा, अंतर-कोरियाई की सारी सड़कें उड़ा दीं

प्योंगप्यांग, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के सनकी किंग किम जोंग उन ने कहा कि उत्तर कोरिया ने मंगलवार को अंतर-कोरिया सड़कों के उन उत्तरी हिस्सों को उड़ा दिया है जो अब उपयोग में नहीं हैं। दक्षिण कोरिया द्वारा उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के ऊपर ड्रोन उड़ाए जाने के उसके दावे के बाद दोनों प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि उत्तर कोरिया ने मंगलवार को सड़कों के कुछ हिस्सों को उड़ा दिया। इसमें कहा गया है कि दक्षिण कोरियाई सेना अपनी तैयारी और निगरानी बढ़ा रही है लेकिन उसने और कोई जानकारी नहीं दी।

इस कार्रवाई से एक दिन पहले उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपने शीर्ष सैन्य और सुरक्षा अधिकारियों के साथ एक बैठक बुलायी थी। बैठक में किम ने दक्षिण कोरिया द्वारा कथित तौर पर ड्रोन भेजे जाने को ''दुश्मन का गंभीर उकसावे वाला कदम बताया। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया द्वारा फिर से ड्रोन भेजे जाने पर उस पर हमले शुरू करने के लिए अपनी सैन्य इकाइयों को तैयार रहने के लिए कहा था। दक्षिण कोरिया ने ड्रोन भेजे जाने की पुष्टि करने से इनकार कर दिया लेकिन चेतावनी दी थी कि अगर उसके नागरिकों की सुरक्षा को खतरे में डाला गया तो उत्तर कोरिया को इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा। अंतर कोरियाई सड़कों को नष्ट करने की कार्रवाई, उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की दक्षिण कोरिया के साथ संबंध समाप्त करने तथा उसे औपचारिक रूप से अपने देश का प्रमुख शत्रु घोषित करने की उनकी कोशिश के अनुरूप होगी।

साल 2000 में अंतर-कोरियाई संबंधों में नरमी के दौरान दोनों देशों ने भारी किलेबंदी वाली अपनी सीमा को दो सड़क मार्गों और दो रेल पटरियों से फिर से जोड़ा था। लेकिन उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम और अन्य मुद्दों को लेकर बाद में उनका संचालन निलंबित कर दिया गया था। पिछले सप्ताह उत्तर कोरिया ने कहा था कि वह दक्षिण कोरिया के साथ अपनी सीमा को स्थायी रूप से अवरुद्ध कर देगा और दक्षिण कोरियाई व अमेरिकी सेनाओं की ''उकसावे वाली कार्रवाई से निपटने के लिए अग्रिम पंक्ति पर रक्षा क्षमताओं का विकास करेगा।

दक्षिण एशिया के सबसे कुख्यात आतंकी संगठन ने किया सरेंडर

जकार्ता, एजेंसी। दक्षिण पूर्व एशिया के सबसे कुख्यात सलाफी-जिहादी संगठन, जमाह इस्लामियाह (जेआई), जिसने 2002 के बाली बम धमाकों को अंजाम दिया था, ने हाल ही में खुद को भंग करने की घोषणा की है। संगठन के 16 वरिष्ठ नेताओं ने एक वीडियो संदेश में बताया कि वे अब हिंसा छोड़कर शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करेंगे और इंडोनेशिया गणराज्य की गोद में वापस लौट रहे हैं। जेआई के आध्यात्मिक नेता, थोरिकुद्दीन (उर्फ अबू रुसयदान) ने बताया कि संगठन अपने हथियार सरकार को सौंप चुका है और उन सदस्यों की सूची भी दी है, जो सीरिया में आतंकवादी प्रशिक्षण ले चुके हैं। इसके साथ ही, जेआई ने अपने 60 से अधिक स्कूलों के पाठ्यक्रम में संशोधन करने की योजना बनाई है, जिसमें इंडोनेशिया के राष्ट्रीय शैक्षणिक मानकों के अनुरूप बदलाव किए जाएंगे।

संगठन के कई सदस्य मध्य पूर्व में आईएसआईएस और अन्य चरमपंथी गुटों के साथ जुड़कर प्रशिक्षण ले चुके हैं, जिसके चलते इंडोनेशियाई पुलिस ने जेआई के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई की थी। जेआई के शीर्ष नेताओं की गिरफ्तारी के बाद, डेंसस 88 (इंडोनेशिया की आतंकवाद-रोधी इकाई) के अधिकारियों और जेल में बंद जेआई के नेताओं के बीच संवाद शुरू हुआ, जिसके परिणामस्वरूप इस साल संगठन को भंग करने का निर्णय लिया गया।अपनी पुरानी कट्टरपंथी सोच को त्यागते हुए, जमाह इस्लामियाह ने अब राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक तरीकों से इस्लामिक समाज बनाने का लक्ष्य रखा है।

कनाडा एक ऐसा देश है जो कानून के शासन में निहित है, और हमारे नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है- जस्टिन ट्रूडो

ओटावा , एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा है कि कनाडा कभी भी कनाडा की धरती पर कनाडाई नागरिकों को धमकाने और उनकी हत्या करने में विदेशी सरकारों की संलिप्तता को बर्दाश्त नहीं करेगा, उन्होंने इसे कनाडा की संप्रभुता का अस्वीकार्य उल्लंघन करार दिया. एक बयान में, ट्रूडो ने भारत सरकार से कनाडा सरकार के साथ सहयोग करने और अब तक साझा किए गए सबूतों की विश्वसनीयता और गंभीरता को पहचानने का आग्रह किया. विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि ट्रूडो ने सितंबर 2023 में कुछ आरोप लगाए हैं. हालांकि, कनाडा सरकार ने उनके कई अनुरोधों के बावजूद भारत सरकार के साथ एक भी सबूत साझा नहीं किया है. 14 अक्टूबर को जारी एक बयान में, ट्रूडो ने कहा कि कनाडा एक ऐसा देश है जो कानून के शासन में निहित है, और हमारे नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है.

इसीलिए, जब हमारी कानून प्रवर्तन और खुफिया सेवाओं ने विश्वसनीय आरोपों की जांच शुरू की कि भारत सरकार के एजेंट कनाडा की धरती पर एक कनाडाई नागरिक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में सीधे तौर पर शामिल थे - तो हमने जवाब दिया. हमने भारत सरकार के साथ अपनी चिंताओं को साझा किया और उनसे इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर प्रकाश डालने के लिए हमारे साथ काम करने को कहा.

साथ ही, पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने कनाडाई लोगों को सुरक्षित रखने के लिए अपने पास मौजूद सभी साधनों का इस्तेमाल किया है. उन्होंने आगे कहा कि आज, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिसकी ओर से प्रस्तुत साक्ष्यों को देखते हुए, हम कनाडाई लोगों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त कदम उठा रहे हैं.

उन्होंने आरसीएमपी आयुक्त माइक डुहामे के पिछले बयान के बारे में बात की, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि कनाडा के पास सबूत हैं कि भारतीय सरकार के एजेंट ऐसी गतिविधियों में शामिल हैं और लगे हुए हैं जो सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करती हैं, जिसमें गुप्त सूचना एकत्र करने की तकनीक, दक्षिण एशियाई कनाडाई लोगों को लक्षित करने वाला बलपूर्वक व्यवहार और हत्या सहित एक दर्जन से अधिक धमकी भरे और हिंसक कृत्यों में शामिल होना शामिल है और उन्होंने इन कार्रवाइयों को अस्वीकार्य करार दिया.

ट्रूडो ने कहा कि जबकि आरसीएमपी और राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों ने इस मामले पर भारत सरकार और भारतीय कानून प्रवर्तन समकक्षों के साथ काम करने का प्रयास किया है, उन्हें बार-बार मना कर दिया गया है. यही कारण है कि, इस सप्ताहांत, कनाडाई अधिकारियों ने एक असाधारण कदम उठाया. उन्होंने आरसीएमपी साक्ष्य साझा करने के लिए भारतीय अधिकारियों से मुलाकात की, जिसमें निष्कर्ष निकाला गया कि भारत सरकार के छह एजेंट आपराधिक गतिविधियों में रुचि रखने वाले व्यक्ति हैं.

भारत सरकार से बार-बार अनुरोध करने के बावजूद, उन्होंने सहयोग नहीं करने का फैसला किया है. यह देखते हुए कि भारत सरकार अभी भी सहयोग करने से इनकार कर रही है, मेरे सहयोगी, विदेश मंत्री, मेलानी जोली के पास केवल एक ही विकल्प था. आज, उन्होंने इन छह व्यक्तियों के लिए निर्वासन नोटिस जारी किया. उन्हें कनाडा छोड़ना होगा, उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने कहा कि ये छह व्यक्ति अब कनाडा में राजनयिक के रूप में कार्य नहीं कर पाएंगे या कनाडा में फिर से प्रवेश नहीं कर पाएंगे.

उन्होंने कहा कि आरसीएमपी द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है और कनाडा में सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा बनी रहने वाली आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए यह आवश्यक है. उन्होंने जोर देकर कहा कि कनाडा सरकार सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण रूप से कनाडाई लोगों के अपने देश में सुरक्षित महसूस करने के अधिकार के लिए खड़ी होगी.

उन्होंने कहा कि हम कनाडा की धरती पर कनाडाई नागरिकों को धमकाने और मारने में किसी विदेशी सरकार की संलिप्तता को कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे - यह कनाडा की संप्रभुता और अंतर्राष्ट्रीय कानून का गहरा अस्वीकार्य उल्लंघन है. कनाडा ने 13 अक्टूबर को एक राजनयिक विज्ञप्ति में सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की 2023 में हत्या में भारतीय उच्चायुक्त की संलिप्तता का आरोप लगाया. भारत के विदेश मंत्रालय ने 14 अक्टूबर को कनाडा के आरोपों को बेतुका आरोप बताया और तर्क दिया कि यह मामला ट्रूडो सरकार के घरेलू मोर्चे पर सामने आ रही राजनीतिक चुनौतियों से जुड़ा है।

लॉरेंस बिश्नोई के साथ काम करते हैं भारतीय एजेंट, अब गैंगस्टर के नाम पर ट्रूडो ने उगला जहर

ओटावा , एजेंसी। खालिस्तान समर्थक आतंकी हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड को लेकर भारत और कनाडा के रिश्ते लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। बीते दिन भारत सरकार ने कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित करने के बाद अपने राजदूत को भी वापस बुला लिया। अब कनाडाई पुलिस ने भारतीय अधिकारियों पर बड़ा आरोप लगाया है। कनाडाई पुलिस ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का नाम लेकर भारत सरकार पर नया आरोप लगाया है।

लॉरेंस बिश्नोई से मिलकर कनाडा में फैला रहे आतंक: दरअसल, कनाडा की रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने कहा कि भारत सरकार के एजेंट्स गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के साथ मिलकर कनाडा में आतंक फैला रहे हैं। पुलिस ने यह भी दावा किया कि उनका मानना है कि भारत सरकार के अधिकारी लॉरेंस के साथ दक्षिण एशियाई समुदाय को निशाना बना रहे हैं।

खालिस्तानियों को बनाया जा रहा निशाना: रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस के सहायक आयुक्त ब्रिगिट गौविन ने कहा कि विशेष रूप से ये गैंग कनाडा में खालिस्तानी समर्थकों को निशाना बना रहे हैं। हमने देखा है कि अधिकारी संगठित अपराधियों का उपयोग करते हैं। बता दें कि भारत और कनाडा के बीच राजनयिक संबंध उस समय और खराब हुए जब कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो ने खालिस्तान समर्थक आतंकी निज्जर की हत्या में भारतीय राजदूत का नाम लिया और भारत ने उसपर जवाबी कार्रवाई की।

अब कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो ने बताई नई कहानी, यूके के प्रधानमंत्री से की बात

ओटावा , एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की वजह से भारत और कनाडा के रिश्ते बेहद खराब दौर में पहुंच चुके हैं। भारत ने कनाडा के छह राजनियकों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। वहीं कनाडा में मौजूद अपने राजनयिकों को वापस बुला लिया है। इस बीच सोमवार को जस्टिन ट्रूडो ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और भारत पर बिना सबूत मनगढ़ंत आरोप लगाना जारी रखा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सोमवार को भारत सरकार के एजेंटों पर गुप्त रूप से सूचना एकत्र करने, कनाडाई लोगों को निशाना बनाकर बलपूर्वक व्यवहार करने, धमकी देने और हिंसक कृत्यों में शामिल होने का आरोप लगाया। उन्होंने रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस के साक्ष्य का हवाला दिया। मगर साक्ष्यों को सार्वजनिक नहीं किया। ट्रूडो ने आरोप लगाया कि भारत सरकार के अधिकारी ऐसी गतिविधियों में शामिल थे जो सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करती हैं।

ट्रूडो बोले- पुख्ता सबूत हैं: ट्रूडो ने कहा, आरसीएमपी कमिश्नर के पास स्पष्ट और पुख्ता सबूत हैं। भारत सरकार के एजेंट ऐसी गतिविधियों में शामिल रहे हैं और अब भी शामिल हैं, जो सार्वजनिक सुरक्षा को बड़ा खतरा पैदा करती हैं। इसमें गुप्त सूचना जुटाने की तकनीक, दक्षिण एशियाई कनाडाई लोगों को निशाना बनाना, हत्या समेत कई उल्लंघनकारी कृत्य शामिल हैं। यह अस्वीकार्य है।

मिलकर काम करने की कोशिश की: ट्रूडो का दावा है, कनाडाई कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने इन मामलों पर भारतीय समकक्षों के साथ मिलकर काम करने की कई बार कोशिश की। मगर उन्हें बार-बार मना कर दिया गया। इसी वजह से अब कनाडाई अधिकारियों ने एक असाधारण कदम उठाया है। ट्रूडो का आरोप है आरसीएमपी ने साक्ष्य साझा करने के लिए भारतीय अधिकारियों से मुलाकात की। इसमें कहा गया कि भारत सरकार के छह एजेंट आपराधिक गतिविधियों में शामिल हैं।

हम लड़ना नहीं चाहते, लेकिन भारत ने गलती कर दी, निज्जर हत्याकांड पर फिर जहर उगल रहे ट्रूडो

ओटावा , एजेंसी। कनाडा और भारत के रिश्तों में एक बार फिर खटास आ चुका है। कनाडा सरकार ने खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत के उच्चायुक्त के शामिल होने का आरोप लगाया है। भारत सरकार ने इन आरोपों को बेबुनियाद करार दिया है। वहीं, भारत ने कनाडा से अपने उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा और अन्य राजनयिकों को वापस देश बुला लिया है।

प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि कनाडा ने पिछले साल एक कनाडाई नागरिक की हत्या में भारतीय अधिकारियों की संलिप्तता के आरोपों से संबंधित सभी जानकारी अपने फाइव आईज भागीदारों, विशेष रूप से अमेरिका के साथ साझा की है।

ट्रूडो ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा,भारत ने सोमवार को छह कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित कर दिया और हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच से जुड़े आरोपों खारिज कर दिया है। इसके बाद कनाडा ने अपने उच्चायुक्त और अन्य अधिकारियों को वापस देश बुला लिया है। जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि मैंने पीएम मोदी से बात की और कहा था कि भारत इस मामले को गंभीरता से ले।

हम निज्जर की हत्या को नजरअंदाज नहीं कर सकते: ट्रूडो: ट्रूडो ने कहा है कि हमने जानबूझकर कनाडा-भारत संबंधों में तनाव पैदा करने के लिए नहीं चुना है। भारत एक महत्वपूर्ण लोकतंत्र है, एक ऐसा देश है जिसके साथ हमारे लोगों के बीच गहरे ऐतिहासिक व्यापारिक संबंध हैं। हम यह लड़ाई नहीं चाहते हैं, लेकिन जाहिर तौर पर कनाडा की धरती पर एक कनाडाई की हत्या कुछ ऐसी बात नहीं है एक देश के रूप में हम इसे नजरअंदाज कर सकते हैं, इसलिए हमने हर कदम पर भारत को जो कुछ भी पता है उससे अवगत कराया है। मैंने सीधे प्रधानमंत्री मोदी से बात की है।

कनाडा के पीएम ने आगे कहा, भारत सरकार ने यह सोचकर बुनियादी गलती की कि वे कनाडा की धरती पर कनाडाई लोगों के खिलाफ आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं, चाहे वह हत्या हो या जबरन वसूली है। यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है। कनाडा भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को पूरी तरह से स्वीकार करता है और उसका सम्मान करता है। हमें उम्मीद थी कि इस मामले पर भारत कोई कदम उठाएगा मगर ऐसा नहीं हुआ।

कनाडा के छह राजनयिकों के भारत छोड़ने का आदेश : भारत ने कनाडा के छह राजनयिकों स्टीवर्ट रॉस व्हीलर (कार्यकारी उच्चायुक्त), पैट्रिक हेबर्ट, मैरी कैथरीन जॉली (फर्स्ट सेक्रेटरी), इयान रॉस डेविड (फर्स्ट सेक्रेटरी), एडम जेम्स चुइपका (फर्स्ट सेक्रेटरी) और पाउला ओर्जुएला (फर्स्ट सेक्रेटरी) को निष्कासित करने का फैसला लिया है. इन्हें 19 अक्टूबर को रात 12 बजे तक भारत छोड़ देने को कहा गया है।

हमारे पास पुख्ता सबूत: ट्रूडो ने कहा,आरसीएमपी कमिश्नर के पास स्पष्ट और पुख्ता सबूत हैं। भारत सरकार के एजेंट ऐसी गतिविधियों में शामिल रहे हैं और अब भी शामिल हैं, जो सार्वजनिक सुरक्षा को बड़ा खतरा पैदा करती हैं।

हवाई हमले में मारा गया हमास एरियल यूनिट का प्रमुखः इजरायली सेना

यरूशलम, एजेंसी। इजरायली सैन्य और सुरक्षा एजेंसी ने कहा है कि गाजा पट्टी में इजरायली हवाई हमले में हमास की हवाई इकाई के प्रमुख की मौत हो गई। इजरायल की सेना और घरेलू सुरक्षा एजेंसी शिन बेट ने एक संयुक्त बयान में इसकी जानकारी दी। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के मुताबिक सितंबर में युद्धक विमानों द्वारा किए गए हमले में हमास के हवाई अभियान के प्रमुख समर अबू दक्का की मौत हो गई। बयान के अनुसार, अबू दक्का कई ड्रोन हमलों में शामिल था और हमास के हवाई अभियान में केंद्रीय भूमिका निभाता था। पिछले साल एरियल यूनिट प्रमुख असिम अबू रकाबा के मारे जाने के बाद दक्का को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इजरायली सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि अबू

दक्का 7 अक्टूबर, 2023 को इजरायल के खिलाफ हुए हमले में भी शामिल था। कथित तौर पर उसने दक्षिणी इजरायल में हमास के पैराग्लाइडर और ड्रोन अटैक यूनिट टीम को लीड किया था। उस अचानक हुए अटैक में 1,200 मौतें हुई थीं। जिसके बाद गाजा में जंग के हालात बने। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने सोमवार को एक बयान में जानकारी दी है कि गाजा पर इजरायली हमलों में अब तक 42,289 फिलिस्तीनी मारे गए हैं।

आर्थिक विकास में चीन और अमेरिका से आगे निकल जाएगा भारतः यूएसआईएसपीएफ अध्यक्ष

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) के अध्यक्ष जॉन चैंबर्स ने सोमवार को दावा किया कि भारत प्रमुख आर्थिक मापदंडों में चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका से आगे निकल जाएगा। नई दिल्ली में यूएसआईएसपीएफ द्वारा आयोजित वार्षिक भारत नेतृत्व शिखर सम्मेलन 2024 में बोलते हुए, चैंबर्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की आर्थिक प्रगति की तेज गति की तारीफ की। चैंबर्स ने कहा, महत्वपूर्ण क्षण वह था जब राष्ट्रपति बाइडेन और प्रधानमंत्री मोदी ने वाशिंगटन में मुलाकात की और घोषणा की कि यह अब तक की सबसे रणनीतिक साझेदारी है। यूएसआईएसपीएफ अध्यक्ष ने कहा, जीडीपी प्रति व्यक्ति आय वृद्धि के मामले में भारत चीन से

लगभग 100 प्रतिशत और अमेरिका से 33 प्रतिशत बड़ा होगा। यहां जीवन स्तर और समग्र विकास दुनिया के किसी भी अन्य देश से आगे निकल जाएगा। चैंबर्स ने जोर देते हुए कहा, यह भारत की सदी है। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका के साथ मिलकर व्यापार, सरकार, शिक्षा जगत के लीडर्स के साथ काम करके भारत वैश्विक विकास के लिए एक मॉडल बन सकता है।

यूएसआईएसपीएफ अध्यक्ष ने आगे भविष्यवाणी की कि मजबूत अमेरिकी-भारत साझेदारी के माध्यम से, हम संभावित रूप से भारत की जीडीपी वृद्धि को दो प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ा सकते हैं और अमेरिकी जीडीपी वृद्धि को एक प्रतिशत तक बढ़ा सकते हैं। यूएसआईएसपीएफ शिखर सम्मेलन प्रधानमंत्री मोदी की संयुक्त राज्य अमेरिका की सफल यात्रा के बाद हो रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार को मजबूत करना, सप्लाई चेन को बढ़ावा देना, सेमीकंडक्टर निवेश, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नेक्स्ट जेनरेशन टेक्नोलॉजी सहयोग को बढ़ावा देना है।

छात्रों को लेकर जा रही बस हुई बड़े हादसे का शिकार, 12 विद्यार्थियों की मौत, 33 घायल

काहिरा, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी मिस्र में एक राजमार्ग पर एक विश्वविद्यालय के छात्रों को ले जा रही बस दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट गई, जिससे 12 विद्यार्थियों की मौत हो गई और 33 अन्य विद्यार्थी घायल हो गए। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार रात यह जानकारी दी। बस में स्वेज में स्थित 'गलाला विश्वविद्यालय के विद्यार्थी सवार थे। यह दुर्घटना 'ऐन सोखना राजमार्ग पर उस समय हुई जब बस विद्यार्थियों को उन्हें घर छोड़ने के लिए निकली थी। मंत्रालय ने दुर्घटना के कारणों का खुलासा नहीं किया। एक बयान के मुताबिक, 28 एम्बुलेंस तत्काल घटनास्थल पर पहुंचीं और घायलों को स्वेज मेडिकल कॉम्प्लेक्स पहुंचाया। हालांकि उनकी स्थिति के बारे में जानकारी नहीं दी गई।

ईरान का इजराइल पर हमला करना पड़ा भारी, ब्रिटेन ने लगाया कड़ा प्रतिबंध

लंदन, एजेंसी। ईरान का इजराइल के खिलाफ हमला करना भारी पड़ा. ब्रिटेन ने इरान पर कई सख्त प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है. इसके तहत ब्रिटेन ने ईरान के सैन्य अफसरों और स्पेस एजेंसी पर बैन लगाया है. विदेश मंत्री डेविड लैमी ने कहा कि बार-बार चेतावनी के बावजूद ईरान और उसके सहयोगियों की खतरनाक कृत्यों से मिडल ईस्ट में तनाव और बढ़े हैं. ब्रिटेन के विदेश कार्यालय ने सोमवार को कहा कि एक अक्टूबर को इजराइल पर ईरान के हमले के बाद उसके सैनिकों, रक्षा संगठनों और अंतरिक्ष अभियानों से जुड़े संगठनों पर बैन लगाए गए हैं. नये प्रतिबंधों का लक्ष्य ईरान की सेना, वायु सेना तथा बैलिस्टिक एवं क्रूज मिसाइल विकास से जुड़े संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी हैं.

मिसाइल बनाने से जुड़े संगठन पर बैन

ब्रिटेन ने क्रूज मिसाइल में इस्तेमाल किए जाने वाले हिस्सों और डिजाइन बनाने का काम करने वाले संगठन फरजानेगन प्रोपल्शन सिस्टम डिजाइन ब्यूरो पर भी प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया है. इसके अलावा ईरानी अंतरिक्ष एजेंसी पर भी प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया है. ये बैलेस्टिक मिसाइल तैयार करने में तकनीकी सहायता करती है.

विदेश मंत्री डेविड लैमी ने कहा कि ईरान और उसके समर्थक मिडिल ईस्ट में तनाव को बढ़ावा रहे हैं. उन्होंने बयान में कहा कि इजराइल पर उसके बैलिस्टिक मिसाइलों के हमले के बाद हम ईरान को जवाबदेह ठहरा रहे हैं. इन कृत्यों में मदद करने वालों को बेनकाब कर रहे हैं. ईरान अपने सहयोगियों और भागीदारों के साथ अस्वीकार्य धमकियां दे रहा है. इसके खिलाफ पूरे क्षेत्र में तनाव कम करने के लिए दबाव बनाने के लिए आवश्यक उपाय करना जारी रखेंगे.

प्रतिबंधों में ये भी शामिल हैं

विदेश मंत्री के अनुसार ईरानी सेना के कमांडर-इन-चीफ और सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सदस्य अब्दोलरहीम मौसवी, सेना के डिप्टी कमांडर-इन-चीफ मोहम्मद-होसैन दादरास, वायु सेना के कमांडर हामिद वाहेदी और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के खुफिया प्रमुख मोहम्मद काजेमी प्रतिबंधित व्यक्तियों में शामिल हैं. ब्रिटेन ने पहले ही ईरान पर 400 से अधिक प्रतिबंध लगा रखे हैं. इनमें इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर के खिलाफ संपूर्ण प्रतिबंध शामिल हैं.

इजराइल का हमला जारी है

बता दें कि इजराइल लेबनान में हवाई और जमीनी हमले जारी रखे हुए है. साथ ही गाजा में भी हमले कर रहा है. इस महीने की शुरुआत में ईरान ने हमास प्रमुख इस्माइल हनीयाह और हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह की हत्या के प्रतिशोध में इजराइल में मिसाइलें दागी थीं. इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कसम खाई है कि ईरान इन हमलों की कीमत चुकाएगा।

शरद पूर्णिमा को चंद्रमा पूरा नजर आने से इसे महा पूर्णिमा भी कहते हैं। चंद्रमा इस दिन 16 कलाओं से युक्त रहता है। ये कलाएं मनुष्य के लिए सुख-सिद्धि दायक एवं उन्नति कारक मानी है। सर्वार्थसिद्ध और अमृत सिद्ध का संयोग भी इस दिन बन रहा है। खरीद-फरोख्त और नए कार्य आरंभ से लेकर पूजा-पाठ, दान-पुण्य इस दिन होंगे। महंत श्री कृष्णदास के मुताबिक शास्त्रों के अनुसार इस दिन चंद्रमा की 16 कलाएं खिलती हैं। जिनमें औषधीय गुण माने हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से भी इसे उत्तम माना है। व्रत-उपवास के साथ लोग रात्रि में खीर बनाकर भगवान विष्णु को सबसे पहले भोग लगाते हैं। चंद्रमा का इसलिए भी महत्व है कि इसे समुद्र मंथन से निकले 14 रत्नों में से एक मानते है।

शरद पूर्णिमा

16 कलाओं के चांद वाली पूनम रात

आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को शरद पूर्णिमा कहते हैं। इसे रास पूर्णिमा भी कहते हैं। ज्योतिष की मान्यता है कि संपूर्ण वर्ष में केवल इसी दिन चंद्रमा षोडश कलाओं का होता है। धर्मशास्त्रों में इस दिन कोजागर व्रत माना गया है। इसी को कौमुदी व्रत भी कहते हैं। रासोत्सव का यह दिन वास्तव में भगवान कृष्ण ने जगत की भलाई के लिए निर्धारित किया है, क्योंकि कहा जाता है इस रात्रि को चंद्रमा की किरणों से सुधा झरती है। इस दिन श्री कृष्ण को कार्तिक स्नान करते समय स्वयं (कृष्ण) को पति रूप में प्राप्त करने की कामना से देवी पूजन करने वाली कुमारियों को चीर हरण के अवसर पर दिए वरदान की याद आई थी और उन्होंने मुरलीवादन करके यमुना के तट पर गोपियों के संग रास रचाया था। इस दिन मंदिरों में विशेष सेवा-पूजन किया जाता है। इस दिन प्रात- काल स्नान करके आराध्य देव को सुंदर वस्त्राभूषणों से सुशोभित करके आवाहन, आसान, आचमन, वस्त्र, गंध, अक्षत, पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य, ताम्बूल, सुपारी, दक्षिणा आदि से उनका पूजन करना चाहिए। रात्रि के समय गौदुग्ध (गाय के दूध) से बनी खीर में घी तथा चीनी मिलाकर अर्द्धरात्रि के समय भगवान को अर्पण (भोग लगाना) करना चाहिए। पूर्ण चंद्रमा के आकाश के मध्य स्थित होने पर उनका पूजन करें तथा खीर का नैवेद्य अर्पण करके, रात को खीर से भरा बर्तन खुली चांदनी में रखकर दूसरे दिन उसका भोजन करें तथा सबको उसका प्रसाद दें।

पूर्णिमा का व्रत करके कथा सुनानी चाहिए। कथा सुनने से पहले एक लोटे में जल तथा गिलास में गेहूं, पत्ते के दोनों में रोली तथा चावल रखकर कलश की वंदना करके दक्षिणा चढ़ाए। फिर तिलक करने के बाद गेहूं के 13 दाने हाथ में लेकर कथा सुनें। फिर गेहूं के गिलास पर हाथ फेरकर मिश्राणी के पांव स्पर्श करके गेहूं का गिलास उन्हें दे दें। लोटे के जल का रात को चंद्रमा को अर्घ्य दें। शरद पूर्णिमा से ही स्नान और व्रत प्रारम्भ हो जाता है। माताएं अपनी संतान की मंगल कामना से देवी-देवताओं का पूजन करती हैं। इस दिन चंद्रमा पृथ्वी के अत्यंत समीप आ जाता है। कार्तिक का व्रत भी शरद पूर्णिमा से ही प्रारम्भ होता है। विवाह होने के बाद पूर्णिमा (पूर्णमासी) के व्रत का नियम शरद पूर्णिमा से लेना चाहिए। शरद ऋतु में मौसम एकदम साफ रहता है। इस दिन आकाश में न तो बादल होते हैं। और न ही धूल-गुबार। इस रात्रि में भ्रमण और चंद्रकिरणों का शरीर पर पड़ना बहुत ही शुभ माना जाता है। प्रति पूर्णिमा को व्रत करने वाले इस दिन भी चंद्रमा का पूजन करके भोजन करते हैं। इस दिन शिव-पार्वती और कार्तिकेय की भी पूजा की जाती है। यही पूर्णिमा कार्तिक स्नान के साथ, राधा-दामोदर पूजन व्रत धारण करने का भी दिन है।

शरद पूर्णिमा की कथा

एक साहूकार की दो पुत्रिया थीं। वे दोनों पूर्णमासी का व्रत करती थीं। बड़ी बहन तो पूरा व्रत करती थी पर छोटी बहन अधूरा। छोटी बहन के जो भी संतान होती, वह जन्म लेते ही मर जाती। परन्तु बड़ी बहन की सारी संतानें जीवित रहतीं। एक दिन छोटी बहन ने बड़े-बड़े पण्डितों को बुलाकर अपना दुख बताया तथा उनसे कारण पूछा। पण्डितों ने बताया-तुम पूर्णिमा का अधूरा व्रत करती हो, इसीलिए तुम्हारी संतानों की अकाल मृत्यु हो जाती है। पूर्णिमा का विधिपूर्वक पूर्ण व्रत करने से तुम्हारी संतानें जीवित रहेंगी। तब उसने पण्डितों की आज्ञा मानकर विधि-विधान से पूर्णमासी का व्रत किया। कुछ समय बाद उसके लड़का हुआ, लेकिन वह भी शीघ्र ही मर गया। तब उसने लड़के को पीढ़े पर लेटाकर उसके ऊपर कपड़ा ढक दिया। फिर उसने अपनी बड़ी बहन को बुलाया और उसे वही पीढ़ा बैठने को दे दिया। जब बड़ी बहन बैठने लगी तो उसके वस्त्र बच्चे से छूते ही लड़का जीवित होकर रोने लगा। तब क्रोधित होकर बड़ी बहन बोली-तू मुझ पर कलंक लगाना चाहती थी। यदि मैं बैठ जाती तो लड़का मर जाता। तब छोटी बहन बोली- यह तो पहले से ही मरा हुआ था। तेरे भाग्य से जीवित हुआ है। हम दोनों बहनें पूर्णिमा का व्रत करती हैं तू पूरा करती है और मैं अधूरा, जिसके दोष से मेरी संतानें मर जाती हैं। लेकिन तेरे पुण्य से यह बालक जीवित हुआ है। इसके बाद उसने पूरे नगर में ढिंढोरा पिटवा दिया कि आज से सभी पूर्णिमा का पूरा व्रत करें, यह संतान सुख देने वाला है।

शरद पूर्णिमा की रात क्यों खाते हैं खीर?

इस बार 16 अक्टूबर, बुधवार को शरद पूर्णिमा का पर्व है। शरद पूर्णिमा पर खीर खाने की परंपरा भी है। इस प्रथा के पीछे धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व दोनों ही हैं। शरद पूर्णिमा की रात चांद अपनी पूरी सुंदरता बिखेरता है। इस रात चांद से निकलने वाली शीतल किरणें हमारे स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होती हैं। धार्मिक मान्यता है कि इस रात चांद से अमृत बरसता है। इस रात खुले आसमान के नीचे खीर बनाई जाती है। चांद से निकलने वाली किरणें सीधे खीर पर पड़ती है।

चांद की किरणों के प्रभाव से खीर में औषधीय गुण शामिल हो जाते हैं। इस खीर को खाने से सांस संबंधी बीमारियों में राहत मिलती है। दमा रोगियों के लिए यह खीर अमृत समान ही होती है इसीलिए कई सामाजिक संस्थाओं द्वारा बड़े पैमाने पर दमा रोगियों के लिए खीर बनाई जाती है।

शरद पूर्णिमा पर करें लक्ष्मी की उपासना

शरद पूर्णिमा की रात को सबसे उज्जवल चांदनी छिटकती है। चांद की रोशनी में सारा आसमान धुला नजर आता है। ऐसा लगता है मनो बरसात के बाद प्रकृति साफ और मनोहर हो गयी है। माना जाता है कि इसी धवल चांदनी में मां लक्ष्मी पृथ्वी भ्रमण के लिए आती हैं। शास्त्रों के अनुसार शरद पूर्णिमा की मध्य रात्रि के बाद मां लक्ष्मी अपने वाहन उल्लू पर बैठकर धरती के मनोहर दृश्य का आनंद लेती हैं। साथ ही माता यह भी देखती हैं कि कौन भक्त रात में जागकर उनकी भक्ति कर रहा है। इसलिए शरद पूर्णिमा की रात को कोजागरा भी कहा जाता है। कोजागरा का शाब्दिक अर्थ है कौन जाग रहा है। मान्यता है कि जो इस रात में जगकर मां लक्ष्मी की उपासना करते हैं मां लक्ष्मी की उन पर कृपा होती है। शरद पूर्णिमा के विषय में ज्योतिषीय मत है कि जो इस रात जगकर लक्ष्मी की उपासना करता है उनकी कुण्डली में धन योग नहीं भी होने पर माता उन्हें धन-धान्य से संपन्न कर देती हैं।

शरद पूर्णिमा का महत्व

ऐसी मान्यता है कि माता लक्ष्मी का जन्म शरद पूर्णिमा के दिन हुआ था। इसलिए देश के कई हिस्सों में शरद पूर्णिमा को लक्ष्मी पूजन किया जाता है। द्वापर युग में भगवान श्री कृष्ण का जन्म हुआ तब मां लक्ष्मी राधा रूप में अवतरित हुईं। भगवान श्री कृष्ण और राधा की अद्भुत रासलीला का आरंभ भी शरद पूर्णिमा के दिन माना जाता है। शैव भक्तों के लिए शरद पूर्णिमा का विशेष महत्व है। मान्यता है कि भगवान शिव

और माता पार्वती के पुत्र कुमार कार्तिकेय का जन्म भी शरद पूर्णिमा के दिन हुआ था। इसी कारण से इसे कुमार पूर्णिमा भी कहा जाता है। पश्चिम बंगाल और उड़ीसा में इस दिन कुमारी कन्याएं प्रात: स्नान करके सूर्य और चन्द्रमा की पूजा करती हैं। माना जाता है कि इससे योग्य पति प्राप्त होता है।

औषधियों गुणों से भरपूर होती है शरद पूर्णिमा की चांदनी

चंद्रमा मन का कारक है और उसकी चांदनी शीतलता पहुंचाती है। लेकिन यही चांदनी मानव के स्वास्थ्य को भी लाभ पहुंचाती है। मानव के अवगुणों को मिटाने के लिए भी चंद्रमा की चादनी सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है। वर्ष की चार सर्वश्रेष्ठ पूर्णिमाओं में एक मानी जाने वाली शरद पूर्णिमा सबसे अधिक लाभदायक है। 18 अक्टूबर को आश्विन पूर्णिमा के दिन शरद पूर्णिमा है। पंडित विष्णु सरस बताते हैं कि पौराणिक कथाओं के अनुसार शरद पूर्णिमा पर भगवान कृष्ण ने गोपियों के साथ रासलीला की थी और इसी दिन चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से सुसज्जित होकर धरती को पूर्णतया प्रकाशमय कर देता है। उनके मुताबिक कालरात्रि, शिवरात्रि,दारूण रात्रि एवं मोह रात्रि यह चार रात्रि होती है जिनमें शरद पूर्णिमा को मोह रात्रि भी कहा जाता है।

औषधि पूर्ण होती है चांदनी

शरद पूर्णिमा के दिन चांद की चांदनी औषधीय गुणों से सराबोर होती है। इस बारे में आयुर्वेदाचार्य राहुल चक्रवर्ती बताते हैं कि जिस प्रकार सूर्य की रोशनी शरीर को रोगमुक्त बनाती है। उसी प्रकार चांद की चांदनी भी इस दिन शरीर के लिए सबसे अधिक लाभकारी होती है। इस दिन की चांदनी में औषधीय तत्वों का समावेश होता है। इस दिन चांदनी में जरूर बैठना चाहिए।

इस दिन चंद्रमा को यदि एकटक त्राटक रेखा में देखा जाए तो आंखों का बहुत अच्छा अभ्यास होता है। इस दिन चंद्रमा की रोशनी में सुई में धागा डालने से भी नेत्रों की ज्योति बढ़ती है।

जरूर खाएं चांदनी की खीर

पं.महेश चंद विशिष्ठ बताते हैं कि शरद पूर्णिमा की औषधीय गुणों की चांदनी के कारण इस दिन खीर बनाकर चांदनी में रखना चाहिए और सवेरे उसे अवश्य खाना चाहिए। यह शरीर के लिए काफी लाभकारी होती है।

शरद पूर्णिमा का शास्त्रों में महत्व

पौराणिक मान्यताएं एवं शरद ऋतु, पूर्णाकार चंद्रमा, संसार भर में उत्सव का माहौल। इन सबके संयुक्त रूप का यदि कोई नाम या पर्व है तो वह है शरद पूनम। वह दिन जब इंतजार होता है रात्रि के उस पहर का जिसमें 16 कलाओं से युक्त चंद्रमा अमृत की वर्षा धरती पर करता है। वर्षा ऋतु की जरावस्था और शरद ऋतु के बाल रूप का यह सुंदर संजोग हर किसी का मन मोह लेता है। प्राचीन काल से शरद पूर्णिमा को बेहद महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। शरद पूर्णिमा से हेमंत ऋतु की शुरुआत होती है। इसके महत्व और उल्लास के तौर-तरीकों के संबंध में ज्योतिषाचार्य प्रेमनारायण शास्त्री के अनुसार शरद पूनम का महत्व शास्त्रों में भी वर्णित है।

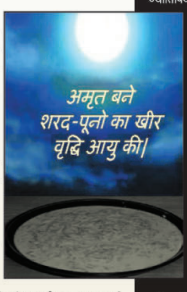

वे बताते हैं कि इस रात्रि को चंद्रमा अपनी समस्त कलाओं के साथ होता है और धरती पर अमृत वर्षा करता है। रात्रि 12 बजे होने वाली इस अमृत वर्षा का लाभ मानव को मिले इसी उद्देश्य से चंद्रोदय के वक्त गगन तले खीर या दूध रखा जाता है जिसका सेवन रात्रि 12 बजे बाद किया जाता है। मान्यता तो यह भी है कि इस तरह रोगी रोगमुक्त भी होता है। इसके अलावा खीर देवताओं का प्रिय भोजन भी है। शरद पूर्णिमा को कोजागरी लोक्खी (देवी लक्ष्मी) की पूजा की जाती है। चाहे पूर्णिमा किसी भी वक्त प्रारंभ हो पर पूजा दोपहर 12 बजे बाद ही शुभ मुहूर्त में होती है। पूजा में लक्ष्मीजी की प्रतिमा के अलावा कलश, घृप, दूर्वा, कमल का पुष्प, हर्तकी, कौड़ी, आरी (छोटा सूपड़ा), धान, सिंदूर व नारियल के लड्डू प्रमुख होते हैं। जहां तक बात पूजन विधि की है तो इसमें रंगोली और उलू ध्वनि का विशेष स्थान है।

शरद पूर्णिमा की रात जागने पर मिलेगा धन!

शरद पूर्णिमा अर्थात कोजागरी व्रत आश्विन शुक्ल मध्य रात्रि व्यापिनी पूर्णिमा में किया जाता है। ज्योतिष नियमों के अनुसार इसी दिन चन्द्र अपनी सोलह कलाओं से परिपूर्ण होता है। कुछ क्षेत्रों में इस व्रत को कौमुदी व्रत भी कहा जाता है। इस दिन के संदर्भ में एक मान्यता प्रसिद्ध है कि इस दिन भगवान श्री कृष्ण ने गोपियों के साथ महारास रचा था। इस दिन चन्द्रमा कि किरणों से अमृत वर्षा होने की मान्यता प्रसिद्ध है। इसी कारण इस दिन खीर बनाकर रात्रि काल में चन्द्र देव के सामने चांदनी में व मां लक्ष्मी को अर्पितकर अगले दिन प्रात-काल में ब्रह्मण को प्रसाद वितरण व फिर स्वयं प्रसाद ग्रहण करने का विधि-विधान है। इस दिन एरावत पर आरूढ़ हुए इन्द्र व महालक्ष्मी का पूजन किया जाता है। इससे अवश्य ही लक्ष्मी और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। इस दिन मनुष्य विधिपूर्वक स्नान करके उपवास रखे और जितेन्द्रिय भाव से रहे। मां लक्ष्मी की प्रतिमा को स्थापित कर भिन्न-भिन्न उपचारों से उनकी पूजा करें, तदनंतर सायंकाल में चन्द्रोदय होने पर घी के 100 दीपक जलाए। इस रात्रि की मध्यरात्रि में देवी महालक्ष्मी अपने कर-कमलों में वर और अभय लिए संसार में विचरती हैं और मन ही मन संकल्प करती हैं कि इस समय भूतल पर कौन जाग रहा है? जागकर मेरी पूजा में लगे हुए उस मनुष्य को मैं आज धन दूंगी।इस प्रकार यह शरद पूर्णिमा, कोजागर व्रत लक्ष्मीजी को संतुष्ट करने वाला है। इससे प्रसन्न हुई मां लक्ष्मी इस लोक में तो समृद्धि देती ही हैं और शरीर का अंत होने पर परलोक में भी सद्गति प्रदान करती हैं।